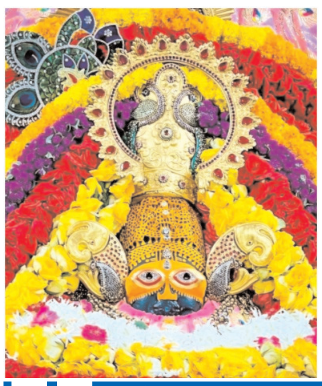

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:299। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 20 जून 2026 (शनिवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन में मप्र ने हासिल की बहुआयामी उपलब्धियां : द्रौपदी मुर्मु

राष्ट्रपति ने मप्र में सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन में हुई सामुदायिक भागीदारी को सराहा

एजेंसी

खंडवा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सिकल सेल एनीमिया के प्रति जागरूकता, समय पर जांच और इलाज को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में सवा करोड़ लोगों के स्क्रीनिंग का लक्ष्य समय से पहले पूरा हुआ है। राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन अंतर्गत मध्य प्रदेश ने जो बहुआयामी उपलब्धियां हासिल की हैं। इसके लिए मैं राज्य सरकार की सराहना करती हूं।

राष्ट्रपति मुर्मु शुक्रवार को मध्य प्रदेश के खण्डवा जिले के ओंकारेश्वर में विश्व सिकल सेल दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सिकल सेल दिवस पर इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। इस आयोजन से जुड़े सभी लोगों का कार्य सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि यह संतोष की बात है कि वर्ष 2023 में राष्ट्रीय मिशन का शुभारंभ करते समय जो अनेक बड़े लक्ष्य देश के सामने रखे गए थे, उनमें से स्क्रीनिंग का लक्ष्य समय से पहले ही पूरा हो गया। मुझे बताया गया है कि नवजात शिशुओं से लेकर 40 वर्ष की आयु तक के 7 करोड़ लोगों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य पूरा हो चुका है। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। यह पूरे विश्व में आनुवंशिक रोगों की जाँच-परख की सबसे बड़ी पहलों में से एक है। इस उपलब्धि में मध्य प्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान है। प्रदेश में अब तक सवा करोड़ से भी अधिक लोगों की स्क्रीनिंग हो चुकी है। इनमें से

अधिकांश लोगों को जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड भी दिये जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि सिकल सेल से जुड़ी चुनौती को भारत सरकार ने बहुत ही गंभीरता से लिया और पिछले कुछ वर्षों में एक समग्र दृष्टि से सरकार ने जो प्रयास किये हैं, वे अत्यंत सराहनीय हैं। लगभग तीन वर्ष पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश के शहडोल से राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन को लॉन्च किया था। इस पहल के पीछे न केवल सरकार का गंभीर प्रयास का दृढ़ संकल्प था बल्कि इस चुनौती से जुड़े हर आयाम का समुचित प्रतिक्रिया देने की दूरदर्शी सोच भी थी। उन्होंने कहा कि मुझे बताया गया है कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और केन्द्रीय जनजातीय मंत्रालय के संयुक्त मॉडल के रूप में देश में पहली बार ऐसा मिशन प्रारंभ किया। इसे केवल स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या के रूप में नहीं देखा गया, इसे जनजातीय स्वास्थ्य का मुद्दा, आनुवंशिकता से जुड़ी जागरूकता और प्रिवेंटिव हेल्थ केयर की चुनौती के साथ ही सामाजिक आचरण में बदलाव के मिशन के रूप में देखा गया। इस मिशन की पृष्ठभूमि में अनेक स्तरों पर किये गये वैज्ञानिक और सामाजिक अध्ययन रहे हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि आईसीएमआर, आदिवासी स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, एम्स, एनएचएम, डब्ल्यूएचओ और विभिन्न राज्य सरकारों ने इस विषय के विभिन्न आयामों पर अध्ययन किया हैं। इनसे मुख्य रूप से यह आंकलन सामने आया कि भारत में लगभग 2 से 2.5 करोड़ लोग सिकल सेल जीन के वाहक हो सकते हैं। लाखों लोग सक्रिय रोग से पीड़ित हैं। सबसे अधिक प्रभाव मध्य भारत की जनजातीय क्षेत्र में है। अनेक परिवार पीढ़ियों से इस रोग से प्रभावित थे लेकिन उन्हें बीमारी का नाम तक मालूम नहीं था।

तीन साल में अपराधी को सजा तक पहुंचाने वाली व्यवस्था बनाना लक्ष्य : अमित शाह

● अब आवश्यकता इस बात की है कि पूरी न्याय प्रणाली नागरिकों के अधिकारों की रक्षा का प्रभावी साधन बने।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को ऐसा प्रभावी माध्यम बनाया जाना चाहिए, जो प्रत्येक नागरिक को संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित कर सके।

उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के शरीर, संपत्ति या सम्मान से जुड़े अधिकारों का उल्लंघन होता है और वर्षों तक अपराधी को दंड नहीं मिलता, तो ऐसी व्यवस्था न्यायसंगत नहीं कही जा सकती। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के सरदार

वल्लभभाई पटेल सभागार में आयोजित 26वें अखिल भारतीय फिंगरप्रिंट सम्मेलन-2026 को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि वर्ष 2019 में आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक बदलाव लाने का अभियान शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य कानूनों को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को जांच प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा बनाना तथा एफआईआर से लेकर अपराधी को दोषसिद्ध कराने तक की प्रक्रिया को तीन वर्ष के भीतर पूरा करना है। उन्होंने कहा कि देश वर्तमान में आपराधिक न्याय प्रणाली के परिवर्तन काल से गुजर रहा है। पहले थाना केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने का माध्यम माना जाता था, लेकिन समय के साथ उसकी भूमिका अपराध नियंत्रण और जांच-पड़ताल तक विस्तारित हुई। अब आवश्यकता इस बात की है कि पूरी न्याय प्रणाली नागरिकों के अधिकारों की रक्षा का प्रभावी साधन बने।

> ● *गृहमंत्री ने राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (एनएएफआईएस) की सराहना करते हुए कहा कि इसके जरिए कई जटिल मामलों को सुलझाने में सफलता मिली है, लेकिन इसका उपयोग अभी भी संभावित क्षमता का केवल 10 प्रतिशत ही हो रहा है।*

रेल मंत्री ने छपरा-आनंद विहार सुपरफास्ट एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

बिहार में बुलेट ट्रेन लाने की घोषणा

एजेंसी

सारण। सारण जिले के लोगों के लिए शुक्रवार का दिन तब ऐतिहासिक बन गया, जब केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने छपरा जंक्शन से आनंद विहार साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नई ट्रेन सेवा की शुरुआत से क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल देखा गया। लोगों ने इसे दिल्ली-एनसीआर से बेहतर रेल संपर्क की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

इससे पहले पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव विशेष ट्रेन से छपरा पहुंचे और स्टेशन परिसर में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि छपरा की धरती ऐतिहासिक और प्रेरणादायी रही है। इसी धरती ने देश को लोकनायक जयप्रकाश नारायण जैसा महान व्यक्तित्व दिया, जिन्होंने आपातकाल के दौरान लोकतंत्र और

स्वतंत्रता की रक्षा के लिए संघर्ष किया।रेल मंत्री ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, सांसद राजीव प्रताप रूडी, सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल तथा अन्य जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बिहार में रेलवे विकास को अभूतपूर्व गति मिली है। उन्होंने कहा कि पहले बिहार को रेलवे परियोजनाओं के लिए सीमित बजट मिलता था, लेकिन अब रेल बजट को बढ़ाकर 10 हजार करोड़ रुपये कर दिया गया है।

मेकेदाटु परियोजना पर कांग्रेस दोहरा रवैया अपना रही, कर्नाटक के हितों से समझौता कर रही है : आर. अशोक

एजेंसी

बेंगलुरु। मेकेदाटु बांध परियोजना को लेकर कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और कांग्रेस नेतृत्व पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस कर्नाटक और तमिलनाडु में अलग-अलग रुख अपनाकर राज्य के हितों से समझौता कर रही है तथा गठबंधन राजनीति के लिए कर्नाटक के हितों की बलि चढ़ा रही है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी बयान में आर. अशोक ने कहा कि कांग्रेस ने एक बार फिर अपना वास्तविक चेहरा उजागर कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी कांग्रेस के सामने कर्नाटक के हितों और राजनीतिक समीकरणों के बीच चयन की स्थिति आती है, तब वह राज्य के हितों को प्राथमिकता देने के बजाय राजनीतिक हितों को आगे रखती है। अशोक ने कहा कि तमिलनाडु में सत्तारूढ़ गठबंधन खुले तौर पर मेकेदाटु परियोजना का विरोध कर रहा है और वहां कांग्रेस भी विरोधी पक्ष के साथ खड़ी नजर आती है। दूसरी ओर कर्नाटक में कांग्रेस नेता स्वयं को परियोजना का समर्थक बताते हुए पदयात्राएं निकालते हैं और जनता के बीच इसे राज्य के जल अधिकारों से जोड़कर प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल दोहरा मापदंड नहीं, बल्कि राजनीतिक विश्वासघात की पराकाष्ठा है।

प्रधानमंत्री मोदी की जी-7 शिखर सम्मेलन और स्वोवाकिया यात्रा ने वैश्विक मंच पर बढ़ाया भारत का कद: भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया जी-7 शिखर सम्मेलन और स्वोवाकिया यात्रा ने वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है। पार्टी के अनुसार, किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली स्लोवाकिया यात्रा थी और वहां प्रधानमंत्री मोदी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया। भाजपा मुख्यालय में शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में पार्टी के

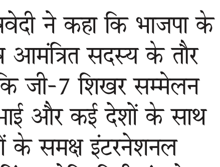

राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भाजपा के कार्यकाल में ही भारत को जी7 में विशेष आमंत्रित सदस्य के तौर पर शामिल किया गया था। उन्होंने कहा कि जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कई देशों के साथ द्विपक्षीय वार्ताएं कीं। भारत ने जी-7 देशों के समक्ष इंटरनेशनल मोबिलाइजेशन पार्टनरशिप फॉर एक्सेलेरेटिंग कनेक्टिविटी एंड ट्रेड (इंपैक्ट) का प्रस्ताव रखा, जिसमें सदस्य देशों ने रुचि दिखाई। यह भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को अब तक 33 अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं, जो विश्व स्तर पर उनके नेतृत्व की स्वीकार्यता को दर्शाते हैं।

रामंदिर चढ़ावा विवाद पर सीएम योगी बोले-

एसआईटी दूध का दूध और पानी का पानी करेगी

एजेंसी

अयोध्या । राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित अनियमितताओं के विवाद के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को स्पष्ट कहा कि मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी निष्पक्ष तरीके से काम कर रही है और 'दूध का दूध, पानी का पानी' करके रहेगी। उन्होंने सभी पक्षों से जांच पूरी होने तक बयानबाजी से बचने की अपील करते हुए कहा कि यदि किसी के पास कोई दस्तावेजी साक्ष्य है तो उसे एसआईटी को सौंपना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी दोषी होगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा, लेकिन जांच प्रभावित करने वाली अनर्गल टिप्पणियों से बचना जरूरी है। अयोध्या दौरे पर 245 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि रामभक्तों ने प्रभु राम के मंदिर के लिए 500 वर्षों तक मर्यादा और धैर्य के साथ संघर्ष किया है। उन्होंने कहा, '15 दिन और इंतजार कर लीजिए,

चिंता करने की जरूरत नहीं है। जांच एजेंसी अपना काम कर रही हैं।' मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों विशेषकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग अतीत में रामभक्तों और कारसेवकों पर गोली चलाने के लिए जाने जाते हैं, वे आज रामभक्ति और अयोध्या के सम्मान का पाठ पढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल कभी नहीं चाहते थे कि अयोध्या को वैश्विक पहचान मिले और आज भी वे अयोध्या की उपलब्धियों को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं।

सीएम योगी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राम मंदिर निर्माण का विरोध करने वाले और भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल खड़े करने वाले लोग आज रामभक्तों के सम्मान की बात कर रहे हैं। वहीं समाजवादी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अयोध्या से दूरी बनाए रखी और अपने नेताओं को भी यहां आने से रोका, वे अब अयोध्या और रामभक्ति के मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ओडिशा में 25,016 करोड़ की कोयला गैसीकरण परियोजना का करेंगे शिलान्यास

देश की पहली वाणिज्यिक स्तर की कोयले-से-अमोनियम नाइट्रेट उत्पादन परियोजना

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, आयात प्रतिस्थापन और औद्योगिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए शनिवार (20 जून) को ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले के लखनपुर में 25,016 करोड़ रुपये की कोयला गैसीकरण परियोजना की आधारशिला रखेंगे। कोयला मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि कोयला गैसीकरण प्रोत्साहन पहल से कोयला उत्पादक क्षेत्रों में 25 परियोजनाओं में 2.5 से 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश को बढ़ावा मिलने और लगभग 50 हजार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष

रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है। लखनपुर परियोजना देश की पहली वाणिज्यिक स्तर की कोयला-से-अमोनियम नाइट्रेट उत्पादन में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। ये परियोजना एमसीएल के कब्जे वाली लगभग 350 एकड़ भूमि पर बनेगी, जिसे आवश्यक मंजूरी मिल चुकी है और शिलान्यास समारोह के बाद काम शुरू होने की उम्मीद है। कोयला मंत्रालय ने इस तरह की परियोजनाओं के लिए कोयला युक्त भूमि के उपयोग को मंजूरी दी है और प्रोत्साहन योजना के तहत 1,350 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान कर रहा है।

तृणमूल नेता गौतम देव ने सिलीगुड़ी के मेयर पद से दिया इस्तीफा

सिलीगुड़ी। सिलीगुड़ी नगर निगम के मेयर गौतम देव ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफे दे दिया है। जानकारी के अनुसार, उन्होंने अपने पद से इस्तीफा देने का फैसला पार्टी नेतृत्व को पहले ही बता दिया था। जिसके बाद उन्होंने शुक्रवार को प्रशासन के पास औपचारिक रूप से अपना इस्तीफा सौंपा। हाल ही में उन्हें तृणमूल कांग्रेस की दार्जिलिंग जिला (समतल) कमेटी का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। माना जा रहा है कि पार्टी चाहती है कि वह संगठनात्मक कामकाज में अधिक सक्रिय भूमिका निभाएं। सूत्रों की मानें तो बदले राजनीतिक परिस्थितियों में प्रशासनिक कामकाज सुचारू रूप से नहीं कर पाने की वजह से उन्होंने यह निर्णय लिया है। गुरुवार को मेयर परिषद के साथ हुई बैठक में भी उन्होंने इस्तीफा देने की इच्छा जाहिर की थी। गौतम देव का राजनीतिक करियर काफी अहम रहा है। 2011 में राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद उन्हें उत्तर बंगाल विकास विभाग का मंत्री बनाया गया।

भारत तय समय से पहले हासिल करेगा रक्षा उत्पादन और निर्यात का लक्ष्य: राजनाथ सिंह

नागपुर में 10 हजार टन क्षमता वाली एल्युमिनियम एक्सट्रूजन प्रेस का उद्घाटन

एजेंसी

नागपुर । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में पूर्ण आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और रक्षा उत्पादन तथा निर्यात के तय लक्ष्यों को निर्धारित समय से पहले हासिल करने की राह पर है। नागपुर स्थित ऑर्डनेंस फैक्ट्री अंबाझरी (यान्त्र इंडिया लिमिटेड) में 10,000 टन क्षमता वाले एल्यूमीनियम एक्सट्रूज़न प्रेस की आधारशिला रखने के बाद, उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों में सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर रहना उचित नहीं है। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री

देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद रहे। राजनाथ सिंह ने कहा कि जो देश अपनी जरूरतों को स्वयं पूरा करने में सक्षम होता है, वही अपने राष्ट्रीय हितों की सबसे बेहतर तरीके से रक्षा कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह नई परियोजना आयात आधारित व्यवस्था से स्वदेशी रक्षा विनिर्माण की ओर एक बड़ा बदलाव साबित होगी। रक्षा मंत्री ने बताया कि पिछले एक दशक में तकनीक, कुशल मानव संसाधन, ज्ञान और राष्ट्रीय विश्वास के बल पर भारत के रक्षा क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में देश का कुल रक्षा उत्पादन बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जबकि वर्ष 2014 में यह केवल 46 हजार करोड़ रुपये था। इसी तरह रक्षा निर्यात भी बढ़कर 38,424 करोड़ रुपये हो गया है, जो 2014 में एक हजार करोड़ रुपये से भी कम था। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत जल्द ही 3 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन और 50 हजार करोड़ रुपये के रक्षा निर्यात का लक्ष्य तय समय से पहले हासिल कर लेगा। राजनाथ सिंह ने ऑर्डनेंस फैक्ट्री बोर्ड (ओएफबी) के पुनर्गठन और उसे रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों में बदलने के फैसले को सफल बताया। उन्होंने कहा कि इस बदलाव के बाद उत्पादन और निर्यात दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

किश्तवाड़ में आतंकियों का नेटवर्क ध्वस्त

गिरफ्त में आए दो सहयोगी

एजेंसी

किश्तवाड़। किश्तवाड़ जिले में आतंकियों की मदद करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें वन विभाग का एक कर्मचारी भी शामिल है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि किश्तवाड़ जिले के डच्चन इलाके के टंडर निवासी तारिक अहमद गिनू (वन विभाग में सरकारी कर्मचारी) और मोहम्मद इकबाल को गिरफ्तार किया गया है। ये गिरफ्तारियां किश्तवाड़ पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज एक मामले की जांच के दौरान की गईं। पुलिस ने कहा कि ये दोनों स्थानीय आतंकियों की मदद करने और उन्हें सहायता उपलब्ध कराने में शामिल थे। इससे पहले इसी मामले में चत्रू इलाके के दो अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया था। किश्तवाड़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नरेश सिंह ने कहा कि ये गिरफ्तारियां विस्तृत जांच के बाद की गईं और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने की कोशिशें जारी हैं। उन्होंने कहा कि जांच चल रही है और जो भी इसमें शामिल पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

TET में छूट के मुद्दे पर भावनगर में टीचरों का हल्लाबोलः कलेक्टर ऑफिस तक गूंजा!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वेलावदर। गुजरात की शिक्षा दुनिया में इस समय गुस्से का एक ही ज्वालामुखी फूट पड़ा है–ञ्ञश्वञ्ज परीक्षा से छूट! सालों से ईमानदारी से सेवा कर रहे और हजारों स्टूडेंट्स का भविष्य बना रहे टीचरों को ञ्ञश्वञ्ज परीक्षा से सम्मानजनक छूट दिलाने के लिए अब आर-पार की लड़ाई शुरू हो गई है। इस कानूनी लड़ाई के तहत, भावनगर के नौ कैडर, ऑल इंडिया नेशनल टीचर्स फेडरेशन की मिली-जुली पहल पर एक बड़ा और ज़ोरदार धरना प्रोग्राम आयोजित किया गया। भावनगर का मोतीबाग मैदान इस गुस्से का गवाह बना। जिले और शहर के कोने-कोने से टीचर भाई-बहन अपने हक के लिए बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए। मोतीबाग मैदान में ऐसा नज़ारा बन गया था जैसे टीचरों का चींटियों का टीला निकल आया हो। वहां से शुरू हुई अनुशासित लेकिन आक्रामक रैली जब कलेक्टर ऑफिस पहुंची, तो माहौल टीचरों के नारों से भर गया। प्रधानमंत्री और शिक्षा मंत्री के सामने जिला कलेक्टर को एक अर्जी देकर केंद्र सरकार से इस बारे में सही और पॉजिटिव कदम उठाने की पुरजोर मांग की गई। महासंघ के जिम्मेदार प्रतिनिधियों ने प्रदर्शन स्थल से हुंकार भरी कि टीचरों के फायदे के लिए पहले भी कई आंदोलन और विरोध सफल रहे हैं, इसलिए यह लड़ाई बेकार नहीं जाएगी। भले ही सुप्रीम कोर्ट ने 2010 से पहले के टीचरों के लिए TET जरूरी कर दिया है, लेकिन अगर केंद्र सरकार चाहे तो इस बारे में ऑर्डिनेंस लाकर टीचरों को सम्मानजनक राहत दे सकती है। यह तय है कि टीचरों की यह उम्मीद और गुस्सा अब दिल्ली तक पहुंचेगा। अगर सरकार जल्द ही कोई फैसला नहीं लेती है, तो आने वाले दिनों में यह आंदोलन और तेज होने की पूरी संभावना है।

NEET री-एग्जाम पेपर लीक का दावा, वायरल वीडियो से मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा हृश्वश्वञ्ज को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक व्यक्ति कथित तौर पर आगामी स्त्ररी-एग्जाम का प्रश्नपत्र होने का दावा करते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो के वायरल होने के बाद छात्रों और अभिभावकों में चिंता और नाराजगी बढ़ गई है। वीडियो WhatsApp, और टेलीग्राम सहित विभिन्न प्लेटफॉर्म पर साझा किया जा रहा है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था और पारदर्शिता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि बार-बार सामने आ रहे ऐसे दावों से छात्रों का मानसिक तनाव बढ़ रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए परीक्षा से जुड़े अधिकारी और साइबर क्राइम एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। वायरल वीडियो की सत्यता की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि वीडियो में किया गया दावा वास्तविक है या फिर अफवाह फैलाने और छात्रों को गुमराह करने की कोशिश है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी होने से पहले किसी भी दावे पर विश्वास न किया जाए। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि वीडियो भ्रामक या फर्जी पाया गया तो इसे बनाने और प्रसारित करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मानसून से निपटने के लिए AMC का प्री-मानसून एक्शन प्लान तैयार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। मानसून सीजन को देखते हुए अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने दानापीठ स्थित मुख्यालय में उच्चस्तरीय प्री-मानसून समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में शहर को जलभराव, ट्रैफिक जाम और अन्य संभावित समस्याओं से बचाने के लिए तैयारियों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बारिश के पानी की निकासी व्यवस्था, कैच पिट्स, सीवर एवं ड्रेनेज लाइनों की सफाई कार्य का जायजा लिया। हर वर्ष जलभराव वाले संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां पंपिंग स्टेशनों को तैयार रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही अंडरपास में जलभराव रोकने के लिए सेंसर आधारित निगरानी और ट्रैफिक प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करने पर चर्चा हुई। बैठक में टूटी सड़कों के तत्काल मरम्मत कार्य और आपात स्थितियों से निपटने के लिए इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम एवं कंट्रोल रूम को 24 घंटे अलर्ट रखने का निर्णय लिया गया। AMC का दावा है कि मानसून के दौरान नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

शाहपुर में खुले में पेशाब से बदबू, सफाई व्यवस्था पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। स्मार्ट सिटी अहमदाबाद के शाहपुर क्षेत्र स्थित वासुदेव त्रिपाठी हॉल के आसपास खुले में पेशाब की समस्या से स्थानीय लोग परेशान हैं। क्षेत्र में सफाई और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए दीवारों पर जागरूकता संबंधी संदेश और चित्र लगाए गए हैं, लेकिन जमीनी स्थिति इसके विपरीत दिखाई दे रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार हॉल की दीवारों और आसपास के खुले स्थानों का उपयोग खुले में पेशाब के लिए किया जा रहा है, जिससे पूरे इलाके में दुर्गंध फैल रही है। इससे राहगीरों और आसपास रहने वाले नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि लंबे समय से समस्या बनी हुई है, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। नागरिकों ने प्रशासन से क्षेत्र में सार्वजनिक यूरिनल या मोबाइल शौचालय की व्यवस्था करने तथा नियमित सफाई सुनिश्चित करने की मांग की है। महानगर मेट्रो जनता से जुड़े इस मुद्दे पर संबंधित विभाग से शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा करता है।

नर्मदा का सीना चीरकर करोड़ों का अवैध खनन

100 से अधिक डंपर और हिताची मशीनों से प्राकृतिक संपदा की खुली लूट, गांधीनगर तक 'हफ्ताखोरी' सेट होने की चर्चा से मचा हड़कंप!

कर्जन विधायक के संरक्षण में चल रहा है महाघोटाला!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कर्जन/वडोदरा। गुजरात में कानून का राज है या फिर राजनेताओं और खनन माफियाओं की सांठगांठ का? यह गंभीर सवाल इस समय वडोदरा जिले के कर्जन तालुका से उठ रहा है। कर्जन के विननगरवाड़ा गांव में, सासरोड मार्ग से नारेश्वर की ओर जाने वाले नर्मदा नदी के तट (पात्र) में प्राकृतिक संपदा की बेखौफ लूट मची हुई है। विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कर्जन के भाजपा विधायक अक्षय पटेल की सीधी भागीदारी में गोकुल भरवाड़ नाम का शख्स यहां बड़े पैमाने पर अवैध रेत और मिट्टी के खनन का महाघोटाला चला रहा है।

मशीनरियों का विशाल काफिला और करोड़ों की रॉयल्टी चोरी

नर्मदा नदी के सीने को बिना किसी डर के छलनी किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, खनन स्थल पर 100 से 125 डंपर, 20 से 25 जेसीबी मशीनें, और 15 से अधिक हिताची व लोडर मशीनें दिन-रात काम पर लगाई गई हैं। लीज (पट्टे) की आड़ में सरकारी नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए, सरकार को केवल नाममात्र की रॉयल्टी चुकाई जा रही है और हर महीने करोड़ों रुपये की सरकारी रॉयल्टी की चोरी को अंजाम दिया जा रहा है।

गांधीनगर से लेकर मामलतदार तक सब 'सेट'?

इस खनन माफिया राज के खिलाफ स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से कई बार शिकायतें कीं, लेकिन नतीजा 'सिफर' (शून्य) रहा।

फ्लाइंग स्क्वॉड मौनः गांधीनगर फ्लाइंग स्क्वॉड के 'चावड़ा' नामक अधिकारी को इस अवैध खनन की सटीक और पुख्ता जानकारी दिए जाने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यह बड़ा सवाल है।

अधिकारी लाचारः स्थानीय प्रांत अधिकारी या मामलतदार की इतनी हिम्मत भी नहीं हो रही कि वे स्थल पर जाकर जांच कर सकें।

हफ्ताखोरी की चर्चा–जनचर्चा है कि विधायक अक्षय पटेल की सीधी पहुंच सीएम कार्यालय तक है। इसी रसूख के दम पर वडोदरा खान-खनिज विभाग से लेकर गांधीनगर के शीर्ष स्तर तक हर महीने लाखों रुपये का हफ्ता पहुंचाकर 'सब कुछ सेट' कर दिया गया है।

रिमिनल बैकग्राउंड वाले माफिया पर किसका वरदहस्त?

जिस गोकुल भरवाड़ के नाम पर यह पूरा नेटवर्क फल-फूल रहा है, उसका आपराधिक इतिहास रहा है। अतीत में अवैध रिवॉल्वर (हथियार) रखने के जुर्म में उसकी गिरफ्तारी हो चुकी है। ऐसे शातिर अपराधी आज विधायक के दम पर सरकारी संपत्ति को सरेआम लूट रहे हैं, जो राज्य की कानून-व्यवस्था के लिए एक खुली चुनौती है।

जनता का सवालः क्या सरकार की नाक के नीचे चल रहा है यह खेल?

यह सनसनीखेज खुलासा सरकार और प्रशासनिक तंत्र पर सीधे सवाल खड़े करता है। क्या कर्जन के विधायक के आगे कानून बौना साबित हो चुका है? अब इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर स्थानीय निवासियों ने वडोदरा जिला कलेक्टर और जिला पुलिस अधीक्षक के समक्ष सबूतों के साथ लिखित शिकायत दर्ज कराने की पूरी तैयारी कर ली है। अब देखना यह होगा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' का दावा करने वाली सरकार इस करोड़ों के रेत घोटाले पर कानून का बुलडोजर चलाती है, या फिर नेताजी के दबाव में आकर जीवनदायिनी नर्मदा नदी को यूं ही माफियाओं के हवाले छोड़ दिया जाएगा?

– विशेष जांच ब्यूरो (Investigation Desk), महानगर मेट्रो।

हरिनगर में अवैध मिट्टी खनन का भंडाफोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। वागरा तालुका के हरिनगर गांव में सरकारी जमीन पर चल रहे अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 1.5 करोड़ रुपये का सामान जब्त किया है। 17 जून की मध्यरात्रि को जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में प्रांतीय अधिकारियों की टीम ने सरकारी सर्वे नंबर-10 पर छापा मारकर अवैध खनन का खुलासा किया। जांच में सामने आया कि बिना अनुमति सरकारी जमीन से मिट्टी निकाली जा रही थी, जिससे सरकार को रॉयल्टी का नुकसान हो रहा था। कार्रवाई के दौरान मिट्टी से भरे दो ट्रक, दो खाली ट्रक और खुदाई में इस्तेमाल हो रही दो हिताची मशीनें जब्त की गईं। हालांकि अंधेरे का फायदा उठाकर दो ट्रक मौके से फरार हो गए। माइंस एंड मिनरल्स विभाग तथा स्थानीय पुलिस ने मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं स्थानीय लोगों ने वागरा GIDC क्षेत्र में रात के समय बढ़ती संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए प्रशासन से पेट्रोलिंग और सरप्राइज चेकिंग बढ़ाने की मांग की है।

पेठापुर-महुदी हाईवे पर कार-ईको की टक्कर, बच्चा समेत तीन घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। पेठापुर-महुदी हाईवे पर एक सांड के अचानक सड़क पर आ जाने से बड़ा सड़क हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार कार चला रही महिला का वाहन से नियंत्रण खो गया, जिससे कार डिवाइडर पार कर दूसरी लेन में पहुंच गई और सामने से आ रही ईको-कार से टकरा गई। हादसे में दोनों वाहनों का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ईको-कार चालक के पैर में गंभीर चोट आई, जबकि कार चला रही महिला और उसके साथ मौजूद एक बच्चा भी घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राहुल गांधी के जन्मदिवस पर भीनमाल कांग्रेस का सेवा संकल्प

गौशाला में गायों को खिलाया हरा चारा, मिठाई बांटकर जताई खुशी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का जन्मदिवस भीनमाल में सेवा, सद्भाव और सामाजिक सरोकारों के साथ मनाया गया। भीनमाल कांग्रेस कमेटी द्वारा इस अवसर पर विभिन्न जनहित और जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसने कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा का संचार किया । पूरे कार्यक्रम का आयोजन भीनमाल कांग्रेस कमेटी के ओबीसी जिला अध्यक्ष सीएल गहलोत के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। स्थापना से लेकर समापन तक कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला।

गौ सेवा से हुई दिन की शुरुआत

राहुल गांधी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भीनमाल के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का हुजूम सुबह गोपाल कृष्ण गौशाला पहुंचा। यहां कार्यकर्ताओं ने पूरी श्रद्धा और सेवा भाव के साथ गौवंश को भारी मात्रा में हरा चारा खिलाया। इस दौरान उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने देश के प्रमुख जननेता राहुल गांधी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सफल राजनीतिक जीवन की मंगल कामना की।

युवाओं और वंचितों की बुलंद आवाज हैं राहुल

इस मौके पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ओबीसी जिला अध्यक्ष सीएल गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी आज देश की राजनीति में युवाओं की सबसे सशक्त आवाज़ बनकर उभरे हैं। उन्होंने हमेशा गरीब, किसान, मजदूर, पिछड़े वर्ग और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े वंचित लोगों की समस्याओं को निडरता से उठाया है। उनका संघर्ष, सादगी और जनहित के प्रति समर्पण देश के करोड़ों युवाओं और कार्यकर्ताओं के लिए एक महान प्रेरणास्रोत है। वहीं ओबीसी जिला प्रवक्ता अमरूद्दीन किरवाला ने राहुल गांधी के वैचारिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राहुल गांधी ने सदैव देश में सामाजिक न्याय, आपसी भाईचारे और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का कार्य किया है। देश की जनता की बुनियादी समस्याओं को संसद से लेकर सड़क तक उठाने का उनका अटूट प्रयास ही उन्हें आमजन का सच्चा नेता बनाता है।

कांग्रेस कार्यालय में आतिशबाजी और मिठाई का दौर

गौशाला में सेवा कार्य के बाद भीनमाल कांग्रेस कार्यालय में भारी संख्या में कार्यकर्ता एकत्रित हुए। यहां माहौल पूरी तरह उत्सव में बदल गया। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और मुंह मीठा करवाकर राहुल गांधी के जन्मदिन की बधाई दी। इस दौरान परिसर में जमकर आतिशबाजी हुई और कांग्रेस जिंदाबाद के नारे गूंजे। उपस्थित नेताओं ने संकल्प लिया कि वे राहुल गांधी के विचारों पर चलते हुए पार्टी की मूल विचारधारा को धरातल पर और मजबूत करेंगे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने एक सुर में कहा कि समाज के जरूरतमंद और शोषित लोगों की सेवा करना ही सच्चे अर्थों में किसी भी जनप्रतिनिधि या राजनीतिक कार्यकर्ता का परम कर्तव्य है।

पहली बारिश में उखड़ी धनतेज साधापुरा सड़क, गुणवत्ता पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सावली तालुका में धनतेज और साधापुरा गांवों को जोड़ने वाली सड़क पहली ही बारिश में क्षतिग्रस्त हो गई है। करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित इस सड़क के कई हिस्सों में बड़े गड्ढों हो गए हैं, जबकि किनारों की सुरक्षा दीवारें भी क्षतिग्रस्त बताई जा रही हैं। इससे वाहन चालकों और स्थानीय ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की खराब स्थिति के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है, विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए रात के समय आवागमन जोखिमभरा हो गया है। यह मार्ग क्षेत्र के कई गांवों के लिए प्रमुख संपर्क मार्ग माना जाता है। स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए मामले की जांच की मांग की है। उनका आरोप है कि घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग के कारण सड़क पहली ही बारिश में जवाब दे गई। महानगर मेट्रो जनता की मांग के अनुरूप संबंधित विभाग से तत्काल मरम्मत और जांच की अपेक्षा करता है।

नॉर्थ गुजरात में बारिश का मौसम, भिलोदा में देर रात 3 इंच और धनसुरा में साढ़े 3 इंच बारिश हुई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। नॉर्थ गुजरात में देर रात हल्की गरज के साथ मौसम बदला। गुरुवार शाम 6 बजे तक अरावली जिले में भारी बारिश के बीच 19 तालुकाओं में बारिश रिकॉर्ड की गई। सतलासना में सबसे ज़्यादा 9 तालुकाओं में 1 इंच से ज़्यादा और भिलोदा में 3-3 इंच बारिश हुई। सतलसाना, जो अब तक अंधेरे में था, वहां सिर्फ़ 4 घंटे में 3 इंच बारिश हुई, जो इस सीज़न की बारिश का 9.77 परसेंट था। यही हाल भिलोदा का भी रहा है। यहां एक दिन में 3 इंच बारिश हो चुकी है, जो इस सीज़न की बारिश का 8.16 परसेंट है। बारिश के मौसम की वजह से सुबह का टेम्प्रेचर ढाई डिग्री की गिरावट के साथ 26.8 डिग्री के आस-पास रहा। 16 दिनों के बाद टेम्प्रेचर 27 डिग्री से नीचे आया, जिससे सुबह कुछ देर के लिए माहौल ठंडा रहा। जबकि दिन का टेम्प्रेचर 38.5 डिग्री के आस-पास स्थिर रहा। वहीं अरावली जिले में 4 जानवरों की मौत हो गई। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, आज पाटन जिले को छोड़कर उत्तर गुजरात के 5 जिलों के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। धनसुरा तालुका में करीब साढ़े तीन इंच बारिश हुई, निचले इलाकों में पानी भर गया। रात 8 से 10 बजे के बीच भिलोदा में 40 द्वद्व बारिश हुई। जबकि रात 10 से 12 बजे के बीच धनसुरा में 45 द्वद्व और भिलोदा में 35 द्वद्व बारिश रिकॉर्ड की गई। आधी रात को बयाड और साथंबा पंथक में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। गाबत में, धनसुरा के अकोदिया और मोडासा के पशु बयाद तालुका के छत्रेश्वरी में गाबत के दरबारगढ़ इलाके में रहने वाले पशुपालक दीपक सिंह राजेंद्र सिंह के घर के सामने बिजली गिरने से दो जानवरों की मौत हो गई। मोडासा के सरदोई इलाके के छत्रेश्वरी में रात में गरज के साथ बिजली गिरी। अचानक, छत्रेश्वरी गांव के पशुपालक शैलेशभाई गलजीभाई फनात के बाड़ में बंधी एक भैंस पर बिजली गिर गई और भैंस का शरीर जल गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। धनसुरा के बरनाली के पास अकोदिया के मुवाड़ा में, पशुपालक पगी जशुभाई रामाभाई के घर के पास बारिश में एक पेड़ गिर गया और उसके पास से गुजर रही बिजली की लाइन के तार गिर गए, जिससे भैंस की मौत हो गई। धनसुरा डिवीजन के जीईबी और पशु चिकित्सक मौके पर आए और पंचनामा किया। जब पशुपालक ने घटना के बारे में पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। तेज हवाओं और बिजली कड़कने के बीच भारी बारिश के कारण भिलोदा, मऊ, लिलछा, खलवाड़, टकाटुका में बिजली सप्लाई बाधित रही। भिलोदा पंथक में रात में बिजली सप्लाई बाधित गुजरात सरकार स्पोर्ट्स, यूथ एंड कल्चरल एक्टिविटीज, गुजरात स्टेट, गांधीनगर और साबरकांठा डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा देर शाम विजयनगर तालुका में आभापुर शरणेश्वर महादेव के पास आयोजित टूरिज्म फेस्टिवल के तहत दियारा का कल्चरल प्रोग्राम बारिश के कारण कैंसिल करना पड़ा। जिसके कारण लोकगीतों और भजनों का आनंद लेने आए लोगों को भीगे हुए शरीर के साथ घर लौटना पड़ा।

पत्रकारिता की आड़ में कथित वसूली का आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गांधीनगर क्राइम ब्रांच ने अडालज थाना क्षेत्र में दर्ज एक कथित जबरन वसूली मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी सुनील ब्रह्मभट्ट को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पिछले करीब एक वर्ष से फरार था और उसकी तलाश की जा रही थी। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ गुजरात के विभिन्न जिलों के कई पुलिस थानों में आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस का आरोप है कि वह स्वयं को पत्रकार बताकर लोगों को धमकाने और कथित रूप से धन उगाही करने का प्रयास करता था। क्राइम ब्रांच ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। फिलहाल उससे पूछताछ जारी है और उसके नेटवर्क व अन्य संभावित मामलों की जांच की जा रही है। महानगर मेट्रो को मिली जानकारी के अनुसार पुलिस इस मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि कानून का दुरुपयोग करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त न्यूज

नाले का अधूरा काम बना परेशानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाघोडिया में रामेश्वरपुरा-अंतोली मार्ग पर बने नए नाले का अधूरा कार्य पहली ही बारिश में परेशानी का कारण बन गया। चिपचिपी मिट्टी के कारण दोपहिया वाहन फिसलने से दुर्घटनाएं हुईं, जबकि फंसी सरकारी बस को यात्रियों और छात्रों ने धक्का देकर बाहर निकाला। नाले में दरारें आने के बाद ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में अनियमितता के आरोप लगाते हुए जल्द मरम्मत की मांग की है।

अवैध मिट्टी खनन पर बड़ा एक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वागरा के हरिनगर में सरकारी जमीन पर चल रहे अवैध मिट्टी खनन पर प्रशासन ने छापा मारकर दो हिताची मशीन, चार ट्रक समेत करीब 1.5 करोड़ रुपये का सामान जब्त किया। कार्रवाई के दौरान कुछ वाहन फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है। कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।

नर्मदा नदी के रास्ते शराब की तस्करी की बड़ी कोशिश नाकाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। नसवाड़ी क्षेत्र में LCB ने नर्मदा नदी के रास्ते हो रही शराब तस्करी का भंडाफोड़ करते हुए 3,550 बोतल विदेशी शराब और डोंगी समेत 10.33 लाख रुपये का माल जब्त किया। कार्रवाई के दौरान मुख्य आरोपी दामजीभाई फुलजीभाई भील मौके से फरार हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में शराब तस्करी और स्थानीय पुलिस की निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

देवगढ़ बारिया APMC के चेयरमैन बने अमरसिंह राठवा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवगढ़ बारिया। देवगढ़ बारिया कृषि उपज मंडी समिति के चेयरमैन पद के चुनाव में अमरसिंह राठवा को निर्विरोध विजेता घोषित किया गया। चेयरमैन पद को लेकर विभिन्न कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन नामांकन प्रक्रिया के दौरान उनके अलावा किसी अन्य उम्मीदवार ने पर्चा दाखिल नहीं किया। इसके चलते अमरसिंह राठवा को बिना किसी मुकाबले के चेयरमैन चुन लिया गया।

नियम या इंसानियत? राजस्थान के टोंक में ट्रैफिक पुलिस की बेरहमी ने एक बुज़ुर्ग पिता की जान ले ली: बेटे का दिल दहला देने वाला आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक, (पीयूष गौत्तम)। राजस्थान के टोंक जिले से खाकी वर्दी को शर्मसार करने वाली एक बहुत ही बेपरवाह और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां नियमों के नाम पर इंसानियत को तार-तार करने वाले सीन बनाए गए थे। एक तरफ अस्पताल पहुंचने के लिए जिंदगी और मौत की जंग चल रही थी, वहीं दूसरी तरफ ट्रैफिक पुलिस चालान फाड़ने में लगी हुई थी। समय पर इलाज न मिलने की वजह से एक बुजुर्ग पिता की अस्पताल में ही मौत हो गई है, जिससे पूरे जिले में भारी गुस्सा और अफरा-तफरी मच गई है।

सीने में दर्द, लेकिन पुलिस ने रोड ब्लॉक कर दिया

पिपलू के जंवाली गांव के रहने वाले महेंद्र यादव अपने बुजुर्ग पिता शिवजी लाल यादव के साथ बाइक पर टोंक जा रहे थे। रास्ते में अचानक पिता शिवजी लाल को सीने में बहुत ज़्यादा और तेज़ दर्द हुआ। चूंकि उनके पिता को हार्ट अटैक आया था, इसलिए महेंद्र ने गंभीर हालत में तुरंत एक जान-पहचान वाले की मदद ली और अपने पिता को तीन सवारी में टोंक के सआदत हॉस्पिटल की ओर ले गए। लेकिन, अंधेरे में खड़ी ट्रैफिक पुलिस को यह इमरजेंसी नहीं दिखी। छावनी चौराहे के पास पुलिस लाइन के सामने एक ट्रैफिक पुलिसवाले ने उनकी बाइक रोक ली। पुलिसवाले ने उन्हें तीन सवारी होने और हेलमेट न पहनने पर कानून का पाठ पढ़ाना शुरू कर दिया और चालान काटने पर अड़ गए।पीड़ित के बेटे महेंद्र के मुताबिक, उसने पुलिसवाले के सामने हाथ जोड़े, उनके पैरों में गिरकर बार-बार विनती की, 'मेरे पिता की हालत बहुत गंभीर है, उन्हें हार्ट अटैक आया है। आप अभी हमारी बाइक का नंबर रिकॉर्ड कर लीजिए और फिर जो चाहें एक्शन लीजिए, लेकिन अभी हमें हॉस्पिटल जाने दीजिए।' लेकिन इस गुहार का पुलिसवाले पर कोई असर नहीं हुआ। आरोप है कि सेंसिटिविटी दिखाने के बजाय, पुलिसवाले ने धौंस जमाते हुए बाइक की चाबी छीन ली और उसे आगे बढ़ने से रोक दिया। कीमती मिनटों की इस हेराफेरी की वजह से बहुत देर हो गई और जब वे मुश्किल से हॉस्पिटल पहुंचे, तो समय पर इलाज न मिलने की वजह से बुज़ुर्ग शिवजी लाल यादव की दुखद मौत हो गई।

पावागढ़ पहाड़ी पर सुबह-सुबह दिल दहला देने वाला हादसा: भारी पत्थरों की वजह से लैंडस्लाइड में दो श्रद्धालुओं की मौत

दर्शन के लिए गए श्रद्धालुओं पर काल का वार: सुबह-सुबह आई एक प्राकृतिक आपदा ने पवित्र तीर्थस्थल पर अफरा-तफरी मचा दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

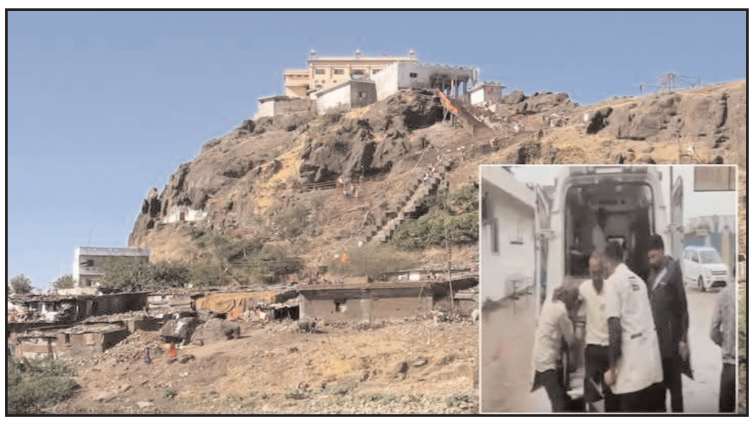

पावागढ़। गुजरात के प्रसिद्ध तीर्थस्थल पावागढ़ पहाड़ी से आज सुबह एक दुखद हादसे की खबर सामने आई है। माता महाकाली के दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं पर अचानक पहाड़ी से भारी पत्थर गिरने से लैंडस्लाइड जैसी स्थिति बन गई। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहाड़ी मार्ग से मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। इसी दौरान पहाड़ी का एक हिस्सा टूटकर नीचे आ गया और भारी पत्थर श्रद्धालुओं पर गिर पड़े। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। हादसे की सूचना मिलते ही मंदिर ट्रस्ट, पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि कुछ घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद प्रशासन ने एहतियात के तौर पर प्रभावित क्षेत्र में आवाजाही सीमित कर दी है और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा शुरू कर दी है। मानसून की शुरुआत के साथ पहाड़ी क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। महानगर मेट्रो परिवार हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता है। साथ ही श्रद्धालुओं से अपील करता है कि मानसून के दौरान प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

सरकार को खुली चुनौती देते हुए कहा 'मैं किसान की बेटी हूं, युवा अब जाग गए हैं!'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर,(पॉलिटिकल ब्यूरो)। गुजरात में किसानों के लंबित मुद्दों और विभिन्न मांगों को लेकर राजनीतिक माहौल एक बार फिर गर्माता नजर आ रहा है। मुआवजा, भूमि अधिग्रहण तथा ग्रामीण क्षेत्रों से गुजरने वाली हाई-टेंशन बिजली लाइनों से जुड़े मामलों को लेकर किसान लंबे समय से अपनी आवाज उठा रहे हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर सक्रिय और चर्चित चेहरा कीर्ति पटेल ने किसानों के समर्थन में खुलकर बयान दिया है। अपने बयान में कीर्ति पटेल ने कहा, 'मैं किसान की बेटी हूं। मैं जमीन और किसानों के पसीने की कीमत समझती हूं। सरकार को यह नहीं समझना चाहिए कि किसान कमजोर हैं। युवा अब जाग चुके हैं और किसानों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' गुजरात के कई क्षेत्रों में किसानों द्वारा मुआवजा और अन्य मांगों को लेकर समय-समय पर विरोध प्रदर्शन किए जाते रहे हैं। ऐसे में कीर्ति पटेल का समर्थन किसानों के मुद्दों को नई राजनीतिक और सामाजिक चर्चा दे सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सोशल मीडिया पर उनकी लोकप्रियता के कारण यह मुद्दा और अधिक व्यापक स्तर पर उठ सकता है। अब पूरे गुजरात की नजर इस बात पर है कि किसानों की मांगों को लेकर सरकार क्या रुख अपनाती है और आने वाले दिनों में यह आंदोलन किस दिशा में आगे बढ़ता है।

सरसपुर में युवा क्रिकेटर को अनोखी विदाई, बैट-बॉल लेकर अंतिम यात्रा में शामिल हुए दोस्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

अहमदाबाद। शहर के सरसपुर क्षेत्र में एक युवा क्रिकेटर की अंतिम यात्रा ने लोगों को भाव कर दिया। स्थानीय स्तर पर क्रिकेट खेलने वाले इस युवा खिलाड़ी के असामयिक निधन से परिवार, मित्रों और क्षेत्रवासियों में शोक की लहर फैल गई। युवा क्रिकेटर के प्रति अपने स्नेह और सम्मान को व्यक्त करने के लिए उसके दोस्तों ने अनोखा तरीका अपनाया। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में युवा हाथों में क्रिकेट बैट, बॉल और क्रिकेट किट लेकर शामिल हुए। दोस्तों ने अपने साथी की अर्थी को कंधा देते हुए उसे उसी खेल की पहचान के साथ अंतिम विदाई दी, जिससे उसे सबसे अधिक लगाव था। अंतिम यात्रा के दौरान भावुक दृश्य देखने को मिले। परिजन और मित्र अपने आंसू नहीं रोक सके। क्षेत्र के लोगों ने भी इस अनोखी विदाई को देखकर युवा खिलाड़ी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। कई लोगों ने इसे एक खिलाड़ी को उसके जुनून के साथ दी गई सम्मानपूर्ण विदाई बताया। महानगर मेट्रो को मिली जानकारी के अनुसार, अंतिम यात्रा में शामिल हुए युवाओं ने अपने मित्र की यादों को हमेशा जीवित रखने का संकल्प लिया। यह भावनात्मक दृश्य पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा।

नडियाद में भाजपा पदाधिकारी पर हमले के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। नडियाद टाउन पुलिस ने भाजपा किसान मोर्चा के नगर महामंत्री प्रकाश परमार पर हुए हमले के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना शहर के डी-मार्ट चौकड़ी क्षेत्र में हुई थी, जिसके बाद राजनीतिक और स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज हो गई थी। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चिराग रसिकभाई चावड़ा, गोपाल उर्फ गोपू रसिकभाई चावड़ा, नितिन उर्फ गोपाल जयंतीभाई परमार और महेंद्र छोटाभाई चावड़ा के रूप में हुई है। आरोप है कि चारों ने पूर्व नियोजित तरीके से प्रकाश परमार पर हमला किया और मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही नडियाद टाउन पुलिस ने जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने कुछ ही घंटों में आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपियों से पूछताछ जारी है और हमले के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है। महानगर मेट्रो को मिली जानकारी के अनुसार मामले में अन्य संभावित आरोपियों की तलाश के लिए भी पुलिस की विशेष टीमें कार्रवाई कर रही हैं।

सूरत में सोशल मीडिया के जरिए कथित 'कपल स्वैपिंग' नेटवर्क का खुलासा, महिला ने दर्ज कराई आपबीती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। शहर की एक महिला द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से संचालित कथित 'कपल स्वैपिंग' नेटवर्क से जुड़े गंभीर आरोप लगाए जाने के बाद मामला चर्चा में है। महिला ने दावा किया है कि फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी पहचान का उपयोग कर कुछ लोग विवाहित दंपतियों से संपर्क करते हैं और उन्हें विभिन्न प्रकार के प्रलोभन देकर अनैतिक गतिविधियों में शामिल करने का प्रयास करते हैं। पीड़िता के अनुसार शुरुआत सामान्य बातचीत और ऑनलाइन दोस्ती से होती है, जिसके बाद कथित तौर पर महंगे होटलों, लग्जरी जीवनशैली और आर्थिक लाभ का लालच दिया जाता है। महिला ने आरोप लगाया कि ऐसे समूह सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं और लोगों को मानसिक रूप से प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। मामले को लेकर लोगों में चिंता बढ़ी है और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग पर फिर से सवाल उठने लगे हैं। महानगर मेट्रो नागरिकों से अपील करता है जानकारी तुरंत संबंधित एजेंसियों को दें।

ईरान में महिला गायिका को सजा, मानवाधिकार संगठनों ने जताई चिंता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

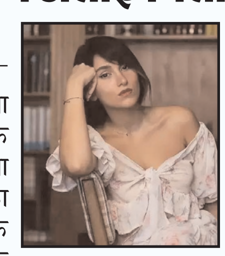

इंटरनेशनल डेस्क। ईरान में महिला कलाकारों की स्वतंत्रता को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरानी गायिका परस्तु अहमदी और उनकी टीम के कुछ सदस्यों को कथित रूप से देश के ड्रेस कोड नियमों के उल्लंघन से जुड़े मामले में सजा सुनाई गई है। बताया जा रहा है कि वर्ष 2024 में आयोजित एक संगीत कार्यक्रम के दौरान बिना हिजाब प्रस्तुति देने और कार्यक्रम के ऑनलाइन प्रसारण को लेकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू हुई थी। इसके बाद मामला अदालत तक पहुंचा। न्यायालय ने संबंधित आरोपों पर फैसला सुनाते हुए विभिन्न प्रतिबंध लगाए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, सजा में शारीरिक दंड के साथ यात्रा और सार्वजनिक कार्यक्रमों से जुड़े प्रतिबंध भी शामिल हैं। इस मामले के सामने आने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार संगठनों और महिला अधिकार कार्यकर्ताओं ने चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि कलाकारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और महिलाओं के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। महानगर मेट्रो के अनुसार,सांस्कृतिक अधिकारों और महिला अधिकारों पर वैश्विक बहस को तेज कर दिया है।

दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर बना तबाही का रास्ता: पहली बारिश ने 14 गांवों को तबाह किया, मीराखेड़ी में घर गिरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

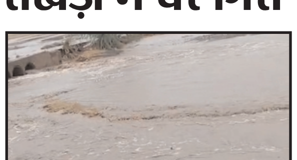

झालोद। गंभीर आरोप लगे हैं कि दाहोद ज़िले के गोविंद गुरु तालुका के मीराखेड़ी गांव समेत कुल 14 गांवों से गुज़रने वाला दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर हाईवे विकास से ज़्यादा तबाही मचा रहा है। मौसम की पहली बारिश ने एक बार फिर इन गांवों के लोगों के लिए मुश्किलों का पहाड़ खड़ा कर दिया है। आमतौर पर पहली बारिश खुशियां लेकर आती है, लेकिन यहां के लोगों के लिए यह बारिश आंसू और दर्द लेकर आई है। पिछले चार सालों से इन 14 गांवों के लोग बारिश के पानी के भरने की समस्या से जूझ रहे हैं। गांववालों के मुताबिक, कॉरिडोर बनाने के दौरान, कुदरती नालों में मिट्टी भर जाने से बारिश के पानी का कुदरती बहाव रुक गया है। इस वजह से बारिश का पानी गांवों और खेतों में घुस जाता है, जिससे पूरा इलाका झील बन जाता है। आज की बारिश में कई खेत पानी में डूब गए, जिससे किसानों की खेती को बहुत नुकसान हुआ है। बेबस किसान अपनी मेहनत को डूबते हुए आंसू भरी आंखों से देख रहे हैं क्योंकि खेत झील बन गए हैं। इस बीच, मीराखेड़ी गांव में दिनेशभाई चंदूभाई निसरता का घर भारी बारिश और तूफान की वजह से गिर गया। खुशकिस्मती से परिवार को सुरक्षित बचा लिया गया और कोई जान का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन घर का सामान बुरी तरह खराब हो गया है। इस घटना से पूरे इलाके में डर का माहौल बन गया है। कच्चे घरों में पानी भरने से कई परिवारों को पैसे का नुकसान उठाना पड़ा है। जानवरों को भी नुकसान हुआ है। गांववालों में सबसे बड़ा डर यह है कि अगर रात के अंधेरे में अचानक घरों में पानी घुस गया, तो छोटे बच्चे, औरतें और बूढ़े कहां जाएंगे? स्थानीय नेताओं और किसानों का आरोप है कि कई बार प्रशासन और अधिकारियों का ध्यान खींचने के बाद भी कोई हल नहीं निकला है। अब किसानों के तेवर और सख्त हो गए हैं। किसानों ने धमकी दी है, 'अब न्याय के लिए उग्र आंदोलन ही एकमात्र रास्ता है।' इस मामले में 20/06/2026 को सुबह 11 बजे सभी प्रभावित किसान खाताधारकों, तालुका-जिला पंचायत सदस्यों और नेताओं से अनुरोध किया गया है कि वे झालोद प्रांतीय अधिकारी के सामने अपना मामला रखने के लिए प्रांतीय कार्यालय में मौजूद रहें। अगर प्रशासन ने सही न्याय नहीं दिया तो रविवार को सभी किसानों की मीटिंग के बाद अगले उग्र आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। अब सवाल यह है कि अगर विकास के नाम पर बनाया गया कॉरिडोर गरीब आदिवासी परिवारों की तबाही का कारण बन रहा है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? पूरा इलाका अब सिस्टम को देख रहा है।

अंबाजी मंदिर में 'भूतिया कावड़ियों' का राज

3000 की सैलरी, करोड़ों की संपत्ति और सवालों के घेरे में व्यवस्था!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। जहां योगी सरकार ने अयोध्या के राम मंदिर में कथित गड़बड़ियों के मामले में 'स्ट्रेञ्ज' चलाकर मंदिर अधिकारियों की नींव हिला दी है, वहीं गुजरात के पवित्र स्थल अंबाजी मंदिर से भी एडमिनिस्ट्रेटिव गड़बड़ियों और करोड़ों की मायावी दौलत का ऐसा ही चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जो कावड़िए कभी सिर्फ 3,000 रुपये महीने की सैलरी पर पानी भरते थे, वे अब करोड़ों के मालिक बने बैठे हैं और एडमिनिस्ट्रेशन ने इन 'भूतिया कावड़ियों' के खिलाफ रहस्यमयी चुप्पी साध रखी है। परंपरा के अनुसार, सिद्धपुर के ठाकर परिवार (जिन्हें भट्टजी महाराज के नाम से जाना जाता है) अंबाजी मंदिर में पूजा करवाते हैं। इन भट्टजी महाराज ने माताजी के सुबह के अभिषेक के लिए 6 द्वद्व दूर सरस्वती कुंड से पवित्र जल लाने के लिए अपने खर्चे पर कावड़ियों को रखा है। लेकिन, असली खेल आरती के बाद शुरू होता है। भट्टजी महाराज दो बार की आरती पूरी करने के बाद, माताजी के सबसे पवित्र निजी मंदिर को इन कावड़ियों के भरोसे छोड़कर अपने बनाए गद्दे पर जाकर आराम से बैठ जाते हैं! दूसरी तरफ, ये कावड़िए पूरे दिन मुख्य मंदिर परिसर में बैठकर भक्तों को आशीर्वाद बांटते रहते हैं, जैसे वे खुद सरकारी पुजारी न हों! सबसे बड़ा प्रशासनिक सवाल यह है कि ये कावड़िए किसके आदमी हैं? वे अंबाजी मंदिर ट्रस्ट के सरकारी कर्मचारी नहीं हैं। उन्हें किसी आउटसोर्सिंग या कॉन्ट्रैक्ट एजेंसी ने भी काम पर नहीं रखा है। जो लोग एडमिनिस्ट्रेटिव किताबों में 'भूत' हैं, यानी जिनका कोई वजूद ही नहीं है, वे किस हक से देश के सबसे बड़े शक्तिपीठ के गर्भगृह पर राज कर रहे हैं? यह सारा खेल मंदिर के बड़े अधिकारियों की नज़रों के नीचे चल रहा है, फिर भी किस अजीब स्वार्थ या दबाव में इन कावड़ियों पर 'दया भरी नज़र' रखी जा रही है, यह जांच का विषय है। अगर कल को अयोध्या की तरह अंबाजी मंदिर में भी कोई बड़ी फाइनेंशियल गड़बड़ी या सोने, चांदी और ज्वेलरी का गबन सामने आता है, तो मंदिर वहिवटदार कानूनी तौर पर किसकी गर्दन दबाएगा? ऐसे आदमी पर एक्शन कैसे लेगा जो संस्था के रिकॉर्ड में ही नहीं है? अब लोकल भक्तों में बहुत गुस्सा है और मांग उठ रही है कि अंबाजी मंदिर में कावड़ियों को कानूनी और ऑफिशियली नियुक्त किया जाए। साथ ही, अगर अयोध्या की तरह हाई लेवल जांच कराई जाए कि तीन हजार रुपये कमाने वाले ये कांवड़िए करोड़ों की प्रॉपर्टी के मालिक कैसे बन गए, तो करोड़ों का घोटाला सामने आने की संभावना है।

दलीय टूट-फूट के सवालों से मुठभेड़ जरूरी

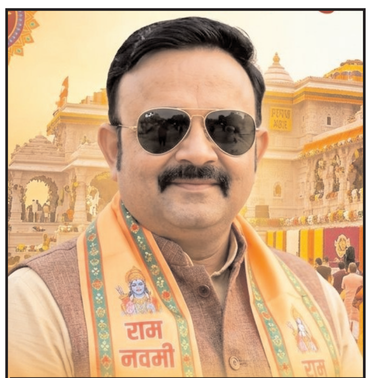

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> निश्चित तौर पर राजनीतिक दलों के गठन की बुनियाद उनका राजनैतिक और सामाजिक विचार और सिद्धांत होता है। इसके बावजूद लगातार महंगी होती चुनाव प्रक्रिया ने विचारधारा की राजनीति को पीछे खिसका दिया है। विचारधारा की दुहाई तभी तक दी जाती है, जब तक उसकी राह में धन बल या बाहुबल नहीं आता, जब तक कि सत्ता उससे दूर रहती है।

डॉक्टर लोहिया ने कहा तो था समाजवादियों से, लेकिन लगता है कि उनकी बात आज के विपक्षी दलों ने ज्यादा शिद्दत से मान ली है। लोहिया ने कहा था, सुधरो या टूट जाओ। लोहिया की इस अपील को उनके समाजवादी चेलों ने तो माना ही, अब गैर समाजवादी अनुयायी भी स्वीकार कर चुके हैं। चार मई को पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद सबसे बड़ी टूट उस ममता की पार्टी में हुई, जिन्हें राजनीतिक मैदान का योद्धा माना जाता था। जो झुकना नहीं जानतीं। पहले उनके 80 में से 53 विधायक टूट गए और विधानसभा में उन्होंने अपना अलग गुट बना लिया। इसके बाद लोकसभा के उनके 29 में से बीस सांसद भी टूट गए। दिलचस्प यह है कि उन्होंने एक अनाम-सी पार्टी नेशनल सिटिजन्स पार्टी में अपना विलय कर लिया। ममता की राह पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना के भी सांसद चल पड़े हैं और हो सकता है कि इन पंक्तियों के प्रकाशित होने तक उनके नौ में से छह लोकसभा सांसद पाला बदलकर एकनाथ शिंदे की शिवसेना के धनुष पर तीर चढ़ा रहे होंगे। सुगबुगाहट तमिलनाडु की द्रविड़ मुनेत्र कषगम् के संसदीय दल में भी टूट-फूट की दिख रही है। इस बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव की अगुआई वाली समाजवादी पार्टी में भी टूट की भविष्यवाणी जता दी है।

भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई बात नहीं है। अतीत में भी दल-बदल होते रहे हैं। हरियाणा में तो तकरीबन पूरा विधायक दल ही दूसरे दल में समा गया था। उसी के बाद से दलबदल के लिए भारतीय राजनीति में ह्यआयाराम गयारामह्ण का मुहावरा ही चल पड़ा था। लेकिन पश्चिम बंगाल के चुनावों के बाद जिस तरह दल-बदल या दलों में टूटफूट हो रहा है, वह अप्रत्याशित है। इतने बड़े पैमाने पर राजनीतिक दलों में भगदड़ पहले नहीं हुई थी। पहले किसी एक या दो दल में ऐसा होता था। ऐसा लग रहा है कि जैसे बीजेपी विरोधी दलों को दल-बदल या टूट-फूट वाली छूत की बीमारी लग गई है। इस प्रभावित दल इस टूट-फूट के लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका आरोप है कि बीजेपी टूटने वाले नेताओं को मोटी रकम का लालच दे रही है। उनका यह भी आरोप है कि संवैधानिक सुधारों के लिए चूंकि बीजेपी को संसद के दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत की जरूरत है, इसलिए वह धन और बाहुबल का लालच देकर दलों को तोड़ रही है।

एक बारगी मान भी लें कि बीजेपी की शह पर ये टूट-फूट हो रही है तो एक प्रश्न जरूर उठता है कि आखिर राजनीतिक दलों ने कैसे नेताओं को अपना सांसद या विधायक बनाने के

लिए चुना है? क्या उनके चयन में कोई गलती रही? सवाल यह भी उठता है कि जो टूट रहे हैं, क्या सांसद या विधायक बनाने को लेकर जब उनका चयन किया जा रहा था, तो उनकी कौन की खासियत देखी गई थी? क्या दल के प्रति न उनकी निष्ठा, उनके चरित्र आदि का ध्यान नहीं रखा गया। सवाल यह भी उठता है कि क्या बाहुबल या धन बल ही उनके चयन की बड़ी योग्यता मानी गई। इन सवालों का ईमानदारी से जवाब प्रभावित दल भले ही नहीं दे, लेकिन यह छुपी हुई बात नहीं है कि भारतीय राजनीति में संसद या विधानसभा में नुमाइंदगी के लिए दलीय निष्ठा की बजाय दूसरे कारकों का ज्यादा ध्यान रखा जा रहा है। इसमें चुनाव जीतने की क्षमता, चुनाव में खर्च करने की सामर्थ्य और जरूरत बड़ने पर पार्टी के लिए धन और बाहुबल के साथ खड़ा होने की शक्ति भी देखी जाती है। कई बार तो सिर्फ पैसे के दम पर ही टिकट हासिल कर लिए जाते हैं। यही वजह है कि मौका मिलते ही ये नेता अपनी निष्ठा बदलने में देर नहीं लगाते।

निश्चित तौर पर राजनीतिक दलों के गठन की बुनियाद उनका राजनैतिक और सामाजिक विचार और सिद्धांत होता है। इसके बावजूद लगातार महंगी होती चुनाव प्रक्रिया ने विचारधारा की राजनीति को पीछे खिसका दिया है। विचारधारा की दुहाई तभी तक दी जाती है, जब तक उसकी राह में धन बल या बाहुबल नहीं आता, जब तक कि सत्ता उससे दूर रहती है। अगर विचारधारा से विचलन के बाद सत्ता आती दिखती है तो राजनीतिक दल और नेता भी अपनी उस विचारधारा को कुछ वक्त के लिए ताक पर रख देते हैं। सिद्धांत और निष्ठाएं भी तब तक के लिए टाल दी जाती हैं। जब दलीय आधार पर ऐसा होता है तो निजी स्तर पर किसी सांसद और विधायक को आर्थिक या सत्ता में भागीदारी का मौका मिलेगा तो वह क्यों न टूटेगा। सवाल यह है कि जब दल और उसका अगुआ ही अपनी निष्ठा और विचारधारा को सत्ता के लिए किनारे रख देगा तो मौका मिलने पर उसका सांसद और विधायक ऐसा क्यों नहीं कर सकता। उद्धव ठाकरे के संसदीय दल में बिखराव की बड़ी वजह सत्ता के लिए पार्टी के सिद्धांतों से समझौता और कांग्रेस का साथ लेना रहा है।

टूट रहे सांसदों को लेकर आरोप लगाने वाले दलों को भी सोचना होगा कि आखिर उन्होंने किस तरह के लोगों को चुना? सवाल यह है कि जब पैसे लेकर टिकट दिए जाएंगे, जब दल और विचारधारा की निष्ठा के बजाय चुनावी टिकट हासिल करने के अन्य कारण होंगे तो फिर इस प्रक्रिया से चुनकरआए सांसदों और विधायकों की ख?ीद-बिक्री पर सवाल कैसे उठाए जा सकते हैं? कैसे उन्हें दलीय निष्ठा के प्रति बांधे रखा जा सकता है।

दलीय टूट-फूट का अभी कोई बड़ा नुकसान भले ही नहीं दिख रहा हो, लेकिन आने वाले दिनों में इसका एक बड़ा हश्र लोक विश्वास के दरकने के रूप में दिख सकता है। आज का मतदाता बहुविध सूचनाओं के तमाम स्त्रोतों से लैस है। उसकी राजनीतिक समझ पहले के मीडिया क्रांति केदौर के पहले के मतदाताओं की तुलना में कहीं ज्यादा विकसित है। उसका सामान्य ज्ञान कमजोर भले ही हो सकता है, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और उसमें आ रहे निष्ठागत बदलावों की पृष्ठभूमि को वह समझ रहा है। ऐसे में उसका भरोसा मौजूदा राजनीतिक तंत्र से चूक सकता है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया से उसका भरोसा टूटना लोकतंत्र के लिए खतरनाक हो सकता है। दल बदलने वाले अपने प्रतिनिधि के बारे में वह सवाल उठा सकता है कि उसने जिस सोच के साथ उसे वोट दिया, उसका प्रतिनिधि उस सोच के साथ गद्दारी कर रहा है। कई बार स्थानीय कारणों के साथ ही अपनी वैचारिक निष्ठा के चलते भी अपना मत देता है। हो सकता है कि राष्ट्रीय स्तर पर किसी दल विशेष को बड़ा समर्थन मिला हो, लेकिन उसी दल विशेष के किसी स्थानीय प्रतिनिधि को स्थानीय निष्ठाओं, जरूरतों और कारकों के साथ ही वैचारिक कारणों से मतदाताओं का समर्थन नहीं मिलता। मान लेते हैं कि राष्ट्रीय या राज्य स्तर पर किसी दल विशेष को भारी समर्थन मिला है, लेकिन स्थानीय स्तर पर इसके ठीक उलट किसी अन्य दल या उसके प्रतिनिधि को समर्थन मिला है। इसका मतलब यह है कि राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन हासिल करने वाले दल के कार्यक्रमों और योजनाओं की बजाय स्थानीय योजनाओं को लेकर स्थानीय लोगों की अपनी अलग दृष्टि है, या अपनी अलग चाहत है। स्थानीय मतदाताओं का भरोसा उसे इसी वजह से मिला है। लेकिन उसका प्रतिनिधि अपनी निष्ठा बदल लेता है कि स्थानीय मतदाता खुद को आहत और ठगा हुआ महसूस कर सकता है। चूंकि इन दिनों दलीय टूट-फूट व्यापक स्तर पर हो रही है, इसलिए मतदाताओं में इसका व्यापक असर पड़ सकता है। इसके चलते मतदाता आहत महसूस कर स0कते हैं, विश्वासघात भी मान सकते हैं। इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा कमजोर हो सकता है। मौजूदा राजनीतिक तंत्र को मतदाताओं के मनमिजाज को इस नजरिए से भी समझना होगा। भारतीय लोकतंत्र को भरोसेमंद बनाने की राह राजनीतिक दलों को ही खोजना होगा। क्योंकि लोहिया की टूटने की अपील के पीछे भी सुधार को खोजना था। लेकिन सवाल यह है कि क्या राजनीतिक दल संपूर्णता में इस सवाल से मुठभेड़ करने को तैयार हैं?

संपादकीय

टेलीग्राम पर बैन

मई महीने में नीट प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने के बाद केंद्र सरकार अति- सतर्कता के मूड में नजर आ रही है। लीक प्रकरण के पश्चात निशाने पर आने के बाद सरकार कदम फूंक-फूंक कर रख रही है। इसी कड़ी में चर्चित मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर लगाम लगाने के निर्णय को लेकर विवाद अदालत के दरवाजे तक जा पहुंचा है। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब केंद्र सरकार राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिये संघर्ष कर रही है। हकीकत यह है कि मई में प्रश्नपत्र लीक होने से मची अफरातफरी और विपक्ष के नेताओं के निशाने पर आने के बाद केंद्र सरकार कोई जोखिम लेने को तैयार नहीं है। निस्संदेह, इस परीक्षा में आयोजक एजेंसियों की विश्वसनीयता और बीस लाख से ज्यादा प्रतिभागियों का भविष्य दांव पर लगा है। यही वजह है कि राष्ट्रीय महत्व की परीक्षाओं को लेकर नीट और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एटीए द्वारा परीक्षार्थियों का भरोसा फिर से कायम करने की कवायद पर पूरा जोर दिया जा रहा है। ऐसे में रविवार को होने वाली नीट की पुनःपरीक्षा से ठीक पहले, सरकार का चर्चित मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर कुछ अवधि के लिये प्रतिबंध लगाना, अति सतर्कता को ही दशार्ता है। सरकार के इस अतिरेक सावधानी वाले रवैये को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार ने अपने इस कदम का पुरजोर बचाव किया है। सरकार की दलील है कि इस क्लाउड-बेस्ड प्लेटफॉर्म का बॉट इंफ्रास्ट्रक्चर लीक हुई सामग्री का तेजी से बड़े पैमाने पर प्रसार करने में मददगार हो सकता है। वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में देशवासियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले पूरे प्लेटफॉर्म को कुछ दिनों के लिये ब्लॉक करने से आनुपातिकता और प्रक्रिया को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। लोगों का मानना है कि सतर्कता, सावधानी और तंत्र में सुधार कर समस्या का समाधान निकाला जा सकता है।

चिंतन-मनन

आभार जताना सीखो

मेरी एक संत मित्र थीं विमल। गर्मी के दिन थे और हम लोग गंगा तट पर बैठे हुए थे। गंगा तट पर बैठने से बड़ी ठंडी हवा लग रही थी। यूं तो बहुत गर्मी थी। अचानक से उन्होंने अपने झोले से आम निकाले और आम उन्होंने गंगा जी में उतार दिए ताकि ठंडे हो जाएँ और जब ठंडे हो गए तो उन्होंने एक मुझे दिया एक स्वयं लिया। उन्होंने आम हाथ में पकड़ा है और आम को देखती जा रही हैं। देखते-देखते उन्होंने कहा, यह आम का पेड़ जाने किस किसान ने कब बोया होगा, कितने पेड़ मर-मरा जाते हैं। चलते ही नही लेकिन यह पेड़ चलता रहा। सब झेल गया, आंधी तूफान सब झेल गया। मरा नहीं स्वस्थ रहा। अभी वह बड़ा हुआ। अभी उस पर बौर आए। फिर उस पर फल लगे और जाने कितने ही बार इस पेड़ पर कितने ही फल लगे होंगे और जाने किस-किसने खाए होंगे। लेकिन यह एक आम उतरा, टोकरी में गया। टोकरी से मंडी, मंडी से ट्रेडर, ट्रेडर से रीटेलर। और फिर अंत में रेहड़ी वाले के पास इतने आम थे, पर मैंने चुन कर कुछ आमों को निकाला और गंगा तट पर ये जो आम लाई हूं और उनमें से एक आम आपको दे दिया। पर यह आम मेरे हिस्से में आया। तो यह आम मुझ तक कितनी लम्बी यात्रा कर के आ रहा है। भावविभोर हो कर विमल ने कहा कि परमात्मा ने इस फल को खासम-खास मेरे लिए ही उगाया था। इसको मैं कहती हूं- संवेदनशील होना। इतने खेत, इतने पेड़, इतने आम, इतने रीटेलर, इतने रेहड़ी वाले, करोड़ों आम निकलते हैं। पर उन करोड़ों आमों में से यह एक छंट कर मुझ तक पहुंचा। भगवान ने खासम-खास यह आम मेरे लिए उगाया है तो यह तो परमात्मा का प्रसाद है और वह आम से ऐसे बात कर रही थीं जैसे आम उसकी बात को सुन रहा हो। और उस आम से कहती हैं, जब मैं तुम्हें खाऊंगी तो बहुत रस लेकर खाऊंगी और जब तू मेरे भीतर जाएगा तो तू मेरे भीतर ईश्वरीय प्रेम को और जगा देगा। ईश्वर ने प्रसाद भेजा है और इस ईश्वरीय प्रसाद को खा कर (क्योंकि जो अन्न हम खाते हैं उससे न केवल हमारा शरीर बनता है बल्कि हमारे मन का भी तो निर्माण इसी से होता है) मेरे मन में ईश्वरीय प्रेम निश्चित तौर पर बढ़ेगा। तो वह आम से प्रार्थना कर रही हैं कि, जब तू मेरे भीतर जाए तो मेरे भीतर प्रेम बढ़े। जिस प्रभु ने तेरे शरीर को बनाया है मेरे शरीर के लिए, तो जब तू मेरे भीतर जाए तो उस ईश्वर के प्रति मेरे प्रेम को और गहरा कर देना। खयाल रहे, कोई अकलमंद आदमी इस कहानी को सुने तो शायद कहे कि यह औरत तो पागल लगती है, आम से बात कर रही है। वह पेड़, फल से चर्चा नहीं कर रही है, उस आम के भीतर भी मौजूद भगवत्ता को और अपने भीतर भी उस भगवत्ता को महसूस करते हुए अपने मन को उस स्तर तक ले जाने की कोशिश कर रही है, जहां छोटे से छोटा काम भी ईश्वर स्मरण के बगैर नहीं किया जा रहा।

अमेरिका-ईरान युद्ध: 7500 मौत, 162 लाख करोड़ का नुकसान फिर शांति विराम

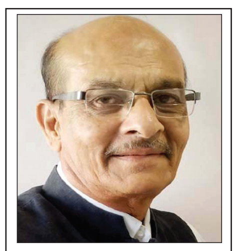

सनत जैन

मान्यता है इतिहास से सबक लिया जाता है। जो इतिहास से सबक लेते हैं, वे भविष्य में वह गलतियां नहीं करते हैं जो उनके पूर्वज कर चुके होते हैं। पर इतिहास से कोई सबक सीखता नहीं है, सभी को लगता है कि उनके पूर्वजों ने जो गलती की थी वह उनसे नहीं होगी। वह उनसे ज्यादा ताकतवर और समझदार हैं। इसलिए वह इतिहास की उन्हीं गलतियों को दोहराता है और एक बार फिर विनाश की ओर आगे बढ़ता है। विनाश के बाद विकास होने की गतिशीलता ही जन्म, मृत्यु और ब्रह्मांड को हमेशा क्रियाशील रखती है। यही कहा जा सकता है। हाल ही में अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया। अमेरिका और इजराइल यह मानकर चल रहे थे कि एक सप्ताह के अंदर इजराइल की सत्ता को पलट देंगे। वहां पर उनकी मर्जी से नया राज कायम हो जाएगा। ईरान, अमेरिका और इजराइल की मनमर्जी से चलेगा। उन्होंने ईरान के सुप्रीमो आयतुल्लाह खामेनेई और उनके बड़े-बड़े नेताओं की हमले में हत्या कर दी। एक स्कूल में हमला कर 165 से ज्यादा मासूम बच्चियों की हत्या कर दी। इसके कारण जो ईरान आंतरिक असंतोष झेल रहा था, सुप्रीमो खामेनेई और बच्चियों की हत्या के बाद ईरान एकजुट हो गया और उसने अमेरिका और इजराइल से पिछले 47 वर्षों में उसके साथ जो अत्याचार हुए थे इसका बदला लेने के लिए डू एंड डाई की स्थिति में आ गए।

अमेरिका और इजराइल की दादागिरी को उन्होंने अपनी इच्छाशक्ति और अपने जीवन को बचाने के लिए जिस तरह की लड़ाई लड़ी है उससे सारी दुनिया हैरान है। अमेरिका, ईरान युद्ध में अभी तक 7500 से ज्यादा मोतें हो चुकी हैं। 110 दिन चले इस युद्ध में जमीन पर फौज ने लड़ाई नहीं लड़ी है। सारी लड़ाई ड्रोन और मिसाइल के माध्यम से लड़ी गई। इसमें लगभग 162 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। पिछले कई दशकों में जो विकास हुआ था वह सब विनाश में तब्दील हो गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो अपने आपको सुपर हीरो मानकर चल रहे थे इस 110 दिन की लड़ाई में उनके हाथ कुछ नहीं लगा। इससे जो उनकी अजेय होने साख बनी हुई थी वह समाप्त हो गई। इजराइल को जो नुकसान हुआ है, उसकी कल्पना कभी उसने नहीं की थी। गाजा में जिस तरह से महिलाओं और बच्चों को बुरी तरह से मारा गया था, ऐसा नरसंहार दुनिया के लोगों ने पहले कभी नहीं देखा था। लगता है ईश्वर ने उनके अहंकार और स्वयं को ईश्वर मानने की जो गलती की थी उसका दंड दिया है।

इस युद्ध में वैसे तो भारत का कोई लेना-देना नहीं था लेकिन जिस तरह से भारत ने अमेरिका और इजराइल का समर्थन किया है। गाजा के मामले में चुप्पी साधे रखी। इजराइल को भारत के प्रधानमंत्री ने अपना फादर लैंड बता दिया। इसकी कीमत भारत को भी चुकानी पड़ रही है। भारत ने जहां ईरान जैसे पड़ोसी देश जो हर सुख-दुख में भारत के साथ होता था उसको खो दिया है। भारत की जनता को भी इस युद्ध का नुकसान उठाना पड़ रहा है। युद्ध कोई भी हो यह सिवाय विनाश के कुछ नहीं देता है। भारत में भी महाभारत युद्ध का एक इतिहास है। भगवान कृष्ण के होते हुए वह कौरवों से पांडवों को पांच गांव नहीं दिला पाए थे। युद्ध हुआ ना कौरव के हाथ कुछ लगा ना पांडवों के हाथ कुछ लगा। विनाश इतना बड़ा हुआ जिसका उल्लेख धर्म शास्त्रों में होने के बाद भी भारत पहली बार इस युद्ध में अमेरिका और इजराइल के साथ खड़ा रहकर एक तरह से पाप का भागी बन गया है। इसकी कीमत भारत की जनता को भी चुकानी पड़ रही है। बहरहाल जो भी घटनाएं होती हैं, उनसे सबक लिया जा सकता है। अभी भी यूक्रेन और रूस के बीच में रोजाना हमले हो रहे हैं। भारी तबाही हो रही है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के इस युद्ध से यदि रूस और यूक्रेन कोई सबक ले लें और शांति विराम की पहल करें तो यह बहुत अच्छा कदम होगा। दुनिया के सभी देशों को इस युद्ध से सबक लेने की जरूरत है। यही कहा जा सकता है।

ईर्ष्या का चक्रव्यूह: आधुनिक दुर्योधनों की भीड़ के सामने अकेले अडिग रहने की खुद्दारी

जो लोग अकेले मंज़िल तक नहीं पहुँच पाते, वही आधुनिक दुर्योधन आपके खिलाफ मोर्चा खोलते हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

समाज का एक बहुत बड़ा और कड़वा नियम है जब कोई व्यक्ति अपनी कड़ी मेहनत, ईमानदारी और खुद्दारी के दम

पर आगे बढ़ने लगता है, तब उसकी प्रगति से ईर्ष्या करने वाले कमज़ोर मानसिकता के लोग उसका साथ देने के बजाय, उसे पीछे धकेलने की साज़िशें रचने लगते हैं। महाभारत में दुर्योधन के पास बल था, सत्ता थी, फिर भी उसके मन में पांडवों के प्रति निरंतर भय और ईर्ष्या का भाव रहता था। वह कभी भी अकेले पांडवों का सामना करने का साहस नहीं जुटा पाता था। आज के समय में भी आपको अपने आस-पास ऐसे कई 'आधुनिक दुर्योधन' देखने को मिल जाएंगे। जब कोई व्यक्ति अपनी योग्यताओं से इन आधुनिक दुर्योधनों के रास्ते की बाधा बनने लगता है, तब वे सबसे पहले उसे अकेला करने की कोशिश करते हैं। आपके चारों ओर एक नकारात्मक माहौल तैयार किया जाएगा ताकि आप मानसिक रूप से कमज़ोर पड़ जाएं। लेकिन, जब वे देखते हैं कि आप अकेले भी पूरी मज़बूती से अडिग खड़े हैं और झुकने को तैयार नहीं हैं, तो उनका डर दोगुना हो जाता है।

साज़िशों का चक्रव्यूह और आपकी ताकत

अपनी हार को सामने देखकर यह आधुनिक दुर्योधन फिर अकेला नहीं आता। वह अपने साथ भीष्म पितामह, द्रोण, कर्ण और पूरी सेना को इकट्ठा करता है। आज के संदर्भ में कहें तो, जब कोई व्यक्ति अकेले ही सत्ता या ईर्ष्याखोरों के खिलाफ लड़ता है, तब सामने वाले लोग आपके विरुद्ध पूरा मोर्चा खड़ा कर देते हैं। ऑफिस पॉलिटिक्स (कार्यालयी राजनीति), सामाजिक साज़िशें या झूठी अफवाहों का एक ऐसा चक्रव्यूह रचा जाता है जिससे आपको मानसिक रूप से तोड़ा जा सके। 'साज़िशें हमेशा कमज़ोर लोग रचते हैं, क्योंकि शेरों की तरह अकेले लड़ने की उनकी औकात नहीं होती। आपकी ये अकेलेपन की स्थिति आपकी कमज़ोरी नहीं, बल्कि आपकी सबसे बड़ी ताकत है! अगर आपके खिलाफ पूरी सेना उतारनी पड़ रही है, अगर आपको हराने के लिए किसी को चक्रव्यूह की रचना करनी पड़ रही है, तो एक बात गाँठ बाँध लीजिए कि आप कोई साधारण इंसान नहीं हैं! सामने वाले पक्ष की इतनी बड़ी सेना और ये तमाम प्रपंच इस बात का सबूत हैं कि आपका पलड़ा भारी है। वे आपके अकेलेपन से इस कदर डरे हुए हैं कि उन्हें पूरे गाँव का सहारा लेना पड़ रहा है। आपकी खुद्दारी और आपका आत्मविश्वास इतना मज़बूत है कि उसने सामने वालों की बुनियाद हिलाकर रख दी है।

सत्य की लड़ाई और कृष्ण का साथ

कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन जब रथ पर सवार थे, तब सामने अनगिनत सेना थी और महान महारथी खड़े थे। लेकिन अर्जुन के पास क्या था? उनके पास कोई छल-कपट नहीं था, उनके पास था सिर्फ़ उनका 'गांडीव' और रथ के सारथी के रूप में स्वयं द्वारकाधीश श्रीकृष्ण। इतिहास गवाह है कि साज़िशें चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हों, लेकिन जिसका पक्ष सत्य का होता है और जिसके हृदय में प्रामाणिकता (ईमानदारी) होती है, उसका बाल भी बाँका नहीं हो सकता। जब पूरी दुनिया आपको घेरने के लिए चक्रव्यूह बना रही हो, तब समझ लेना कि ईश्वर आपको किसी बहुत बड़ी जीत के लिए तैयार कर रहा है।

साज़िशें करने वालों को करने दीजिए, चक्रव्यूह रचने वालों को रचने दीजिए। आपको बस अपने कर्तव्य पथ पर अडिग रहना है। याद रखिए कि जिस रणभूमि में साज़िशें आसमान छू रही हों, वहाँ न्याय करने के लिए माधव को स्वयं आना ही पड़ता है। 'जहाँ सत्य है, वहाँ संघर्ष निश्चित होगा, लेकिन जहाँ कृष्ण हैं, वहाँ विजय सुनिश्चित होगी! '

- दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट एवं नेशनल अवार्ड से सम्मानित) स्पोर्ट्स टीचर.

चंपत राय पूजनीय हैं, गलत करने वाले को सजा मिलेगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश. डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अपने दो दिवसीय झांसी दौरे के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या कार्यक्रम से चंपत राय को अलग रखने और चंदा चोरी के आरोपों पर बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि चंपत राय आदरणीय, पूज्यनीय और रामकाज के लिए समर्पित रामभक्त हैं. गौरतलब है कि अयोध्या प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री के दर्शन-पूजन प्रोटोकॉल में चंपत राय की जगह उनके प्रतिनिधि को भेजने की बात सामने आई है, जिसे एसआईटी पूछताछ से जोड़कर देखा जा रहा है. इस पर डिप्टी सीएम ने साफ किया कि आरोप लगना अलग बात है, मामले की जांच चल रही है और जिस भी व्यक्ति या कर्मचारी ने गलत किया होगा, उसे सजा जरूर मिलेगी. डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पूर्व सपा सांसद एसटी हसन के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है. उन्होंने कहा कि यह सब मुसलमान पहले हिंदू ही थे और जब हिंदू थे तो सबके पुरखे भगवान राम हैं. हम लोग उन्हें भगवान मानते हैं और वह उन्हें अपने पुरखे मानते हैं. इसके साथ ही उन्होंने राम मंदिर को लेकर अखिलेश यादव द्वारा दी जा रही बयानबाजी पर कड़ा ऐतराज जताया और कहा कि लोगों को ऐसी बयानबाजी से बाज आना चाहिए क्योंकि अयोध्या करोड़ों रामभक्तों की आस्था का केंद्र है. सपा नेता शिवपाल यादव के उस बयान पर जिसमें उन्होंने कहा था कि 'हमने केशव को कई बार हराया है', डिप्टी सीएम ने तीखा पलटवार किया. केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि शिवपाल यादव बड़े नेता हैं, वह केशव जी के चक्कर में न पड़ें और पहले अपने भतीजे को संभालें. चंपत राय के बचाव में उन्होंने आगे कहा कि वह हनुमान जी महाराज की तरह भगवान श्रीराम की सेवा में रहते हैं.

धर्मेंद्र-हेमा मालिनी की शादी का उदाहरण देकर हिंदू विधवा का किया धर्म परिवर्तन,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुजफ्फरनगर। ग्रेटर नोएडा में रहने वाली 55 साल की एक विधवा महिला ने मुजफ्फरनगर निवासी अशफाक पर राजू उर्फ राजीव बनकर उसे अपने प्रेम जाल में फंसाने और दस साल तक शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया है। पुलिस शिकायत में महिला ने बताया कि अशफाक का परिवार उसे जबरदस्ती न केवल नमाज पढ़वा रहे बल्कि मांस खाने को मजबूर भी कर रहे है। अशफाक ने फिल्?म अभिनेता धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की शादी का उदाहरण देते हुए उसका धर्म परिवर्तन करा दिया और नूरजहां नाम दे दिया। पुलिस आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन कर रही है। महिला ने पुलिस को बताया कि 2016 में उसकी मुलाकात एक कार्यक्रम में मोरना गांव के रहने वाले अशफाक से हुई। उस समय अशफाक ने अपने को हिंदू बताया और कहा कि उसका नाम राजू उर्फ राजीव बालियान है। वह विधवा थी, उसे बच्चों के पालन पोषण में जीवन जीने के लिए एक सहारे की जरूरत थी। आरोपी ने इसी के फायदा उठाकर उसे अपने जाल में फंसा लिया। पीड़ित महिला ने ये भी आरोप लगाया कि अशफाक ने अपनी पहचान लंबे समय तक छिपा कर रखी। इसके बाद एक दिन उसके फोन पर किसी ने अशफाक नाम लेते हुए बात करवाने को कहा तो उसका राज पता चला। पीड़िता ने बताया कि बाद में जानकारी करने पर ये भी पता चला कि आरोपी शादीशुदा है और पांच बच्चों का पिता भी है। अब अशफाक का परिवार उसे न केवल नमाज पढ़ने ओर मांस खाने के लिए मजबूर कर रहे है बल्कि धर्म परिवर्तन भी करा दिया। महिला ने आरोप लगाया है कि अशफाक ने उसका विश्वास जीतने के बाद नोएडा स्थित फ्लैट बेचने को मजबूर किया। आरोपी के चंगुल में और भी हिंदू महिलाएं फंसी हुई हैं। वह सभी के साथ शारीरिक शोषण के साथ ठगी का भी काम कर रहा है। पीड़िता हिंदू संघर्ष समिति के लोगों को साथ लेकर एसएसपी कार्यालय पहुंची ओर अशरफ के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तत्काल आरोपी अशफाक ओर उसके परिवार के खिलाफ संगीन धाराओं में मुकद्दमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।इस मामले में सीओ भोपा ने बताया कि ग्रेटर नोएडा निवासी महिला द्वारा शादी का झांसा देकर धर्म परिवर्तन कराने संबंधी तहरीर दी गई है। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की विवेचना की जा रही है। पुलिस आरोपों की सत्यता की जांच कर रही है तथा नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास भी शुरू कर दिए गए हैं।

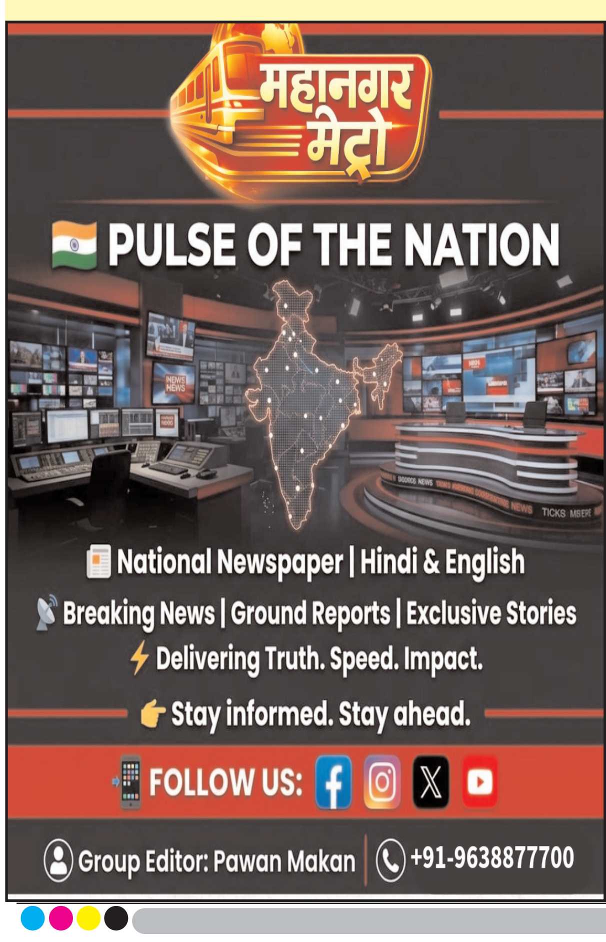

खिलौना लौटाने गई थी 6 साल की मासूम, दुकान के अंदर जो हुआ... उसे सुन कांप जाएगी रूह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजगढ़ । मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के खिलचीपुर में 6 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। वारदात 16 जून की है, जब बच्ची अकेले ही खिलौना लौटाने दुकानदार दिनेश सेन के पास गई थी। देर रात बच्ची के दर्द से तड़पने पर परिजनों को आपबीती पता चली, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को नई बीएनएस धाराओं और पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया है। इलाके में आरोपी के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई की मांग उठ रही है। जानकारी अनुसार राजगढ़ जिले के खिलचीपुर में एक 6 साल के मासूम बच्ची दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि घटना 16 जून की है। दुकानदार ने अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इस घटना के बाद पुलिस ने आरोपी दुकानदार के खिलाफ पास्कों एक्ट के तहत मामला दर्ज किया।

दर्द होने पर परिजन को बताया, तब पता चला

पुलिस ने बताया कि पीड़िता बच्ची अपनी सहेली के साथ 16 जून की शाम को दिनेश सेन की खिलौने की दुकान पर गई थी। यहां से खिलौने लेकर दोनों बच्चियां अपने घर लौट आई, लेकिन कुछ देर बाद पीड़िता अकेले ही खिलौना वापस करने के लिए दोबारा दुकान पर गई तो आरोपी दिनेश सेन ने मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। जब रात के समय बच्ची के प्रायवेट पार्ट में दर्द हुआ तो बच्ची रोने लगी। इसके बाद परिजन ने उससे पुछताछ की तो उसने दुकानदार के द्वारा उसके साथ की गई हरकत से अवगत कराया। इसके बाद पीड़िता को लेकर परिजन तत्काल खिलचीपुर थाने पहुंचे और पूरे मामलें की शिकायत कर कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

इस घटना के बाद खिलचीपुर थाना पुलिस ने मां की शिकायत पर 17 जून को आरोपी दुकानदार दिनेश सेन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता कीधारा 65 (2)351 (3) 127 (2) और लैंगिक अपराधों से बालकों के सरंक्षण अधिनियम पोक्सों एक्ट 2012 की धारा 5एम व 6 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामलें में बालक कल्याण समिति के अध्यक्ष साकेत शर्मा ने कहा इसके साथ ही आरोपी के यहां बुलडोजर की कार्रवाई की जाना चाहिए।

'मैडम जी बोतल क्यों नहीं बदल रहीं', अटेंडर ने पूछा तो सरकारी अस्पताल की नर्स ने बोतल फेंक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुरैना। मध्य प्रदेश के मुरैना जिला अस्पताल में एक नर्स की दबंगई देखने को मिली है। मरीज के अटेंडर पर वह सिर्फ इस बात पर तमातमा उठी कि उसने पूछ लिया कि आपने अभी तक बोतल क्यों नहीं बदला है। इसी बात पर अस्पताल में तैनात नर्स बौखला गई। मरीजे के अटेंडर को उसने बोतल फेंककर मार दी है।

मैडम जी बोतल क्यों नहीं बदल रहीं

दरअसल, मुरैना जिला अस्पताल में मरीज के साथ आए अटेंडर वहां की व्यवस्था से परेशान था। वह बोतल बदलने की गुहार लगा रहा था। लेकिन सुनवाई नहीं हो रही थी। इसके बाद अटेंडर मोबाइल से वीडियो बनाते हुए वहां पहुंचा। उसने पूछा कि मैडम जी बोतल क्यों नहीं बदल रही हैं।

बोतल फेंककर मारी

इसी बात को लेकर अस्पताल की स्टाफ नर्स तमतमा गई। वीडियो बंद करवाने के लिए उसने पहले कैमरे पर हाथ मारे। इसके बाद में अटेंडर को बोतल फेंककर मारी। साथ ही गाली गलौज भी करने लगी। इस दौरान दूसरी नर्स भी उसके पक्ष में आ गए। वहां मौजूद अन्य मरीज के परिजनों का कहना था कि इनका नर्स का व्यवहार गलत है।

वीडियो हो रहा है वायरल

वहीं, नर्स के इस व्यवहार का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। साथ ही मुरैना जिला अस्पताल की व्यवस्था पर एक बार फिर से सवाल उठने लगे हैं। पूरे मामले पर अस्पताल प्रबंधन ने चुप्पी साध रखी है। दोनों पक्षों से शिकायत मिली है। मामले की जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी। डॉ गजेंद्र सिंह तोमर, सिविल सर्जन

चाचा को लेकर अस्पताल आया था युवक

बताया जा रहा है कि पीड़ित युवक अपने चाचा को लेकर अस्पताल में आया था। वह उल्टी और दस्त से पीड़ित थे। उन्हें स्लाइन चढ़ाया जा रहा था। खत्म होने के बाद बोतल बदलने कोई नहीं आ रहा था। युवक ने नर्स को जब बोतल बदलने को कहा तो वह बोली की इतनी जल्दी है .

परीक्षा से पहले इंदौर में तीसरी मंजिल से गिरी नीट की छात्रा, बहन ने कहा कि पेपर रद्द होने की वजह से तनाव में थी वह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। नीट की तैयारी कर रही एक छात्रा की तीसरी मंजिल से गिरने के बाद मौत हो गई। गुरुवार देर रात हुई इस घटना के बाद उसे गंभीर हालत में पहले निजी अस्पताल और फिर एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां शुक्रवार सुबह इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बड़ी बहन के साथ रहती थी बहन

भंवरकुआं थाना क्षेत्र की धाकड़ कॉलोनी स्थित एक निजी बिल्डिंग में रहने वाली अवंतिका मौर्य अपनी बड़ी बहन डॉ. सपना मौर्य के साथ रहती थी। परिवार के मुताबिक वह लंबे समय से नीट की तैयारी कर रही थी लेकिन तीन बार परीक्षा में सफलता नहीं मिल पाई थी। हाल ही में नीट परीक्षा रद्द होने की खबर के बाद वह काफी परेशान रहने लगी थी। बड़ी बहन सपना ने पुलिस को बताया कि गुरुवार को अवंतिका पूरे दिन चुपचाप रही और बातचीत में भी ज्यादा रुचि नहीं दिखा रही थी। अधिकतर सवालों के जवाब वह सिर्फ हां या ना में दे रही थी। बताया जा रहा है कि गुरुवार रात करीब साढ़े 11 बजे वह अपनी बहन नैना से मोबाइल पर बात कर रही थी। इसी दौरान वह सीढ़ियों से ऊपर छत की तरफ गई और कुछ देर बाद नीचे गिर गई। आवाज सुनकर आसपास रहने वाले लोग बाहर पहुंचे और पुलिस व एम्बुलेंस को सूचना दी। अवंतिका मूल रूप से धार जिले की रहने वाली थी। उसके पिता डॉ. बंशीलाल मौर्य खरगोन जिले के भिकनगांव में मेडिकल अफसर हैं। वह एमवाय अस्पताल में ट्रेनिंग के सिलसिले में पांच दिन पहले ही इंदौर आए थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि घटना के समय वह फ्लैट के अंदर थे और उन्हें यह जानकारी नहीं है कि अवंतिका किस परिस्थिति में नीचे गिरी। परिजन उसे तुरंत जूपिटर अस्पताल लेकर पहुंचे जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे एमवाय अस्पताल रेफर कर दिया। शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे उसकी मौत हो गई। छात्रा के मोबाइल, कॉल डिटेल और घटनास्थल से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। एसएफएल टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं। जांच के बाद ही यह साफ हो सकेगा कि यह हादसा था या कोई अन्य कारण। संतोष दूधी, भंवरकुआं थाना प्रभारी चचेरे भाई धन सिंह ने बताया कि गुरुवार शाम वह अवंतिका के साथ था। वह टिंचा फॉल जाने की जिद कर रही थी लेकिन वह उसे वहां नहीं ले गया। रात करीब नौ बजे उसने अवंतिका को घर छोड़ा था। परिजनों के अनुसार जनवरी महीने में भी अवंतिका ने फिनाइल पीकर खुद को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की थी। लगातार तीन बार नीट में सफलता नहीं मिलने के बाद परिवार ने उसे आगे तैयारी नहीं करने की सलाह दी थी। इस साल उसका खरगोन के एक फार्मेसी कॉलेज में दाखिला भी करा दिया गया था।

हाथरस में विवाहित प्रेमिका की गला घोंटकर हत्या, प्रेमी ने भी किया सुसाइड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जहां एक प्रेमी युवक ने अपनी शादीशुदा प्रेमिका की गला घोंटकर हत्या कर दी। फिर प्रेमी युवक ने खुद फांसी के फंदे पर लटककर सुसाइड कर लिया। वहीं दोनों के शवों के पास मृतक प्रेमिका की करीब 3 साल की बेटी खेलती रही। घटना की जानकारी तब सामने आई जब महिला का पति शाम को घर वापस आया तो घर का दरवाजा अन्दर से बंद था। काफी कोशिश के बाद 3 साल की बेटी ने दरवाजा खोला तो अन्दर का मंजर देख सब के होश उड़ गए। दोनों के शव प्रेमिका के घर में पड़े मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के मुताबिक, कोतवाली हाथरस गेट क्षेत्र के गांव नगला भूरा में गुरुवार की देर शाम उस समय हड़कंप मच गया। जब गांव के ही रहने वाले विपिन कुमार की 26 वर्षीय पत्नी प्रियंका घर के अंदर बिस्तर पर मृत अवस्था में पड़ी मिली। उसी कमरे गांव का ही एक 25 वर्षीय युवक प्रकाश पुत्र राधेश्याम का शव फंदे पर लटका मिला। बताया जा रहा है कि शादीशुदा प्रेमिका से मिलने पहुंचे प्रेमी युवक ने पहले प्रेमिका की गला दबाकर हत्या कर दी और बाद सनकी प्रेमी ने फांसी के फंदे पर लटककर सुसाइड कर लिया। इस घटना की सूचना मिलने पर सीओ सिटी हिमांशु माथुर और कोतवाली हाथरस गेट पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया और फॉरेंसिक टीम की मदद से घटना की छानबीन शुरू कर दी। इस पूरे मामले में सीओ सिटी हिमांशु माथुर ने बताया कि गांव नगला भूरा में स्थानीय लोगो के माध्यम से डॉयल 112 पुलिस को सूचना दी गई थी कि गांव में दो लोगों की हत्या हो गई है।

'कहां चला गया मेरा कीमती हार? राम मंदिर चंदा चोरी विवाद में श्रद्धालु के दावे ने मचाई हलचल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। यूपी का अयोध्या इस समय किसी कार्यक्रम या पूजा को लेकर नहीं बल्कि आस्था में सेंध लगाने को लेकर सुर्खियों में है। राम मंदिर के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी का विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। लगातार एसआईटी जांच चल रही है। इस बीच, सोशल मीडिया पर कर्नाटक में रहने वाले एक श्रद्धालु ने दावा किया कि उसने राम मंदिर में कीमती हार दान किया था लेकिन आज तक उसके इसकी रसीद मिली। पता ही नहीं चला कि हार का क?या किया गया। इसी तरह के कई और यूजर्स ने दावा किया है। सूत्रों के अनुसार, जांच में कई नए पहलू सामने आए हैं, जिनमें नकदी के साथ-साथ सोने, चांदी और हीरे के दान किए गए गहनों के रिकॉर्ड की भी गहराई से जांच की जा रही है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि दान में मिले बहुमूल्य आभूषणों के प्रबंधन और रिकॉर्ड में भी अनियमितताएं हो सकती हैं। राम मंदिर के ट्रस्ट पदाधिकारी अनिल मिश्रा, महासचिव चंपत राय और उनके ड्राइवर रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव तथा गोपाल राव से पूछताछ की गई। इस दौरान एसआईटी ने कई सबूत जुटाए हैं। बताया जा रहा है कि टिन्नू यादव से जब दोबारा पूछताछ की तो गिनती प्रक्रिया में अनिल मिश्रा और गोपाल राव का नाम लिया है। एसआईटी ने गुरुवार देर रात तक कई लोगों से पूछताछ कर अहम सबूत जुटाए। इसी क्रम में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारी अनिल मिश्रा से करीब तीन घंटे तक सवाल-जवाब किए गए। इसके अलावा ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और गोपाल राव से भी फिर पूछताछ की गई। जांच टीम कथित तौर पर दानराशि की गणना, रिकॉर्ड और उससे जुड़े प्रशासनिक प्रक्रियाओं की जांच कर रही है सूत्रों का दावा है कि नकदी के रिकॉर्ड में कई खामियां जांच टीम के सामने आई हैं। जांच के दौरान यह तथ्य भी सामने आया है कि गोपाल राव ट्रस्ट में किसी आधिकारिक पद पर नहीं होने के बावजूद कथित रूप से वीवीआईपी दर्शन पास जारी करने के अधिकार का उपयोग करते रहे। उनकी आईडी का इस्तेमाल कर एक रिश्तेदार द्वारा भी वीवीआईपी पास जारी किए जाने की जांच की जा रही है।

राम मंदिर में भ्रष्टाचार के आरोपों से हैरान हूं लाखों भक्त निराश हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर के चढ़ावे में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने हैरानी जताई है. उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण में दान देने वाले लाखों श्रद्धालु इस विवाद से निराश हैं. मामले की जांच के लिए SIT जांच जारी है. कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों पर हैरानी जताई और कहा कि इस विवाद से लाखों भक्त निराश महसूस कर रहे हैं. मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने भोपाल में पत्रकारों से कहा, 'हम सभी ने राम मंदिर के लिए दान दिया था, वहां हो रहे भ्रष्टाचार को देखकर हैरान और स्तब्ध हैं. ' प्रेस से बातचीत के दौरान, विवादित बयान देने के लिए पहचाने जाने वाले सिंह ने दावा किया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अभी भी ट्रस्ट के सदस्य के रूप में काम कर रहे हैं. हालांकि, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की आधिकारिक वेबसाइट की जांच से पता चलता है कि ष्ट्श्वष्ट कुमार का नाम वर्तमान में 15-ट्रस्टी वाले पैनल के सदस्यों की सूची में नहीं है. रिटायर्ड IAS अधिकारी कुमार, गृह मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के तौर पर अपने पिछले कार्यकाल के दौरान ट्रस्ट के प्रशासनिक ढांचे के समन्वय में शामिल थे. हालांकि, बोर्ड में उनके पास कोई सक्रिय पद नहीं है. मंदिर ट्रस्ट में कथित वित्तीय अनियमितताओं का मामला 7 जून को सामने आया, जब समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए दावा किया कि राम मंदिर के लिए दान किए गए करोड़ों रुपये गायब हो गए हैं. उन्होंने अदालत से इस मामले का संज्ञान लेने का आग्रह किया. इसके बाद, उत्तर प्रदेश सरकार ने ट्रस्ट के अनुरोध पर 13 जून को दान की रकम की चोरी लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया.

सपा में टूट के दावों के बीच शिवपाल यादव एक्टिव, इटावा में राजभर-केशव को निशाने पर लिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तरप्रदेश। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने इटावा में भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने भाजपा को 'नॉन सीरियस' दल बताते हुए राम मंदिर में हुई चोरी के लिए सीधे तौर पर सत्ता पक्ष के लोगों को जिम्मेदार ठहराया और निष्पक्ष जांच की मांग की. समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने इटावा में कार्यकर्ताओं से मुलाकात के दौरान भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दलों (सुभासपा आदि) को 'नॉन सीरियस' करार दिया. उन्होंने राम मंदिर में हुई चोरी का सीधा आरोप भाजपा के लोगों पर लगाते हुए उन्हें इतिहास का सबसे बड़ा अधर्मी बताया. शिवपाल यादव ने मांग की कि इस चोरी की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों को गंभीर और बड़ी सजा दी जाए. इसके साथ ही उन्होंने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के सपा विधायकों के टूटने वाले दावे पर उत्तर प्रदेश।पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा नेता केवल अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं. सपा नेता ने राम मंदिर मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि भगवान राम के यहां चोरी करने वाले भारतीय जनता पार्टी के ही लोग हैं और यह बात सभी को पता है. उन्होंने कहा कि जो लोग भगवान राम के मंदिर को नहीं छोड़ रहे, वे जनता को भी लूट रहे हैं. इनसे बड़ा अधर्मी कोई नहीं हो सकता. इतिहास में कभी न कभी यह जरूर लिखा जाएगा कि मंदिर में चोरी भाजपा के लोगों ने ही करवाई थी. इस सरकार में बिना पैसे के कोई काम नहीं हो रहा है और बेईमानी-भ्रष्टाचार से गरीब, किसान व व्यापारी सब परेशान हैं. इससे पहले कानपुर के प्रबुद्ध सम्मेलन में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने दावा किया था कि सपा के 25-26 विधायक और सांसद टूटने को तैयार बैठे हैं और सपा का संचालन अखिलेश यादव के गलियारे में नहीं रहेगा. इस पर शिवपाल यादव ने करारा जवाब देते हुए कहा कि केशव मौर्य सपा से कभी जीत नहीं पाते हैं. समाजवादी पार्टी ने उन्हें कितनी बार हराया है.

मॉनसून के लिए दिल्ली अभी दूर...इस महीने नहीं होगी एंट्री! जानें मौसम का हाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लोगों को अभी मॉनसून का लंबा इंतजार करना होगा. मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, दिल्ली में मॉनसून सामान्य तारीख 27 जून के बजाय जुलाई के पहले हफ्ते में दस्तक दे सकता है.इसकी मुख्य वजह बंगाल की खाड़ी में अनुकूल मौसम प्रणाली का न बनना है. भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, सामान्य तौर पर जून के आखिरी हफ्ते में मॉनसून की एंट्री हो जाती है, लेकिन इस बार देरी होने की संभावना है. मौसम विभाग के मुताबिक, आमतौर पर 18-19 जून के आसपास बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनता है. इससे अरब सागर की नमी वाली हवाएं दक्षिण भारत की ओर बढ़ती हैं. फिर यह सिस्टम ओडिशा, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश होते हुए उत्तर-पश्चिम भारत की ओर बढ़ता है. इससे एंटी-क्लॉकवाइज सर्कुलेशन बनता है, जो मॉनसून को आगे बढ़ाने में मदद करता है. लेकिन इस बार यह जरूरी सिस्टम नहीं बना है. स्काईमेट के मौसम विशेषज्ञ महेश पलावत ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में अभी तक अनुकूल सिस्टम नहीं बना है. 25-26 जून के आसपास बंगाल की खाड़ी में अनुकूल सिस्टम बनने की उम्मीद है. इसके बाद मॉनसून दिल्ली पहुंच सकता है, यानी जुलाई का पहला हफ्ता हो सकता है. भारतीय मौसम विभाग के वैज्ञानिक कृष्ण मिश्रा ने कहा कि अरब सागर से आने वाली मॉनसून की हवाएं कमजोर होकर दो हिस्सों में बंट गई हैं. एक हिस्सा दक्षिण भारत की ओर जा रहा है तो दूसरा राजस्थान की ओर. इससे उत्तर भारत में मजबूत बारिश नहीं हो पा रही है. बता दें कि 4 जून से 18 जून तक देश में 41 प्रतिशत कम बारिश हुई है. इस दौरान देश में 42.6 मिलीमीटर बारिश हुई है, जबकि सामान्य 72.2 मिलीमीटर होती है. वहीं, मौसम विभाग ने बताया कि बड़े पैमाने पर अनुकूल मौसम स्थितियां मौसम विभाग के अनुसार है.

राहुल गांधी के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुभकामनाएं दीं और उनके अच्छे स्वास्थ्य तथा लंबी उम्र की कामना की है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। राहुल गांधी का जन्म 19 जून 1970 को दिल्ली के होली फैमिली हॉस्पिटल में हुआ था. वे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी की सबसे बड़ी संतान हैं. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई दी है और संवैधानिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और समाज के वंचित वर्गों के लिए उनकी वकालत की तारीफ की है. सोशल मीडिया पोस्ट में खड़गे ने कहा, 'राहुल गांधी का संविधान के आदर्शों के प्रति अटूट समर्पण और अनसुनी आवाज़ों के लिए आपकी बिना किसी समझौते वाली लड़ाई ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है. कांग्रेस पार्टी की सबको साथ लेकर चलने, सामाजिक न्याय, सद्भाव और करुणा की परंपराएं राहुल गांधी के सार्वजनिक जीवन और नेतृत्व में झलकती हैं. कांग्रेस पार्टी ने भी अपने लीडर राहुल गांधी को जन्मदिन पर बधाई संदेश भेजा है. कांग्रेस के ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल पर किए पोस्ट में लिखा गया, 'ऐसी दुनिया में जहां ज़्यादातर लोग चुप रहना पसंद करते हैं, आपने हमेशा उस बात के लिए आवाज़ उठाई है, जिसे आप सही मानते हैं. अन्याय, असमानता और सत्ता के दुरुपयोग के ख़िलाफ़ आपकी लगातार लड़ाई ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है. आप लोगों को यह विश्वास दिलाते हैं कि राजनीति सिर्फ़ सत्ता पाने की बेरहम होड़ नहीं है, बल्कि यह बदलाव लाने का एक सशक्त जरिया है, जो उसूलों और संवेदनाओं पर आधारित हो सकती है. कांग्रेस ने आगे कहा कि ईमानदारी, सहानुभूति और उम्मीद की तलाश कर रही पूरी पीढ़ी के लिए, आप 'जेन ज़ी' की आवाज़ बन गए हैं, एक ऐसे नेता जो उनकी बातें सुनते हैं, उन्हें समझते हैं, उन्हें सशक्त बनाते हैं और उनकी उम्मीदों के लिए आवाज़ उठाते हैं.

पेपर लीक और बेरोज़गारी के मुद्दे पर दिल्ली से राहुल गांधी का धमाका

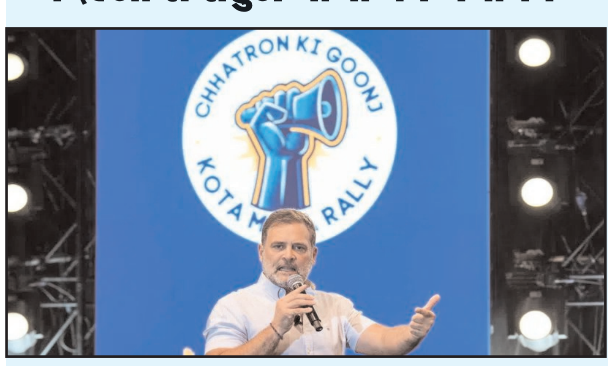

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश के लाखों स्टूडेंट्स के भविष्य के साथ हो रहे क्रूर मज़ाक और पेपर लीक के काले कारोबार के खिलाफ देश भर में आंदोलन का बिगुल फूंका है। राहुल गांधी ने NEET समेत अलग-अलग कॉम्पिटिटिव एग्जाम में गड़बड़ी, आसमान छूती महंगी फीस और देश में फैली बेरोज़गारी के मुद्दे पर ज़ोरदार 'विद्यार्थी गूंज' सिग्नेचर कैंपेन शुरू किया है। राहुल गांधी ने साफ चेतावनी दी है कि अब देश के युवाओं का गुस्सा दिल्ली के अधिकारियों की नींद खराब करेगा। इस कैंपेन का ऐलान करते हुए राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला था। उन्होंने कहा, 'पेपर लीक माफिया उन स्टूडेंट्स के सपनों को तोड़ रहा है जिन्होंने सालों से मेहनत करके एग्जाम दिए हैं और सरकार बेबस होकर देख रही है। एक तरफ महंगी पढ़ाई और दूसरी तरफ एग्जाम पास करने के बाद भी बेरोजगारी का सामना करते हुए, देश का युवा अब चुप नहीं रहेगा। हम सिग्नेचर कैंपेन के ज़रिए युवाओं की इस आवाज़ और उनके गुस्से को पार्लियामेंट से लेकर सरकार के कानों तक पहुंचाएंगे।' कांग्रेस द्वारा शुरू किए गए इस डिजिटल और फिजिकल सिग्नेचर कैंपेन के तहत देश भर की यूनिवर्सिटी और कॉलेज के करोड़ों स्टूडेंट्स को जोड़ा जा रहा है। जहां NEET पेपर लीक कांड ने देश के एजुकेशन सिस्टम को हिलाकर रख दिया है, वहीं राहुल गांधी के इस 'घातक' कदम से आने वाले दिनों में पॉलिटिकल गरमाहट आना तय है। राहुल गांधी ने देश के युवाओं से बिना डरे अपने हक के लिए आगे आने की अपील की है। यह सिर्फ़ एक पॉलिटिकल कैंपेन नहीं है, बल्कि देश के भविष्य को बचाने की एक बड़ी लड़ाई है। अब देखना यह है कि स्टूडेंट्स की इस 'गूंजती' आवाज़ के खिलाफ सरकार क्या रुख अपनाती है।

एकनाथ शिंदे महायुति में कैसे कामयाब हो गए, और उद्धव फिर चूक गए

उद्धव ठाकरे शिवसेना का स्थापना समारोह मना रहे हैं, लेकिन उनके हिस्से नाममात्र ही बचा है, क्योंकि नामोनिशान तो चार साल पहले ही गंवा चुके हैं. 60 साल पुरानी पार्टी छठी बार टूट की कगार और महाराष्ट्र की राजनीति के उस मोड़ पर पहुंच गई है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। शिवसेना का आज स्थापना दिवस है. 19 जून 1966 को बाला साहेब ठाकरे ने मराठी भाषी लोगों के अधिकारों और क्षेत्रीय गौरव की लड़ाई लड़ने के लिए शिवसेना की स्थापना की थी. 2022 के बाद बंटी हुई शिवसेना के दोनों धड़े अलग-अलग स्थापना दिवस मना रहे हैं. गोरेगांव में एकनाथ शिंदे, और सायन में उद्धव ठाकरे की रैली है. और, यह ऐसे वक्त हो रहा है जब उद्धव ठाकरे वाले हिस्से में एक और टूट हो गई है. 9 में से 6 सांसदों ने बगावत कर दी है. लेकिन, 6 बागियों में से 4 सार्वजनिक रूप से सामने आए हैं, बाकी 2 अभी अलग अलग वजहों से स्टैंड होल्ड किए हुए हैं. महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे गुट की तरफ से शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने स्थापना दिवस कार्यक्रम का टीजर रिलीज किया है. टीजर में बाल ठाकरे के पुराने-मशहूर बयान शामिल किए गए हैं - 'मैं शिवसेना को कांग्रेस नहीं बनने दूंगा', I am a mad, mad Hindu!' दिलचस्प बात यह है कि जो इल्जाम लगाकर एकनाथ शिंदे ने विधायकों के साथ उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत की थी, बागी सांसद भी वैसा ही आरोप लगा रहे हैं. बीजेपी के आरोपों को आगे बढ़ाते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा था कि उद्धव ठाकरे हिंदुत्व की विचारधारा से भटक गए हैं. और, अब बागी सांसदों ने भी वही आरोप दोहराया है.

रिपोर्ट के अनुसार, स्पीकर को लिखे पत्र से यह बात सामने आई है. बागी सांसदों का दावा है कि ठाकरे गुट के सीनियर नेता शिवसेना का विलय कांग्रेस में करना चाहते हैं, उद्धव ठाकरे विचारधारा बदल चुके हैं. ऐसे सांसदों की दलील है कि पार्टी का अस्तित्व बचाने के लिए वे अलग हो रहे हैं. महाराष्ट्र में तख्तापलट और शिवसेना के दो टुकड़े कर देने के एवज में एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री की कुर्सी मिल गई थी, सांसदों की बगावत के बाद एक बार फिर उनके समर्थक उनको सीएम बनाए जाने के लिए आवाज बुलंद करने लगे हैं. शिंदे सेना विधायक बच्चू कडू का कहना है कि शिवसैनिकों की इच्छा है कि एकनाथ शिंदे फिर से राज्य की कमान संभालें. हालांकि, इसे अपना निजी विचार भी करार दिया. एक कार्यक्रम के दौरान बच्चू कडू ने किसानों की समस्याओं और बढ़ती आत्महत्याओं का मुद्दा उठाते हुए कहा, विदर्भ क्षेत्र से मुख्यमंत्री होने के बावजूद किसानों की परेशानियां पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं. ऐसे ही शिंदे कोटे से महायुति सरकार में मंत्री उदय सामंत कहते हैं, जिस तरह बीजेपी कार्यकर्ताओं की भावना होती है कि देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री बनें, ठीक वैसे ही शिवसेना कार्यकर्ता और नेता चाहते हैं कि एकनाथ शिंदे उस पोजीशन में दिखें. बच्चू कडू की तरह उदय सामंत ने अपनी बातों को राजनीतिक विवाद के बजाय स्वाभाविक राजनीतिक आकांक्षा के रूप में समझने की गुजारिश की है. महाराष्ट्र में बीजेपी के अपने दम पर 132 सीटें जीत लेने के बाद देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री की कुर्सी दोबारा हासिल कर ली, और तमाम विरोध, डिमांड और रूठ जाने के बावजूद एकनाथ शिंदे को डिप्टी सीएम के पद से ही संतोष करना पड़ा. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एकनाथ शिंदे को 57 सीटें मिली थीं. बेशक एकनाथ शिंदे अब जो करने जा रहे हैं, उनकी दावेदारी पहले के मुकाबले ज्यादा तो हो गई है, लेकिन देवेंद्र फडणवीस अब भला क्यों समझौता करेंगे. और, बीजेपी आलाकमान को भी ये सब क्यों मंजूर होगा. एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री पद पर दावेदारी भले न जता पाएं, लेकिन केंद्र में सत्ताधारी एनडीए में तो उनकी पोजीशन बढ़ ही जाएगी. हाल ही में एक कार्यक्रम में न्योते को लेकर देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के समर्थकों के बीच भारी तल्खी देखने को मिली थी. मामला इतना गंभीर हो गया कि मुख्यमंत्री कार्यालय को आयोजकों के खिलाफ नोटिस जारी करना पड़ा. हाल फिलहाल शिंदे खेमा महायुति में अपनी उपेक्षा, और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उद्धव ठाकरे से बढ़ती करीबी से भी परेशान दिखा. मातोश्री से आदित्य ठाकरे के आधी रात के एक कॉल की भी खूब चर्चा रही, जिसके बाद देवेंद्र फडणवीस ने फटाफट एक्शन लेते हुए बीएमसी में हो रहे बदलाव पर तत्काल प्रभाव से ब्रेक लगा दिया था. अब एकनाथ शिंदे ने एक तीर से डबल निशाने साधे हैं. उद्धव ठाकरे की तो संपूर्ण बर्बादी का इरादा झलक रहा है, निशाने पर देवेंद्र फडणवीस भी लगते हैं. महायुति में नंबर के मामले में भले ही एकनाथ शिंदे पिछड़ गए हों, लेकिन 'ऑपरेशन टाइगर' के सफल होते ही एनडीए में एकनाथ शिंदे का दबदबा कायम हो जाएगा. कहा जाता रहा है कि केंद्र की एनडीए सरकार चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार की बैसाखी पर टिकी हुई है, लेकिन अब तो आधा समीकरण बदल चुका है, आधा बदलने की राह पर है. 16 सांसदों के साथ टीडीपी नेता और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू एनडीए में दूसरी पोजीशन पर कब्जा जमाए हुए थे, लेकिन 20 सांसदों वाली NCPI ने टीडीपी को तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया है. 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी और उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना को 9-9 सीटें मिली थीं, जबकि एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 7 ही सीटें मिल पाई थीं. अब अगर उद्धव ठाकरे के हिस्से के 6 सांसद एकनाथ शिंदे के साथ मिल जाते हैं, तो लोकसभा में उनके 13 सांसद हो जाएंगे.

दिल्ली में MBBS डॉक्टर ने क्यों की मेड की हत्या, मर्डर की इनसाइड स्टोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अमर कॉलोनी के कैलाश हिल्स इलाके में गुरुवार को 45 साल की एक महिला की क्रिकेट बैट से निर्मम तरीके से पीट-पीट कर और चाकू मारक हत्या कर दी गई। आरोप घर के मालिक और पेशे से एमबीबीएस डॉक्टर पर लगा है। महिला की पहचान मीना (45) के रूप में हुई है, जो डॉक्टर के यहां हाउस हेल्प थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी डॉक्टर मनीष गुप्ता (50) को गिरफ्तार कर लिया गया है। वह स्किन स्पेशलिस्ट है। डीसीपी साउथ ईस्ट डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि गुरुवार को सुबह 11:36 बजे पुलिस को जानकारी मिली थी कि अमर कॉलोनी इलाके में एक हत्या हुई है। कॉलर ने फोन करके बताया कि यहां पर एक बगल वाली बिल्डिंग की छत पर एक महिला का मर्डर कर दिया गया है। खून से लथपथ हालत में वह छत पर पड़ी हुई हैं।

बैट और चाकू से किया महिला पर हमला

सूचना मिलते ही एसीपी कालकाजी, एसएचओ अमर कॉलोनी और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को मृत हालत में एक महिला मिली। जिनकी पहचान की गई। पुलिस को आरोपी भी वहीं मिला। जिसने कबूल किया कि उसने ही बैट और चाकू से महिला पर हमला किया था। आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू की। पुलिस ने मौके से बैट और चाकू जब्त किया। क्राइम टीम को भी छानबीन के लिए स्पॉट पर बुलाया गया। पुलिस को पूछताछ में पता चला कि महिला लंबे अरसे से आरोपी के घर पर मेड का काम कर रहीं थीं। हत्या के कारणों की छानबीन पुलिस टीम कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी डॉक्टर को शक था कि मीना काला जादू करती थी, जिसके कारण उसके परिवार में शांति नहीं थी। इसी वजह से डॉक्टर भी परेशान रहता था। हालांकि इसकी पुष्टि पुलिस ने और मृतक के परिवार वालों ने नहीं की है।

गांव तक नहीं पहुंच पाई एंबुलेंस, महाराष्ट्र में महिला ने बेटी को जन्म देने के बाद तोड़ा दम,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र में चंद्रपुर जिले के एक दूर-दराज गांव में सड़क नहीं होने की वजह से गर्भवती महिला की मौत हो गई। गांव में सड़क नहीं होने के कारण एंबुलेंस नहीं पहुंच पाई। ऐसे में बच्चे को जन्म देने के बाद 25 साल की संगीता गेडाम की मौत हो गई। यह घटना चंद्रपुर के घोदानखाप्पी गांव में हुई। इस घटना के बाद एक बार फिर से गांव को सड़क से जोड़ने की मांग उठी है। लोगों का आरोप है कि गांव में सड़क न होने की वजह से मां को इलाज नहीं मिल पाया और बच्चे को जन्म देने के बाद उसकी मौत हो गई।नागपुर से चंद्रपुर की दूरी 150 किलोमीटर है। जानकारी के अनुसार यह घटना जिवती तहसील के घोदानखाप्पी गांव में हुई। यहां 25 साल की संगीता तुलसीराम गेदम को 14 जून को प्रसव पीड़ा शुरू हुई। ग्रामीणों के अनुसार, उसे अस्पताल ले जाने की कोशिश की गई, लेकिन एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच सकी क्योंकि गांव को पास की स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने वाली कोई सड़क नहीं थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ महिलाओं ने गर्भवती महिला को इलाज के लिए पहाड़ी रास्ते से पैदल ले जाने की कोशिश की। हालांकि, तेज प्रसव पीड़ा के कारण उन्हें घर लौटना पड़ा। बाद में संगीता ने अपने घर पर ही एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। संगीता को डिलीवरी के कुछ ही समय बाद बहुत ज़्यादा ब्लीडिंग हुई। उसकी हालत तेजी से बिगड़ने लगी। स्वास्थ्य विभाग की एक टीम गांव पहुंची और इलाज शुरू किया, लेकिन डॉक्टरों ने तय किया कि बेहतर इलाज के लिए उसे अस्पताल ले जाना जरूरी है। सीधी सड़क न होने के कारण संगीता को मुश्किल रास्तों से होते हुए एक माल ढोने वाली गाड़ी में शंकरपत्थर ले जाया गया, जहां एम्बुलेंस इंतजार कर रही थी। हालांकि अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। पाटन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की मेडिकल ऑफिसर छाया सेडमाके ने बताया कि महिला लगभग आठ महीने की गर्भवती थी और नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच करवा रही थी। उन्होंने कहा कि उसकी हालत की जानकारी मिलने के बाद स्वास्थ्य टीम ने तुरंत कार्रवाई की, लेकिन उसे ग्रामीण अस्पताल ले जाने की कोशिशों के बावजूद बचाया नहीं जा सका।

10 हजार में खरीदते नवजात, अस्पताल में महिला को भर्ती कर दिखाते फर्जी जन्म; दिल्ली में खरीद-फरोख्त का नायाब तरीका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। नवजात बच्चों को खरीदने और बेचने के धंधे का पता चलने के बाद स्पेशल स्टाफ की टीम ने बेगमपुर के हीरा मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल में छापा मारकर अस्पताल की ओनर डॉ. विवेकी (47), ज्योति उर्फ कमलेश (37), शालू (43), ललित (3८), प्रतिभा (34), विपिन (33), ओमवती (45), साएबा भाई घमर उर्फ कालिया को गिरफ्तार किया है। जबकि बच्चा खरीदने वालों की पहचान मुकेश और रीमा, सन्नी अरोड़ा और रितु अरोड़ा और सरिका के रूप में हुई है। डॉ. विवेकी और साएबा गिरोह के मास्टरमाइंड है। सेंट्रल जिला के डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि जून के पहले वीक में उनकी टीम को पहाड़गंज से एक शख्स ने सूचना दी थी कि एक महिला बार-बार अलग-अलग बच्चों के साथ देखी जाती है। निगरानी के बाद महिला की पहचान की गई। तस्करी का शक होने पर एक नकली ग्राहक महिला के पास भेजा गया। पहले उसने मना किया फिर तैयार हो गई। 20 हजार रुपये टोकन मनी दिए। 5 जून को नकली ग्राहक को बच्चा सौंपा

गया। इस दौरान इशारा मिलते ही बच्चा मुहैया करवाने वाली महिला ज्योति उर्फ कमलेश को दबोच लिया। उसी दिन ज्योति की साथी शालू और ललित को दबोचा गया। तीनों महज 4-5 दिन का नवजात लेकर आए थे। तीनों से पूछताछ के बाद पुलिस ने अस्पताल में रेड कर डॉ. विवेकी और फिर बाकी आरोपियों को पकड़ा। 4 बच्चे आदिवासी समुदाय से डीसीपी के मुताबिक बचाए गए पांच बच्चों में चार आदिवासी समुदाय से संबंधित हैं, जबकि एक बच्चा दिल्ली का है। इनमें एक चार माह का नवजात पानीपत (हरियाणा) का है। 27 दिन के एक मेल और फिमेल नवजात ग्वालियर, मध्य प्रदेश के हैं। एक अन्य नवजात पानीपत का जबकि पांचवा नवजात दिल्ली का है। आरोपी राजस्थान और गुजरात के गरीब परिवारों को लालच देकर उनके बच्चों को खरीद लेते थे। पुलिस के अनुसार यह संगठित गिरोह दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात में सक्रिय था। बरामद सभी पांचों बच्चों को कार्रवाई के बाद शेल्टर होम में भेज दिया गया है। उनके परिजनों का पता लगाया जा रहा है गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में पता चला है कि है कि लोगों को लालच देकर 10 से 15 हजार रुपये में बच्चा खरीदते हैं। इसके बाद उनको बेगमपुर स्थित हीरा मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल लाया जाता था। अस्पताल में रखकर उसके खरीदार की तलाश की जाती है। लड़की को 4 से 5 लाख और लड़के को ८ से 10 लाख रुपये में बेच दिया जाता था। जांच के दौरान यह भी पता चला है कि अलग-अलग नवजात बच्चों को जुड़वा भाई-बहन बता कर एक दंपती को 9 लाख रुपये में बेचा गया था। अस्पताल की मालकिन विवेकी ने बीएससी नर्सिंग, एमएससी क्रिटिकल केयर और डॉक्टरेट किया है। उसने अपना अस्पताल बनाया हुआ है.

पब्लिक ट्रांसपोर्ट डे पर स्ट्राइक पर गए बेस्ट कर्मचारी, मुंबईकरों की बढ़ेगी दिक्कत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। जहां एक तरफ शुक्रवार को बीकेसी में पब्लिक ट्रांसपोर्ट डे मनाया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ गुरुवार रात से बेस्ट वर्कर (बस और इलेक्ट्रिसिटी) स्ट्राइक पर चले गए है। गुरुवार शाम को हुई बैठक में बेस्ट समिति के मेंबर नितिन नांदगांवकर ने सभी कर्मचारियों के बीच कहा कि रात 12 बजे के बाद डिपो से एक भी बस बाहर नहीं जानी चाहिए। इसी के साथ आंदोलन का ऐलान कर दिया गया। बैठक में ड्राइवर, कंडक्टर और अन्य कर्मचारी भी मौजूद थे।

मुंबई की दूसरी लाइफ लाइन मानी जाती है बेस्ट

बेस्ट मुंबई की दूसरी लाइफ लाइन मानी जाती है। ऐसे में यदि कर्मचारी स्ट्राइक पर जाते है और बस नहीं चलती है, तो यात्रियों को इसका काफी नुकसान होगा, जो प्रतिदिन यात्रा करते है। उनके आवागमन प्रभावित होगा। बता दें कि यह स्ट्राइक कर्मचारियों के लंबित मांगों के लिए किया जा रहा है। हालांकि इंडस्ट्रियल कोर्ट ने बेस्ट की याचिका पर अंतरिम आदेश जारी करते हुए 'बेस्ट कामगार संयुक्त कृती समिति' से जुड़े कर्मचारियों और वेट-लीज ऑपरेटरों को 18 जून की मध्यरात्रि से प्रस्तावित हड़ताल पर जाने से अस्थायी रूप से रोक दिया है। लेकिन फिर भी यह स्ट्राइक ली जा रही है। बता दें कि एमएमआरडीए ने ट्रांसपोर्ट डे के लिए बेस्ट प्रशासन से अतिरिक्त बसों की मांग की थी. ऐसे में यदि बस चली ही नहीं, तो ऑटो वालों की मनमानी का मंजर भी देखने मिलेगा। वेतन समझौता बकाया भुगतान कौंट्राक्टिकरन पर रोक नई बसों को शामिल करना पब्लिक ट्रांसपोर्ट डे के मद्देनज़र बेस्ट ने 12 अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की है। इनमें बस मार्ग क्रमांक 310, बीकेसी-2 और बीकेसी-3 पर चार-चार अतिरिक्त बसें लगाई जाएंगी। बेस्ट के आंकड़ों के अनुसार बीकेसी क्षेत्र में सामान्य दिनों में 16 बस मार्गों पर 125 बसों के जरिए 176 फेरे संचालित किए जाते हैं।

'सर तन से जुदा' गाने पर डांस, स्क्रीन पर पाकिस्तानी की तस्वीर महाराष्ट्र के स्कूल का वीडियो वायरल, 4 लोगों पर FIR

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालना। महाराष्ट्र के जालना जिले में एक स्कूल के वार्षिक समारोह का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. वीडियो में कुछ छात्र मंच पर प्रस्तुति देते दिखाई दे रहे हैं. वीडियो वायरल होने के बाद विवाद शुरू हुआ, शिकायतें हुईं और अब पुलिस ने स्कूल प्रबंधन से जुड़े तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. मामला परतूर इलाके के एक प्राइवेट स्कूल से जुड़ा है. पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच कर रही है. दरअसल, ये पूरा मामला जालना जिले के परतूर शहर में स्थित एक प्राइवेट स्कूल का है. स्कूल में 22 फरवरी 2025 को वार्षिक समारोह हुआ था, जिसका वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. इस वायरल वीडियो में कुछ छात्र हाथों में नकली तलवारें लेकर एक गीत पर डांस परफॉर्म करते दिखाई दे रहे हैं. आरोप है कि इस गीत में बार-बार 'सर तन से जुदा' जैसे शब्द सुनाई दे रहे हैं. इस वीडियो को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बवाल मच गया और शिकायत की गई. इसी के साथ मामले में कार्रवाई की मांग उठी थी. पुलिस ने जो एफआईआर दर्ज की है, उसके अनुसार, जांच में सामने आया कि वीडियो स्कूल के अध्यक्ष और मुख्य अध्यापक द्वारा तैयार किया गया था. वहीं कार्यक्रम में बजाया गया गीत शिक्षक ने चुना था और डांस प्रैक्टिस भी

कराई जाएगी. शिकायत में यह भी कहा गया है कि कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शित वीडियो में पाकिस्तान के कट्टरपंथी मुमताज कादरी की तस्वीर भी दिखाई गई थी. इसके अलावा कार्यक्रम की एंकरिंग कर रही महिला द्वारा भी मंच से विवादित नारे दोहराए जाने का आरोप लगाया गया है. एफआईआर में कहा गया है कि कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को हिंसात्मक संदेश दिया गया. इसी के साथ वहां मौजूद लोगों के मन में ऐसी विचारधारा को बढ़ावा देने की कोशिश की गई. इसी आधार पर परतूर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है. पुलिस जांच कर रही है. भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री बबनराव लोणीकर ने इस पूरे मामले को गंभीर बताते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से सख्त कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे, जालना जिला प्रशासन और संभाजीनगर विभागीय आयुक्त को पत्र लिखकर मामले की जांच की मांग की थी. लोणीकर ने पत्र में कहा था कि शैक्षणिक संस्थाएं बच्चों में राष्ट्रभक्ति, संवैधानिक मूल्य और सामाजिक समरसता विकसित करने का माध्यम होती हैं, ऐसे में अगर किसी स्कूल के कार्यक्रम में हिंसा को महिमामंडित करने वाले गीत, तलवारों का प्रदर्शन या विवादित व्यक्तियों की तस्वीरें दिखाई जाती हैं, तो यह बेहद गंभीर विषय है. उन्होंने मांग की थी कि इस मामले में जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कारवाई की जाए. आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए और स्कूल की मान्यता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की जाए. साथ ही राज्य सरकार सभी शैक्षणिक संस्थाओं के लिए ऐसे मामलों को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी करे.

नर्मदा नदी के रास्ते शराब की तस्करी की बड़ी कोशिश नाकाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। ज़िले में शराब बैन के दावों के बीच, LCB पुलिस ने नर्मदा नदी के रास्ते विदेशी शराब की तस्करी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया है। नसवाड़ी थाना इलाके के कुप्पा गांव में नर्मदा नदी के किनारे एक टिप-ऑफ के आधार पर की गई कार्रवाई में बड़ी मात्रा में भारत में बनी विदेशी शराब ज़ब्त की गई है। पुलिस ने मौके से कुल 3,550 बोतल विदेशी शराब ज़ब्त की, जिसकी कीमत 9.33 लाख रुपये से ज़्यादा बताई गई है। इसके अलावा, शराब की तस्करी में इस्तेमाल की गई डोंगी समेत कुल 10.33 लाख रुपये का सामान ज़ब्त किया गया है।पुलिस सूत्रों ने बताया है कि आरोपी दामजीभाई फुलजीभाई भील पुलिस को देखकर नर्मदा नदी के किनारे से पास के पहाड़ी इलाके में भाग गया। हालांकि, इस सफल ऑपरेशन के बाद कई गंभीर सवाल भी उठे हैं। भले ही शराब की इतनी मात्रा नर्मदा नदी के रास्ते कुप्पा गांव पहुंची, लेकिन लोकल पुलिस को पहले से कोई जानकारी क्यों नहीं मिली? शराब तस्करी का यह नेटवर्क कब से एक्टिव था? और इस पूरी एक्टिविटी के दौरान लोकल लेवल पर मॉनिटरिंग कहां थी? स्थानीय लोगों में चर्चा है कि अगर LCB को मिली जानकारी के आधार पर इतनी बड़ी कार्रवाई मुमकिन हो सकती है.

नर्मदा नदी के रास्ते शराब की तस्करी की बड़ी कोशिश नाकाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

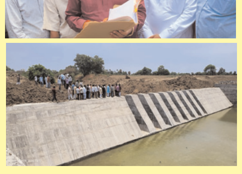

नागदा। दिलीपसिंह शेखावत ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दि. 28/9/2004 को जो सपना मैंने देखा था कि मलेनी कुडेल नदी पर श्रृंखलाबद्ध डेम का निर्माण हो, वो सपना अब पूरा हो रहा है। कुडेल नदी पर बोरदीया डेम का कार्य पूर्ण हो गया है। शेखावत ने बताया कि कुडेल नदी पर 80 मीटर लम्बा एवं 5.3 मीटर ऊँचा डेम का निर्माण पूर्ण हो गया है, जिसकी प्रशासकीय स्वीकृति 4 करोड 25 लाख थी। जिसमें 1 एमसीएफटी पानी का भंडारण होगा एवं 300 हेक्टर भूमी की सिंचाई का रकबा बढ़ेगा साथ ही 4 से 5 किमी तक पानी भरा रहेगा। शेखावत ने माननीय मुख्यमंत्री श्रीमान् मोहन यादव जी, माननीय तुलसी सिलावट जी एवं माननीय अनिल फिरोजिया जी का आभार मानते हुए बताया कि मलेनी कुड़ेल नदी जो कि बहुत छोटी नदी है इस पर श्रृंखलाबद्ध 7 डेम है जो कि लगभग 50 किलोमीटर की दुरी में है। मलेनी एवं कुडेल पर ऊँचाहेड़ा का डेम रेल्वे ने बनया एवं लोहचितारा का डेम माननीय सत्यनारायण जी जटिया ने सांसद निधी से बनाया है। देश की आजादी के 70 वर्षो में ये दो डेम बने एवं 2013 से 2018 के बीच 5 डेम स्वीकृत हुए, पहला नाथूखेड़ी, आलोट विधानसभा दुसरा गोठड़ा माताजी के नीचे 361.30 लाख की लागत थी एवं सिंचाई क्षमता 210 हेक्टर भूमि थी। तीसरा गोठड़ा माताजी के ऊपर 507.50 लाख रूपये की लागत थी एवं इसमें 290 हेक्टर जमीन पर सिंचाई होती है।

अस्पताल में मरीजों सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु भारतीय मानव अधिकार सहकार निरीक्षण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

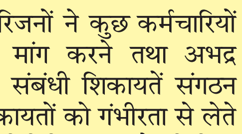

सीहोर। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के पदाधिकारियों द्वारा आज जिला अस्पताल सीहोर का निरीक्षण कर मरीजों एवं उनके परिजनों से चर्चा की गई। निरीक्षण के दौरान जच्चा वार्ड सहित विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीजों एवं परिजनों ने कुछ कर्मचारियों द्वारा धनराशि की मांग करने तथा अभद्र व्यवहार किए जाने संबंधी शिकायतें संगठन के समक्ष रखीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने सिविल सर्जन महोदय एवं संबंधित वार्ड प्रभारी डॉक्टर मैडम से मुलाकात कर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने, अनावश्यक धन मांगने की शिकायतों की जांच कराने तथा कर्मचारियों के व्यवहार में सुधार लाने की मांग की। अस्पताल प्रशासन द्वारा संगठन को आश्वस्त किया गया कि प्राप्त शिकायतों की जांच कर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही की जाएगी तथा मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट द्वारा अस्पताल प्रशासन को समस्याओं के निराकरण हेतु 8 दिवस का समय दिया गया है। निर्धारित अवधि में आगे की वैधानिक कार्यवाही एवं उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। इस अवसर पर महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती अरुण पंवार, राष्ट्रीय महामंत्री श्री सोहन वर्मा, जिला उपाध्यक्ष श्री सुनील वर्मा, श्री राजन वर्मा, जिला अध्यक्ष श्री रमाकांत शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे.

दल-बदल रोकने की याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज, सीजेआई ने पूछा पार्टी का नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनीतिक दलों में नेताओं के दल-बदल को रोकने की मांग करने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने याचिका पर सुनवाई से इंकार कर याचिकाकर्ता से पूछा कि वे किस पार्टी की बात कर रहे हैं। याचिका में नेताओं के भ्रष्टाचार और दल-बदल में शामिल होने का आरोप लगाया गया था।

वकील सी.आर. जया सुकिन ने बताया कि देश में पार्टियों के नेता या रिश्वत लेकर भ्रष्टाचार में लिप्त हैं या धमकियां देकर परिवार के सदस्यों को नुकसान पहुंचाने की बात कर रहे हैं, ताकि उन्हें पार्टी बदलने पर मजबूर कर सके। सुकिन ने तर्क दिया कि यह लोकतंत्र को तबाह करने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक राज्य पूर्वी भारत में और दूसरा मध्य भारत में है, जहाँ पार्टी नेता लगातार दल बदल रहे हैं। याचिकाकर्ता ने जोर दिया कि विधानसभा अध्यक्षों को नेताओं के इस्तीफे की जांच करनी चाहिए, क्योंकि वे अक्सर मीडिया के सामने इस्तीफे स्वीकार कर लेते हैं और कुछ ही मिनटों में नेता दूसरी पार्टी में शामिल हो जाते हैं।

याचिकाकर्ता की दलीलें सुनने के बाद सीजेआई ने सवाल किया, आप किस सत्तारूढ़ दल की बात कर रहे हैं? आपके राज्य में तब पार्टियां बदलती रहती हैं। उन्होंने याचिका को अस्पष्ट और सामान्य आरोपों पर आधारित बताकर खारिज कर दिया। सीजेआई ने कहा कि आरोपों के समर्थन में कोई भी सबूत पेश नहीं किया गया है और इसतरह के मामलों में अदालत के दखल देने का कोई आधार नहीं दिखाता है।

यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब देश के विभिन्न हिस्सों में दल-बदल की खबरें लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 सांसदों ने वरिष्ठ नेता काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में पार्टी से अलग होकर नेशनल सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय कर लिया। राज्य में विधायकों ने भी अपना अलग गुट बना लिया है और कोर्ट ने भी रीताब्रता बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता दी है। महाराष्ट्र में भी ऐसी ही अटकलें लगाई जा रही हैं कि शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के छह सांसद जल्द ही पार्टी छोड़ सकते हैं और शिवसेना को अपना समर्थन दे सकते हैं। ये संकेत तब और पुख्ता हुए जब गुरुवार को पार्टी के संसदीय दल की बैठक में 9 में से केवल 6 सांसद ही उपस्थित हुए।

सपा पर हमलावर राजभर की पार्टी में टूट का दावा, खुद के तीन विधायक बागी!

लखनऊ (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और महाराष्ट्र में शिवसेना में टूट के दावों के बीच, उत्तर प्रदेश में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के मुखिया और योगी सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर इन दिनों समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमलावार हैं। राजभर ने दावा किया था कि 23 सपा सांसद उनके माध्यम से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संपर्क में हैं। हालांकि, अब उनके बेटे अरुण राजभर के डिबेट के दौरान खुद सुभासपा में आंतरिक कलह और टूट की खबरें सामने आई हैं। डिबेट के दौरान, अरुण ने सपा पर निशाना साधकर शिवपाल सिंह यादव के भाजपा से संपर्क साधने की बात कही, लेकिन पत्रकार ने पलटकर उनकी अपनी पार्टी के विधायकों की संख्या और निष्ठा पर सवाल उठा दिए। पत्रकार के पूछने पर कि उनकी पार्टी के कितने विधायक सपा का झंडा लगाकर घूमते हैं, अरुण ने स्वीकार किया कि उनके 7 विधायकों में से तीन विधायक इसतरह के हैं। इस पर पत्रकार ने कहा कि आपकी पार्टी खुद ही टूट गई है। इन तीन विधायकों में मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी शामिल हैं, जो सुभासपा का झंडा नहीं लगाते। इसके अतिरिक्त, ओम प्रकाश राजभर द्वारा जगदीश नारायण राय से नाराजगी का जिक्र भी किया गया, यह दर्शाता है कि पार्टी के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। इतना ही नहीं दावा किया गया हैं कि सुभासपा के दो-तिहाई विधायक अखिलेश यादव के पास हैं और सपा जब चाहे उनकी पार्टी का अपने में विलय कर सकती है। हालांकि, अरुण राजभर ने दावे को सिरे से खारिज कर अपनी सफाई देकर कहा कि केवल झंडा लगाने से पार्टी नहीं टूटती। इस घटनाक्रम ने जहां सुभासपा के अंदरूनी हालात पर सवाल खड़े हुए हैं, वहीं विडंबना भी साफ दिखाई दे रही है कि जो पार्टी दूसरों में टूट का दावा कर रही थी, वह खुद ही बगावत के आरोपों से जूझ रही है।

अयोध्या राम मंदिर: सुरक्षा पर 11 माह में 10 करोड़ खर्च, फिर भी चोरी

–जांच के घेरे में कई बड़े और ताकतवर लोग

अयोध्या (एजेंसी)। रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर की भव्यता और लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के बीच अब सुरक्षा चूक और करोड़ों रुपये के खर्च के बावजूद कथित चोरी का मामला गरमा गया है। बीते 11 महीनों में मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर लगभग 10 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद दान पेटियों में अनियमितता की शिकायत ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले में अब विशेष जांच दल की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और इसका दायरा सिर्फ कथित चोरी तक सीमित न रहकर पूरे सिस्टम को खंगाल रहा है, जिससे कई बड़े नाम जांच के घेरे में आ गए हैं।

17 साल से एक ही जगह तैनात आरएमओ जांच के घेरे में इस जांच में जिस नाम ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है, वह रेडियो मेंटेनेंस ऑफिसर (आरएमओ) का है। यह वही अधिकारी है जिसके जिम्मे मंदिर परिसर की सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था और उससे जुड़े तकनीकी पहलुओं की जिम्मेदारी है। सूत्र बताते हैं कि यह अधिकारी लगभग 17 वर्षों से मंदिर व्यवस्था से जुड़ा हुआ है और इतने लंबे समय तक उसका तबादला न होना भी जांच के दायरे में है। एसआईटी सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, रिकॉर्डिंग सिस्टम, बैकअप व्यवस्था, डेटा संरक्षण और तकनीकी नियंत्रण से जुड़े तमाम पहलुओं पर बारीकी से जानकारी जुटा रही है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि देश के सबसे सुरक्षित धार्मिक परिसरों में से एक, जहां सैकड़ों कैमरे और बहुस्तरीय सुरक्षा मौजूद है, वहां यह चूक आखिर कैसे संभव हुई? शुरुआत में रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव पर केंद्रित रही यह जांच अब अपना दायरा बढ़ा रही है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी अब उन लोगों की भूमिका भी समझने की कोशिश कर रही है जो मंदिर की सुरक्षा, निगरानी और प्रवेश व्यवस्था से सीधे जुड़े हुए हैं। इसमें तकनीकी स्टाफ, सुरक्षा कर्मी और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल हैं, जिनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। जांचकर्ताओं का मानना है कि किसी भी बड़े परिसर में होने वाली गतिविधियों को समझने के लिए केवल घटना नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था का अध्ययन आवश्यक है। यह जांच अब केवल चढ़ावे की कथित चोरी तक सीमित नहीं रही है, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी तंत्र, प्रवेश नियंत्रण और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की गहन समीक्षा का विषय बन गई है। 10 करोड़ के सुरक्षा कवच के बावजूद हुई यह सेंधमारी अयोध्या की प्रतिष्ठा और पारदर्शिता पर गहरे सवाल छोड़ रही है, जिसके जवाब आने वाले दिनों में ही सामने आ पाएंगे।

200 लोगों से पूछताछ की तैयारी

200 लोगों से पूछताछ की तैयारी, श्रद्धालुओं के मन में भी सवाल इस मामले में अब तक 125 से अधिक लोगों से पूछताछ की जा चुकी है और सूत्रों के अनुसार, लगभग 200 लोगों से पूछताछ की योजना पर काम चल रहा है। कई कर्मचारियों को दोबारा बुलाया गया है और उनके बयान फिर से दर्ज किए जा रहे हैं, जो जांच की गंभीरता को दर्शाता है। रामनगरी में आने वाले श्रद्धालुओं के बीच भी इस मामले की चर्चा साफ सुनाई दे रही है और उनके मन में भी यही सवाल है कि देश के सबसे प्रतिष्ठित और सुरक्षित धार्मिक स्थलों में से एक में ऐसी स्थिति कैसे पैदा हुई।

विपक्षी दलों की बगावत से मानसून सत्र में दिख सकता है राजनीतिक बदलाव का असर

–महिला आरक्षण और परिसीमन बिल पास कराने के कुछ ही कदम दूर है एनडीए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजनीति ने पिछले दो हफ्तों में एक ऐसा नया मोड़ ले लिया है जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। इस पूरे राजनीतिक बदलाव का सबसे बड़ा असर संसद के आगामी मानसून सत्र में देखने को मिल सकता है, जहां सरकार एक बार फिर महिलाओं के आरक्षण पैकेज से जुड़े संविधान संशोधन और परिसीमन बिल को पास कराने की तैयारी में है।

बता दें इसी साल अप्रैल के महीने में एकजुट विपक्ष के चलते लोकसभा में यह अहम बिल मात्र 54 वोटों की कमी की वजह से गिर गया था, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं और अगर यह बिल दोबारा संसद में आता है तो इसके पास होने की संभावना तेज हो गई है। इस बड़े बदलाव की मुख्य वजह पश्चिम बंगाल में टीएमसी में हुई बगावत और महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना में मंडराते संकट को माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी के 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसदों ने बगावत करते हुए अपना एक अलग गुट बना लिया है और वे एक नई पार्टी नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो गए हैं, जो अब सीधे तौर पर बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन का हिस्सा बनने जा रही है। दूसरी ओर महाराष्ट्र की राजनीति में भी ऐसी बगावती ऊहापोह देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र में भी उद्धव ठाकरे की पार्टी के नौ सांसदों में से छह सांसद पाला बदलकर शिंदे की शिवसेना के साथ जाने की तैयारी में हैं।

ऐसे में एक तरफ टीएमसी के सांसद और दूसरी ओर उद्धव गुट के सांसदों का बिखराव और बगावत देखने को मिलेगा तो यह कहना थोड़ा भी गलत नहीं होगा कि इन तमाम सियासी उलटफेर का सीधा फायदा केंद्र की सत्ताधारी एनडीए सरकार को मिल सकता है, जो मानसून सत्र शुरू होने से पहले ही संविधान संशोधन बिल पास कराने के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत के आंकड़े के बेहद करीब पहुंच सकती है। अब इस सियासी उठा-पटक के बीच लोकसभा के गणित को समझें तो कुल 543 सीटों में से दो-तिहाई बहुमत के लिए 360 सदस्यों का समर्थन जरूरी है, क्योंकि 3 सीटें फिलहाल खाली हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में इस समय टीएमसी के बागी सांसदों को मिलाकर एनडीए के पास कुल 318 सांसद हैं, जबकि विपक्ष के पास 184 और गैर-गठबंधन दलों के पास 38 सांसद मौजूद हैं। नियम के मुताबिक बिल पास होने के लिए सदन में वोटिंग के वक्त मौजूद सांसदों की संख्या मायने रखती है और पिछले अनुभवों के आधार पर देखें तो सरकार को दो-तिहाई का आंकड़ा छूने के लिए 54 और वोटों की जरूरत थी। देखा जाए तो अब इस जादुई आंकड़े को हासिल करना सरकार के लिए आसान हो गया है, क्योंकि टीएमसी के 20 बागी और उद्धव गुट के 6 संभावित बागी सांसदों के आने से यह कमी घटकर सिर्फ 28 वोटों की रह जाएगी।

इसके अलावा एक और बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम यह हुआ है कि तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके का कांग्रेस से नाता टूट चुका है और वह विपक्षी इंडिया गठबंधन से अलग हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक सरकार और डीएमके के बीच बातचीत चल रही है और अगर डीएमके की मांगें मान ली जाती हैं, तो उसके 22 सांसदों के समर्थन के साथ एनडीए का आंकड़ा 348 तक पहुंच जाएगा, जिसके बाद उसे बहुमत के लिए केवल छह और वोटों की दरकार होगी।

चूंकि बचे संभावित 6 वोटों के लिए केंद्र की एनडीए सरकार की रणनीति अहम मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों और उत्तर प्रदेश के मंत्रियों के बयानों के मुताबिक इस आखिरी 6 वोटों की कमी को पूरा करने के लिए बीजेपी की नजर विपक्षी गठबंधन की कुछ बेहद छोटी पार्टियों पर है, जिनमें महाराष्ट्र की एक क्षेत्रीय पार्टी भी शामिल है।

वहीं दूसरी ओर राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत के लिए 164 वोटों की जरूरत है और एनडीए के पास अभी 150 सांसद हैं। अगर यहां भी डीएमके के 8 सांसदों का समर्थन मिल जाता है, तो यह आंकड़ा 158 हो जाएगा और वहां भी सरकार बहुमत से सिर्फ छह वोट दूर रह जाएगी, जिसे टीएमसी सांसदों के इस्तीफे के बाद खाली हुई सीटों पर उपचुनाव और अन्य छोटे दलों के सहयोग से आसानी से हासिल किया जा सकता है। कुल मिलाकर यदि केंद्र सरकार संसद के दोनों सदनों में यह जादुई आंकड़ा जुटाने में कामयाब रहती है, तो आगामी मानसून सत्र में महिला आरक्षण और परिसीमन बिल की न सिर्फ धमाकेदार वापसी होगी बल्कि देश में एक देश एक चुनाव जैसे बड़े और कड़े कानूनों को लागू करने का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

बसपा सच्ची अम्बेडकरवादी पार्टी पूंजीपतियों या धन्नसेठों के सहारे नहीं

–मायावती ने दिया– 5 लाख मुलाकात, 3.35 करोड़ टिकट वाले दावों पर कड़ा बयान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के उत्तरप्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का कथित वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। इस वीडियो में, पाल को कथित तौर पर बसपा प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती से मुलाकात के लिए पाँच लाख और पार्टी का विधानसभा टिकट हासिल करने के लिए 3.35 करोड़ रुपये की बात करते दिखाया गया है। इन गंभीर आरोपों पर अब खुद बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी चुप्पी तोड़कर इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

पूर्व सीएम मायावती ने स्पष्ट किया कि बसपा परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बताए मार्ग पर चलने वाली, गरीब, शोषित-पीड़ित और उपेक्षितों के संवैधानिक हक व न्याय के लिए प्रतिबद्ध सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की सच्ची अम्बेडकरवादी पार्टी है। उन्होंने कहा कि बसपा बड़े-बड़े पूंजीपतियों या धन्नासेठों के सहारे नहीं, बल्कि अपने लोगों के तन, मन और धन के बलबूते पर चलती है। यह बात संकीर्ण, जातिवादी, साम्प्रदायिक और पूंजीवादी ताकतों को फूटी आँख नहीं सुहाती, और इसकारण वे चुनाव नज़दीक आने पर तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर बसपा व उसके नेतृत्व को बदनाम करने में लग जाते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा कि मीडिया का एक वर्ग अन्य पार्टियों की चुनावी जुगाड़ से ध्यान भटकाने के लिए बसपा के उम्मीदवार चयन पर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा कि बसपा को मिलने वाला आर्थिक सहयोग कानूनी तौर पर उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने पर ही खर्च होता है, जो किसी से छिपा नहीं है। मायावती ने बताया कि विश्वनाथ पाल ही नहीं, बल्कि पार्टी के अन्य छोटे-बड़े पदाधिकारी भी संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों के लिए उम्मीदवारों की संभावित सूची बनाने में जुटे हैं। उन्होंने मीडिया से अनुरोध किया कि इन सवालों को उनकी पूरी फेस वैल्यू पर लिए बिना, उसकी गहराई में जाना उचित नहीं है।

बसपा सुप्रीमो ने पार्टी कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे विरोधी पार्टियों के इसतरह के प्रायोजित षड्यंत्रों का शिकार न हों, बल्कि अपने मिशन 2027 के लक्ष्य में पूरे जी-जान से लगे रहें। उन्होंने कहा कि बसपा की जबरदस्त तैयारियों को देखकर ही विरोधियों की नींद उड़ी हुई है। मायावती ने अपने बयान का अंत जय भीम, जय भारत के नारे के साथ किया।

क्या फिर टूटेगी एनसीपी? अब शरद पवार के नेता सुनेत्रा पवार की पार्टी के संपर्क में

–शरद पवार अपनी पार्टी के भीतर ऐसी किसी भी स्थिति को टालने की कोशिश में

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के कई नेता उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की पार्टी के संपर्क में हैं। हालांकि, अब तक किसी नेता ने सार्वजनिक तौर पर दावा नहीं किया है। खास बात है कि उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी के 6 सांसद जल्द ही पार्टी छोड़कर एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो सकते हैं। वरिष्ठ नेता शरद पवार की पार्टी में दरार हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से ऐसा कहा जा रहा है। उन्होंने बताया है कि एनसीपी (एसपी) के कुछ सांसद एनसीपी के साथ संपर्क में हैं। कहा जा रहा है कि इसे लेकर गतिविधियां जारी हैं। खबर है कि चर्चा में सांसद पार्थ पवार भी मौजूद थे। फिलहाल, ये नेता कौन हैं, इसे लेकर स्थिति अब तक साफ नहीं हो सकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह भी कहा जा रहा है कि सीनियर पवार जल्द ही सांसदों के साथ बैठक कर सकते हैं। इन घटनाक्रमों से चिंतित होकर, शरद पवार अपनी पार्टी के भीतर ऐसी किसी भी स्थिति को टालने की कोशिश में हैं। प्रस्तावित बैठक में वह सांसदों के साथ बातचीत करेंगे, उनकी चिंताओं और शिकायतों को सुनेंगे और आंतरिक संवाद को मजबूत करेंगे। अब तक यह भी साफ नहीं हो सका है कि ये सांसद राज्यसभा से हैं या लोकसभा से। आंकड़ों के मुताबिक लोकसभा में एनसीपी एसपी के 8 सांसद हैं। जबकि, एनसीपी के पास सिर्फ 1 ही सांसद है। इधर, राज्यसभा में शरद पवार ही सांसद हैं। एनसीपी के मामले में यह आंकड़ा 4 पर है। रिपोर्ट के मुताबिक छह बागी सांसद शुक्रवार को पार्टी के 60वें स्थापना दिवस पर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल नहीं होंगे। इनके शिवसेना में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। दोनों ही गुट स्थापना दिवस मनाने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि शिवसेना यूबीटी के छह सांसद इस अवसर पर शिंदे नीत शिवसेना में शामिल होंगे। व्हिप जारी होने के बावजूद इन सांसदों ने अपनी पार्टी की बैठक में हिस्सा नहीं लिया था।

अल-नीनो का बढ़ता खतरा: भारत के लिए अगले पांच महीने चुनौतियों से भरे

–कृषि एवं अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा सीधा प्रभाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इस वर्ष मॉनसून की शुरुआत उम्मीद से थोड़ी धीमी रही है, जिसने देश के कई हिस्सों में चिंता बढ़ा दी है। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 2026 जून की शुरुआत में भले ही केरल पहुंच गया हो, लेकिन इसकी आमद सामान्य से कुछ विलंब से हुई, और प्रारंभिक बारिश भी कई क्षेत्रों में कमजोर दर्ज की गई है। मौसम वैज्ञानिकों ने अब एक गंभीर चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा है कि अल-नीनो का पूरा प्रभाव अभी तक देखा नहीं गया है, और आने वाले जुलाई से नवंबर तक के महीने भारत के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हो सकते हैं, जिसका सीधा असर कृषि, जल संसाधनों और समग्र अर्थव्यवस्था पर पड़ने की आशंका है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि 2026 में अल-नीनो जून में अपेक्षाकृत कमजोर रहेगा, लेकिन जुलाई-अगस्त में इसके मध्यम होने और सितंबर तक मजबूत होने की प्रबल संभावना है। एनओएए और आईएमडी जैसे प्रमुख मौसम संगठनों के अनुसार, जुलाई-अगस्त तक अल-नीनो के पूरी तरह विकसित होने की संभावना 80-90 प्रतिशत से भी अधिक है। पिछले कई दशकों के ऐतिहासिक रिकॉर्ड बताते हैं कि अधिकांश अल-नीनो वर्षों में भारत को औसत से कम बारिश मिली है।

पिछले माह सामान्य से कम रही बारिश

जून 2026 के पहले दो हफ्तों में कई राज्यों में बारिश सामान्य से काफी कम रही। महाराष्ट्र जैसे कृषि प्रधान राज्यों में 70-80 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, जबकि मध्य भारत और कुछ उत्तरी हिस्सों में भी बारिश का स्तर नीचे रहा। आईएमडी के अनुसार, जून महीने में भी औसत से कम बारिश रहने की संभावना है। मॉनसून की इस देरी और कमजोर शुरुआत ने किसानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं, क्योंकि खरीफ फसलों की बुवाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। अल-नीनो का असली और गहरा असर जुलाई से सितंबर के बीच दिखेगा, जब मॉनसून अपनी चरम अवस्था में होता है। यदि अल-नीनो मजबूत होता है, तो अगस्त-सितंबर में बारिश में और भी कमी आ सकती है। इससे देश के जलाशयों में पानी की कमी, नदियों के सूखने और भूजल स्तर में गिरावट जैसी गंभीर समस्याएं और विकराल रूप ले सकती हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा अभी भी कृषि पर निर्भर है, जहाँ लगभग 50-60 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खेती से जुड़ी हुई है। खरीफ सीजन (जून-सितंबर) में धान, मक्का, सोयाबीन, कपास और दालें जैसी महत्वपूर्ण फसलें बोई जाती हैं। कम बारिश से इन फसलों की पैदावार में भारी कमी आ सकती है। पिछले अल-नीनो वर्षों में सूखे के कारण किसानों की आय घटी, उन पर कर्ज का बोझ बढ़ा और कई जगहों पर आत्महत्या की घटनाएं भी बढ़ीं। 2026 में यदि बारिश 90 प्रतिशत या उससे कम रहती है, तो खाद्यान्न उत्पादन में 10-15 प्रतिशत की कमी आ सकती है, जिससे देश के सामने खाद्य सुरक्षा की बड़ी चुनौती खड़ी हो जाएगी। ऐसी स्थिति में सरकार को अनाज का आयात बढ़ाना पड़ सकता है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ेगा। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, क्योंकि इन इलाकों में वर्षा आधारित खेती अधिक होती है। छोटे किसान, जिनके पास सिंचाई की पर्याप्त

सुविधा नहीं है, वे इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। पशुपालन भी प्रभावित होगा, क्योंकि चारे की कमी हो सकती है। कम बारिश का सीधा मतलब है जल संकट का गहराना। देश के कई शहरों और गांवों में पहले से ही पानी की समस्या है, और मॉनसून कमजोर रहने पर पीने के पानी, सिंचाई और उद्योगों के लिए पानी की कमी और बढ़ेगी। बिजली उत्पादन भी प्रभावित होगा, क्योंकि हाइड्रो पावर प्लांट पानी पर निर्भर करते हैं। अल-नीनो से तापमान में और वृद्धि हो सकती है, जिससे गर्मी पहले से ही रिकॉर्ड तोड़ रही है।

जेनरेटिव एआई से रियल एस्टेट में उछाल, 17 अरब डॉलर तक की अतिरिक्त वैल्यू

बिक्री में 50 फीसदी सुधार, अगले 7 साल में बढ़ेगा 14-17 अरब डॉलर का जीवीए

नई दिल्ली ।

जेनरेटिव आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (जेनएआई) अगले सात साल में रियल एस्टेट क्षेत्र में 14 से 17 अरब डॉलर तक का अतिरिक्त सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) कर सकता है। इससे रियल एस्टेट के कुल मूल्य में 3 से 4 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। ईवाई-पार्थेनॉन और क्रेडाई की संयुक्त रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार जेनएआई की मदद से डेवलपरों को बिक्री की रफ्तार में 30 से 50 प्रतिशत तक का सुधार देखने को मिल सकता है। इसके साथ ही परियोजनाओं को लॉन्च करने में भी लगभग 30 प्रतिशत की तेजी आएगी। जेनएआई सौदों के मूल्यांकन में लगने वाले समय को लगभग 50 प्रतिशत तक घटा सकता है, जबकि भूमि अधिग्रहण का समय 30 से 35 प्रतिशत तक कम हो सकता है। यह स्वचालित व्यावहारिक मॉडलिंग और विक्रेता मूल्यांकन के जरिए 2.5 गुना अधिक सौदों के मूल्यांकन को सक्षम करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि जेनएआई को जल्दी अपनाने वाले व्यवसायों को जबरदस्त परिचालन लाभ मिल सकता है, जिसमें कार्यबल उत्पादकता में 20-50 फीसदी सुधार और ग्राहक अधिग्रहण लागत में उतनी ही कमी होगी। इससे निर्णय लेने की अवधि भी महीनों से हफ्तों या दिनों में सिमट जाएगी, जिससे डेवलपरों को व्यावहारिकता का आकलन करने और परियोजनाओं की योजना बनाने के तरीकों को नया आकार देने में मदद मिलेगी।

एक्सेंचर का राजस्व बढ़ा पर निवेशकों को नहीं भाया, शेयर गिरे

- तिमाही में कंसल्टिंग कारोबार की धीमी वृद्धि और आउटसोर्सिंग बुकिंग्स में गिरावट चिंता का विषय बनी

नई दिल्ली ।

ग्लोबल आईटी कंसल्टिंग और आउटसोर्सिंग दिग्गज एक्सेंचर ने हाल ही में अपने तिमाही नतीजे जारी किए हैं, जिसमें राजस्व में 5.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और यह 18.7 अरब डॉलर रहा। हालांकि, इन आंकड़ों के बावजूद निवेशकों में खास उत्साह नहीं दिखा और कंपनी के शेयर में जोरदार गिरावट देखने को मिली। नए ऑर्डर मिलने की धीमी रफ्तार और पूरे साल के लिए ग्रोथ अनुमान में कटौती ने बाजार की चिंताएं बढ़ा दी हैं। एक्सेंचर के नतीजों से भले ही कंपनी का राजस्व 5.6 फीसदी बढ़कर 18.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो बाजार के अनुमानों के करीब था, फिर भी निवेशकों ने इसे सकारात्मक रूप से नहीं लिया। तिमाही के दौरान, कंपनी के कंसल्टिंग कारोबार की वृद्धि सिर्फ 1 फीसदी रही, जबकि आउटसोर्सिंग या मैनेज्ड सर्विसेज कारोबार में 5 फीसदी की वृद्धि देखी गई। यह दर्शाता है कि कंपनी का मौजूदा बड़ा कारोबार तो चल रहा है, लेकिन नए प्रोजेक्ट हासिल करने की रफ्तार उम्मीद के मुताबिक नहीं है। निवेशकों की सबसे बड़ी चिंता नए ऑर्डर यानी बुकिंग्स को लेकर थी। इस तिमाही में एक्सेंचर को 19.3 अरब डॉलर के नए ऑर्डर मिले, जो पिछले साल के मुकाबले 2 फीसदी कम हैं।

खास बात यह रही कि जहां कंसल्टिंग बुकिंग्स में 13 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, वहीं आउटसोर्सिंग बुकिंग्स में करीब 15 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। कंपनी ने इसकी वजह पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और कुछ बड़े आउटसोर्सिंग सौदों का अगले वित्त वर्ष के लिए टल जाना बताया है, जिससे उसे करीब 10 करोड़ डॉलर के राजस्व का नुकसान हुआ। इन चुनौतियों के चलते, एक्सेंचर ने वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने ग्रोथ गाइडेंस को भी कम कर दिया है। पहले 3 से 5 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद थी, जिसे अब घटाकर 3 से 4 फीसदी कर दिया गया है। यह संकेत देता है कि कंपनी आने वाले समय में धीमी कारोबार रफ्तार की आशंका कर रही है। हालांकि, कंपनी भविष्य को लेकर आशावादी है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को एक बड़ा ग्रोथ इंजन मान रही है।

एक्सेंचर का कहना है कि ग्राहक अब एआई के बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, कंपनी ने मिड-साइज कंपनियों के लिए एक्सेंचर एज प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है और अधिग्रहण (एक्विजिशन) के लिए अपना बजट 5 अरब डॉलर से बढ़ाकर 9 अरब डॉलर कर दिया है, जो भविष्य की तैयारी में उसके मजबूत इरादों को दर्शाता है।

वैश्विक चिप उद्योग में 10 लाख पेशेवरों की कमी, भारत के लिए बड़ा अवसर अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग लगभग 10 लाख पेशेवरों की कमी का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए एक बड़ा अवसर है और देश इस क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराने वाला प्रमुख केंद्र बन सकता है। पटना स्थित सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) केंद्र में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग का वर्तमान आकार लगभग 800 अरब डॉलर है और अगले एक वर्ष के भीतर इसके 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होने की संभावना है। अश्विनी वैष्णव ने कहा, ÷वर्ष 2032 तक वैश्विक सेमीकंडक्टर क्षेत्र में लगभग 10 लाख नई नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। वहीं उद्योग को करीब 10 लाख कुशल पेशेवरों की कमी का भी सामना करना पड़ रहा है।÷ उन्होंने कहा कि भारत को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए दो प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देना होगा - सेमीकंडक्टर डिजाइन और सेमीकंडक्टर निर्माण। मंत्री के अनुसार, सरकार देश में विश्वस्तरीय सेमीकंडक्टर डिजाइन क्षमता विकसित करने की दिशा में काम कर रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि भारतीय छात्र दुनिया के सबसे बेहतर प्रशिक्षित पेशेवरों में शामिल हों। उन्होंने कहा, ÷जब छात्र सेमीकंडक्टर डिजाइन कौशल के साथ स्नातक होकर निकलें, तो उन्हें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं में गिना जाए और उन्हें तुरंत उद्योग में अवसर मिलें।÷ अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सेमीकंडक्टर डिजाइन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों के माध्यम से अब तक लगभग 75 हजार छात्रों को आकर्षक अवसर मिल चुके हैं। उन्होंने कहा, ÷हमारा लक्ष्य इस संख्या को 75 हजार से बढ़ाकर 5 लाख छात्रों तक पहुंचाना है।÷ मंत्री ने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण गतिविधियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं।

एशियाई बाजारों में मजबूती के साथ कारोबार

मुंबई ।

एशियाई बाजारों से हालांकि सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक करीब 2.7 प्रतिशत की तेजी के साथ नए उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि जापान का निक्केई 225 भी 0.58 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करते हुए रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार करता दिखा। गुरुवार को वॉल स्ट्रीट में निवेशकों का रुख सकारात्मक रहा। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.14 प्रतिशत मजबूत होकर बंद हुआ। वहीं एसएंडपी 500 में 1.08 प्रतिशत और नैस्डैक कंपोजिट में 1.91 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

कच्चे तेल में नरमी, पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में शुक्रवार को कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे उपभोक्ताओं को तात्कालिक राहत मिली। हालांकि, ईरान द्वारा रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर संभावित टोल टैक्स के संकेत ने भविष्य में तेल आपूर्ति और परिवहन लागत को लेकर नई चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस सबके बीच, भारत में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ईरान ने दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने का संकेत दिया है। यदि यह लागू होता है, तो तेल परिवहन की लागत में भारी वृद्धि होगी, जिसका सीधा असर वैश्विक बाजार पर पड़ेगा। अमेरिका के साथ तनाव कम होने की उम्मीद के बावजूद यह कदम तेल बाजार में अनिश्चितता बढ़ा रहा है। इन भू-राजनीतिक चिंताओं के बावजूद, शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.08 फीसदी घटकर 75.03 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। भारतीय बाजार के लिए अच्छी खबर यह रही कि शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। सरकारी तेल कंपनियों ने पुराने दाम ही बरकरार रखे, जिससे आम जनता को फिलहाल महंगाई का नया झटका नहीं लगा। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर रहे। मुंबई में भी कीमतें यथावत बनी हुई हैं।

स्विस बैंकों में भारतीयों का पैसा 8 फीसदी से अधिक घटा रिपोर्ट

कुल राशि 3.25 अरब स्विस फ्रैंक हुई, स्थानीय शाखाओं के जरिए जमा राशि में आई कमी

नई दिल्ली ।

स्विस बैंकों में भारतीयों द्वारा जमा किया गया धन वर्ष 2025 में 8 प्रतिशत से अधिक घटकर 3.25 अरब स्विस फ्रैंक (लगभग 36,793 करोड़ रुपये) रह गया है। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक, स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) द्वारा जारी वार्षिक आंकड़ों के अनुसार, यह कमी मुख्य रूप से स्थानीय शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से रखे गए धन में गिरावट के कारण दर्ज की गई है। एसएनबी के आंकड़ों के मुताबिक, कुल जमा राशि में गिरावट के बावजूद, व्यक्तिगत और संस्थागत ग्राहकों के खातों में जमा धन 50 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक (लगभग 6,000 करोड़ रुपये) हो गया है। हालांकि, कुल राशि में इन जमाओं की हिस्सेदारी लगभग 16 प्रतिशत ही रही। कुल धनराशि का बड़ा हिस्सा बैंकों को देय राशि के रूप में था, जो अन्य बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के जरिये रखी गई थी। यह राशि पिछले साल करीब 15 प्रतिशत घटकर 2.6 अरब स्विस फ्रैंक रही। इससे पहले, वर्ष 2024 में स्विस बैंकों में जमा कुल भारतीय धन तिगुना होकर 3.5 अरब स्विस फ्रैंक हो गया था, जो 2021 के बाद का उच्चतम स्तर था। वर्ष 2021 में यह आंकड़ा 14 साल के उच्चतम स्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक पर था। एनएनबी स्पष्ट करता है कि ये आंकड़े स्विट्जरलैंड में भारतीयों के कथित काले धन की मात्रा को नहीं दर्शाते हैं, न ही इनमें वह धन शामिल है जो तीसरे देशों की

इकाइयों के नाम पर रखा गया हो। एसएनबी के आंकड़ों के अनुसार, स्विस बैंकों में भारतीयों की कुल जमा राशि वर्ष 2006 में करीब 6.5 अरब स्विस फ्रैंक के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद इसमें अधिकांश समय गिरावट का रुख रहा है, हालांकि कुछ वर्षों में इसमें वृद्धि भी देखी गई। वर्ष 2025 के अंत में मौजूद कुल 325.05 करोड़ स्विस फ्रैंक की देनदारियों में से प्रमुख रूप से ग्राहक जमा, अन्य बैंकों के जरिये रखी गई राशि और बॉन्ड एवं प्रतिभूतियों जैसे वित्तीय साधन शामिल थे।

एनआरआई ग्राहकों को लेकर चिंता में बैंक ग्राहकों को लुभाने की दौड़ तेज

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा फॉरेन करेंसी नॉन-रेजिडेंट (एफसीएनआर(बी) डिपॉजिट पर ब्याज दर की ऊपरी सीमा हटाने के बाद बैंकों में कड़ी प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। इस बदलाव से कुछ बैंक अपने विदेशी ग्राहकों को खोने की आशंका से चिंतित हैं, क्योंकि अन्य बैंक अधिक आकर्षक रिटर्न दे रहे हैं। आरबीआई के फैसले के बाद कई बैंकों ने (एफसीएनआर(बी) डिपॉजिट पर अपनी ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। इससे उन बैंकों की चिंता बढ़ गई है जिनके एनआरआई ग्राहक बेहतर रिटर्न की तलाश में दूसरे बैंकों की ओर रुख कर सकते हैं। कुछ बैंक, जिन्होंने पहले ही नई दरों की घोषणा कर दी थी, अब केंद्रीय बैंक के नए नियमों के मद्देनजर अपनी योजनाओं की समीक्षा कर रहे हैं। एक वरिष्ठ बैंकर ने पुष्टि की कि वे अपनी घोषित दरों पर फिर से विचार करेंगे। बैंकरों और विश्लेषकों का मानना है कि छोटे बैंक अब दरें आक्रामक रूप से बढ़ा सकते हैं, जबकि बड़े बैंक संभवतः 6 फीसदी के स्तर के आसपास ही बने रहेंगे।

वैश्विक संकेतों से भारतीय आईटी सेक्टर में भूचाल

निफ्टी आईटी 6 फीसदी टूटा, इंफोसिस 8 फीसदी तक लुढ़का

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को आईटी सेक्टर पर जोरदार मार पड़ी। अमेरिकी आईटी दिग्गज एक्सेंचर के कमजोर व्यावसायिक संकेतों के बाद निवेशकों में भारतीय आईटी कंपनियों की भविष्य की ग्रोथ को लेकर चिंता बढ़ गई, जिसके चलते निफ्टी आईटी इंडेक्स में लगभग 6 फीसदी की तेज गिरावट आई। इस बिकवाली के कारण प्रमुख आईटी शेयरों में भारी नुकसान देखा गया। इंफोसिस, टीसीएस0, टेक महिंद्रा, एमफैसिस और पर्सिस्टेंट सिस्टम्स जैसे दिग्गज शेयरों में 5 से 8 फीसदी तक की बड़ी गिरावट देखी गई। निफ्टी आईटी इंडेक्स 1,700 अंक से अधिक गिरकर 26,763 पर बंद हुआ, जिसमें इंफोसिस 8 फीसदी से ज्यादा और अन्य दिग्गज 5-6.5 फीसदी तक लुढ़के। इंडेक्स में शामिल सभी 10 शेयर लाल निशान में बंद हुए।दरअसल, एक्सेंचर ने पूरे साल के लिए अपने ग्रोथ अनुमान को घटा दिया है और नए ऑर्डर भी उम्मीद से कमजोर रहे हैं। कंपनी ने मिडिल ईस्ट में तनाव और कुछ बड़े प्रोजेक्ट टलने को इसकी वजह बताया, पर वैश्विक आय पर निर्भर भारतीय आईटी कंपनियों पर असर की आशंका से बाजार में घबराहट फैली। हालांकि नुवामा के विश्लेषकों ने इसे बड़ा संकट नहीं, बल्कि हल्का नकारात्मक संकेत बताया है।

दुबई में पेट्रोल पंप पर भारतीय युवाओं के लिए कितना है वेतन पैकेज

खाड़ी देशों में रोजगार की तलाश में लाखों युवा; जानें योग्यता

नई दिल्ली ।

भारत समेत दक्षिण एशियाई देशों के लाखों युवा हर साल बेहतर रोजगार तलाशने खाड़ी देशों का रुख करते हैं, जिनमें दुबई एक प्रमुख केंद्र है। अक्सर मन में सवाल उठता है कि दुबई के पेट्रोल पंपों पर काम करने वाले प्रवासियों की कमाई कितनी है और वहां काम का माहौल कैसा? आइए जानते हैं इन फ्यूल स्टेशनों पर नौकरी से जुड़ी सभी अहम बातें। दुबई व यूएई में एडीएनओसी, अमीरात और ईपीपीसीओ/ईएनओसी जैसी प्रमुख कंपनियां फ्यूल स्टेशन संचालित करती हैं। यहां पेट्रोल भरने (फ्यूल अटेंडेंट) के अलावा, कैशियर, स्टोर एसोसिएट व कार वॉश अटेंडेंट जैसे कई अन्य पदों पर भी भर्तियां होती हैं। इन नौकरियों के लिए कम से कम 10वीं/12वीं पास, बुनियादी अंग्रेजी की समझ और शारीरिक फिटनेस अनिवार्य है। आमतौर पर 35 वर्ष से कम उम्र के युवाओं को प्राथमिकता मिलती है। भर्ती सीधे कंपनियों या थर्ड-पार्टी एजेंसियों से होती है। सैलरी दो

मुख्य मॉडलों पर आधारित है। पहले मॉडल में, कंपनी रहने व खाने की सुविधा मुफ्त देती है, जिससे मासिक आय 1,000 से 2,000 एईडी (लगभग 25,000-45,000 रुपए) होती है।

दूसरे मॉडल में, ये खर्च कर्मचारी को खुद उठाने होते हैं, पर सैलरी 2,400 एईडी (लगभग 55,000-60,000 रुपए) तक पहुंच सकती है।

बैंकों को अल्पकालिक धन की सीमित जरुरत, आरबीआई की वीआरअर नीलामी सुस्त

केंद्रीय बैंक को अधिसूचित राशि के मुकाबले केवल 16,750 करोड़ की बोलियां मिलीं

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को आयोजित एक लाख करोड़ रुपए की तीन दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) नीलामी को बैंकों से बेहद सुस्त प्रतिक्रिया मिली। यह बैंकिंग प्रणाली में अल्पकालिक धन की सीमित आवश्यकता को दर्शाता है। केंद्रीय बैंक को अधिसूचित राशि के मुकाबले केवल 16,750 करोड़ रुपए की बोलियां प्राप्त हुईं, जिन्हें 5.26 फीसदी की कट-ऑफ और भारित औसत दर पर स्वीकार कर लिया गया। आरबीआई की वीआरआर नीलामी में यह कम भागीदारी दर्शाती है कि अल्पकालिक धन के लिए बैंकों की मांग सीमित रही, भले ही केंद्रीय बैंक ने नकदी समर्थन देने की कोशिश की हो। 18 जून तक उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, बैंकिंग प्रणाली में लगभग 19,163.11 करोड़ रुपए का नकदी अधिशेष बना हुआ है। हालांकि, यह स्तर अपेक्षाकृत कम है, जो प्रणाली में थोड़ी तंगी भरी परिस्थितियों का संकेत देता है। आरबीआई अल्पकालिक नकदी प्रबंधन और रातोंरात दरों को नीतिगत दर गलियारे के अनुरूप बनाए रखने के लिए वीआरआर नीलामियां आयोजित करता है। इसके तहत, बैंक अलग-अलग ब्याज दरों पर बोली के जरिए पैसा उधार लेते हैं। नकदी दबाव को कम करने के लिए, केंद्रीय बैंक ने हाल के दिनों में विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामी के माध्यम से लगभग 1.89 लाख करोड़ रुपए की अस्थायी नकदी डाली है।

इसमें 18 जून को 72,300 करोड़, 16 जून को 89,440 करोड़ और 15 जून को 28,220 करोड़ की नकदी शामिल है। बावजूद इसके शुक्रवार की नीलामी में कम भागीदारी बैंकों की सीमित उधारी आवश्यकताओं को उजागर करती है।

पेरिस में बोले पीएम मोदी- पिछले 12 सालों में 140 करोड़ भारतीयों ने बदली देश की तस्वीर

जीडीपी दोगुना, मेट्रो नेटवर्क 4 गुना बढ़ा, 25 करोड़ लोगों को गरीबी की बेड़ियों से मुक्ति दिलाई

फ्रांस ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पिछले 12 वर्षों में भारत द्वारा हासिल की गई अभूतपूर्व प्रगति और वैश्विक पटल पर उसकी बढ़ती साख का गुणगान किया। उन्होंने देश को भविष्य को आकार देने वाला बताते हुए कहा कि भारत अब दुनिया के लिए एक स्थिर और भरोसेमंद भागीदार बन चुका है। पीएम मोदी ने पेरिस को रोशनी और रंगों का शहर बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि यहां बसे भारतीयों ने अपनी मेहनत और लगन से इस शहर को और भी रंगीन बना दिया है। उन्होंने पिछले 12 वर्षों को 140 करोड़ भारतीयों के अद्भुत सामर्थ्य का काल बताया, जिसमें देश ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव देखे हैं। प्रधानमंत्री ने गर्व से कहा कि यह भारत के लोकतंत्र की ही शक्ति है कि एक चाय बेचने वाला आज दुनिया के सामने देश का नेतृत्व कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की बदलती तस्वीर को आंकड़ों के साथ प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इन 12 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) दोगुना हुआ है, एयरपोर्ट्स और विश्वविद्यालयों की संख्या दोगुनी हुई है, जबकि मेट्रो

नेटवर्क में चार गुना वृद्धि दर्ज की गई है। सबसे बड़ी उपलब्धि का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि इन सालों में 25 करोड़ भारतीय गरीबी की बेड़ियों को तोड़कर बाहर आए हैं। उन्होंने फ्रांस के कुल घरों की संख्या से भी अधिक पक्के घर भारत में जरूरतमंदों के लिए बनाए जाने और हर परिवार के पास बैंक अकाउंट होने का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि आज भारत सिर्फ भविष्य की तैयारी नहीं कर रहा, बल्कि उसे आकार दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि भरोसा जरूरी है और भारत एक भरोसेमंद वैश्विक साझेदार के रूप में उभर रहा है। उन्होंने भारत इनोवेट्स और भारत कनेक्ट जैसे कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए फ्रांस में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया, और उन्हें भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की असली ताकत बताया।

गुवाहाटी में होगी भारत-जापान निवेश शिखर वार्ता 50 जापानी कंपनियां करेंगी फोकस

– सेमीकंडक्टर, ऊर्जा, वाहन क्षेत्र में बड़े समझौते संभव; सुजुकी मोटर के अध्यक्ष भी प्रतिनिधिमंडल में

नई दिल्ली ।

जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची का आगामी गुवाहाटी दौरा भारत में बड़े जापानी निवेश और आपूर्ति श्रृंखला समझौतों पर मुहर लगा सकता है। उनके साथ 50 जापानी कंपनियों के अधिकारियों का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा, जो प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी के अवसर तलाशेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची के बीच गुवाहाटी में होने वाली प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में निवेश, आपूर्ति श्रृंखला सुदृढीकरण और रणनीतिक तेल भंडार के लिए वित्तीय सहायता पर महत्वपूर्ण समझौते होने की संभावना है। जापान भारत की ऊर्जा सुरक्षा में सहयोग को उत्सुक है, जिसमें 2 अरब डॉलर की 'साउथ-ईस्ट एशिया इन्वेस्टमेंट फाइनैंसिंग फैसिलिटी' के तहत रणनीतिक भंडार बढ़ाना शामिल हो सकता है।

सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और वाहन जैसे क्षेत्र जापानी व भारतीय कंपनियों के लिए प्रमुख फोकस रहेंगे। प्रतिनिधिमंडल में सुजुकी मोटर के अध्यक्ष तोशिहिरो सुजूकी जैसे बड़े उद्योगपतियों की उपस्थिति इन क्षेत्रों में बढ़ती जापानी दिलचस्पी को दर्शाती है। असम का मोरीगांव, जो भारत के पहले स्वदेशी सेमीकंडक्टर सुविधा केंद्र (टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट द्वारा संचालित) का घर है, जापानी निवेश के लिए एक आकर्षक स्थल के रूप में उभरा है। नई दिल्ली के बाहर पूर्वोत्तर में यह शिखर वार्ता क्षेत्र के बढ़ते रणनीतिक और व्यावसायिक महत्व को रेखांकित करती है, जिससे भारत के पूर्वी द्वार पर नए आर्थिक अवसर खुलने की उम्मीद है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (शनिवार)
20 जून 2026

तब बाढ़ में भी नहीं डूबेंगे धान के पौधे!

तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। अब जापानी वैज्ञानिकों ने ऐसे जीनों का पता लगाया है जिनके जरिए चावल के पौधे का विकास इस तेजी से बढ़ाया जा सकता है कि वह पानी में डूबे ही नहीं।

भारत में चावल उगाने वाले किसान जहां बरसात के लिए तरसते हैं, वहीं उससे बहुत डरते भी हैं। उनके मन में कई सवाल होते हैं, क्या बरसात ठीक वक्त पर आएगी, ज़्यादा तेज और लंबी तो नहीं होगी, कितनी बार फसल बरसात की वजह से खराब हो जाती है और हज़ारों किसानों के लिए भारत में ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और दूसरे एशियाई देशों में भी गुजारा करना मुश्किल हो जाता है।

अक्सर यह देखा गया है कि तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। खेतों मे बढ़ता हुआ जलस्तर चावल के पौधों के लिए सामान्?यत~ अच्छा ही रहता है, लेकिन यह ज़रूरी है कि पौधे के उपरी हिस्से हवा के संपर्क में बने रहें। हालांकि मानसूनी इलाकों में बरसात और बाढ की वजह से चावल के खेतों में पानी इतना ज्?यादा भर जाता है कि धान के पौधे बिल्कुल डूब जाते हैं तथा इससे वे सड़ने लगते हैं और मर भी जाते हैं।

गौरतलब है कि गहरे पानी में उगनेवाले चावल की प्रजाति को जलजमाव से कोई समस्या नहीं होती। पानी के साथ-साथ उसके तने वाले डंठल भी बढ़ते जाते हैं।

जापान के नागोया विश्वविद्यालय के मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं~

गहरे पानी में उगने वाले चावल के पौधे, पानी की गहराई से ऊपर बने रहने के लिए, एक मीटर तक बढ़ सकते हैं। वे हवा के संपर्क में बने रहने के लिए ऐसा करते है। वे अंदर से खोखले होते हैं, लेकिन उसके जरिए पौधा पानी की सतह से उपर पहुंच सकता है और ऑक्सीजन पा सकता है। यह कुछ ऐसा ही है कि जब आप गोताखोरी कर रहे होते हैं, तो पानी से ऊपर निकली एक नली से सांस लेते हैं।

बरसात के समय ऐसे चावल के तने 25 सेंटीमीटर प्रतिदिन की एक अनोखी गति से बढ़ सकते हैं। अशिकारी और उनकी टीम ने इस प्रक्रिया को समझने के लिए इस चावल के जीनों से यह समझने की कोशिश की कि चावल बरसात के वक्त अपने विकास को किस तरह नियंत्रित करता है। अध्ययनों से अब तक जितना पता चला है वह यह है कि एक गैसीय विकास-हॉर्मोन एथीलिन इसके लिए जिम्मेदार है, जैसाकि नीदरलैंड के उएतरेश्त विश्वविद्यालय के रेंस वोएसेनेक बताते हैं~

जब पौधा पूरी तरह पानी में डूब जाता है तब यह गैस ठीक तरह से मुक्त नहीं हो पाती। यू कहें कि वह पौधे में ही कैद हो जाती है। यानी पौधे में एथिलिन की मत्रा बढ़ने लगती है। यह पौधे के लिए संकेत है कि वह पानी में डूब रहा है और उसे कुछ करना है।

जापानी विशेषज्ञों ने पता लगाने की कोशिश की कि कौन से जीन इस स्थिति में सक्रिय होते हैं। उन्होने ऐसे जीन पाए जिनको वे गोताखोरी में इस्तेमाल होनेवाली नली के अनुरूप स्नोर्कल जीन कहते हैं। ये जीन तभी सक्रिय होते हैं जब पौधे के तने में एथिलिन की मात्रा बढ़ने लगती है। वे पौधे के विकास को तेज करने वाले दूसरे तत्वों का उत्पादन शुरू कर देते हैं। मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं~

हमने क्रॉमोसोम 1,3 और 12 पर यह तथाकथित नलिका जीन पाए। उन्हें यदि सामान्य चावल के पौधों में भी मिलाया जा सके, तो बरसात के वक्त सामान्य चावल के पौधे भी वही करेंगे जो गहरे पानी में उगने वाला चावल करता है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम चावल की हर प्रजाति को गहरे पानी में उगने वाले चावल की प्रजाति बना सकते हैं।

यानी इन जीनों की मदद से चावल की उस फसल को बचाया जा सकता है जो पानी की अधिकता के प्रति बहुत संवेदनशील है। जहां अक्सर बाढ आती है वहां के किसानों की इस बड़ी समस्या का समाधान हो सकता है। एक और समस्या भी दूर हो सकती है - गहरे पानी में उगने वाला चावल बहुत ही कम फसल देता है, प्रति हेक्टेयर सिर्फ एक टन जो उपजाऊ क़िस्मों की तुलना में सिर्फ 20 फीसदी के बराबर है। नीदरलैंड के विशेषज्ञ रेंस वोएसेनेक बहुत ही आशावादी हैं~

विकास के लिए जिम्मेदार इन जीनों के बारे में पता चल जाने के बाद अब हम चावल की अलग-अलग प्रजातियों के बीच प्रकृतिक संवर्धन के जरिए, यानी वर्णसंकर के जरिए भी इन जीनों को उनके पौधे में डाल सकते हैं। इसके लिए किसी जीन तकनीक जरूरत ही नहीं हैं।

जापान के विशेषज्ञों ने यह काम शुरू कर भी दिया है। उनके अध्ययनों से एक बार फिर पता चलता है कि पौधों के संवर्धन के लिए उनके जीनों में असामान्य गुणों की तालाश कितनी जरूरी है।

कुदरती खेती का एक अनूठा प्रयोग

भारत एक कृषि प्रधान देश है। प्रकृति की कृपा तथा हमारे किसानों कि आर्थिक मेहनत से हमारी भूमि सदा उपजाऊ रही है। प्राचीन समय में हमारी खेती प्राकृतिक संपदा व संसाधनों पर ही निर्भर थी और देश की खाद्यान्नों सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा कर पाती थी। जैसे-जैसे देश में शहरीकरण व औद्योगिकरण बढते गये , गांवों से लोग खेती को छोड़ शहरों की ओर आते गये। प्राकृतिक खेती पध्दति कम होती गई और रासायनिक खाद आदि का प्रयोग बढता गया। ज़मीन की उत्पादकता घटती गई और साथ ही किसान की आय भी। सन 1965 में भारत में हरित क्रांति आयी जिससे उपज तो बढी मगर रासायनिक उरवरक तथा अन्य उत्पादों के अन्धाधुन्ध प्रयोग से मिटटी की उत्पादकता भी कम होती गयी।

यूरोप, अमरीका व एशिया में सन् 1940-50 के दकों में जैविक खेती और प्राकृतिक खेती की प्रक्रियाओं पर बहुत प्रयोग किये गये। खेती कि ये विधायें भारत में सन 1980 के दशक से आगे बढी हैं। जैविक खेती की पद्धति में रासायनिक पध्दाथों का प्रयोग वर्जित है। प्राकृतिक खेती में केवल प्राकृतिक प्रक्रियाओं व संसाधनों का ही प्रयोग होता है। आधुनिक खेती या रासायनिक खेती प्रकृति के खिलाफ है। रासायनिक खादों व कीटनाशकों से हमारे खेतों की मिट्टी की उर्वरता खत्म हो रही है। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीवाणु और जैव तत्त्व मर रहे हैं और वह बंजर हो जाती है। कुदरती खेती प्रकृति के साथ होती है। यद्यपि प्राकृतिक खेती की शुरूआत जापान के कृषि वैज्ञानिक फुकुओवा ने की है लेकिन हमारे यहां भी ऐसी खेती होती रही है। मंडला के बैगा आदिवासी बिना जुताई की खेती करते हैं जिसे झूम खेती कहते हैं।

भारत के मध्य प्रदेश राज्य के होशंगाबाद ज़िले के एक फार्म मे लगभग पिछले 25 वर्षों से प्राक्रतिक खेती, जिसे कुदरती खेती भी कहते है, हो रही है। करीब 12 एकड़ के इस फार्म में सिर्फ 1 एकड़ में खेती की जा रही है। यहां बिना जुताई (नो टिलिग) और रासायनिक खाद के खेती की जा रही है। बीजों को मिट्टी की गोली बनाकर बिखेर दिया जाता है और वे उग आते हैं। यह सिर्फ खेती की एक पद्धति भर नहीं है बल्कि जीवनशैली है। यहां का अनाज, फल पानी और हवा शुध्द है। यहा कुआं है, जिसमें पर्याप्त पानी है। बिना जुताई के खेती मुश्किल है, ऐसा लगना स्वाभाविक है। पहली बार सुनने पर विश्?वास नहीं होता लेकिन देखने के बाद सभी शंकाएं निर्मूल हो जाती हैं। दरअसल, इस पर्यावरणीय पद्धति में मिट्टी की उर्वरता उत्तारोतर बढ़ती जाती है।

बाकी के 11 एकड़ में सुबबूल (आस्टेलियन अगेसिया) का जंगल है। सुबबूल एक चारे की प्रजाति है। इस जंगल से मवेशियों का चारा और लकड़ियां मिल जाती हैं। लकड़ियों की टाल है, जहां से जलाऊ लकड़ी बिकती हैं, जो फार्म की आय का मुख्य स्त्रोत है। एक एकड़ जंगल से हर वर्ष करीब ढाई लाख रूपये की लकड़ी बेच लेते हैं।

गेहूं के खेतों में हवा के साथ गेहूं के हरे पौधे लहलहाते हैं। खेत में फलदार और अन्य जंगली पेड़ हैं जिनके नीचे गेहूं की फसल होती है। आम तौर पर खेतों में पेड़ नहीं होते हैं लेकिन यहां अमरूद, नीबू और बबूल के पेड़ हैं जिन के कारण खेतों में गहराई तक जड़ों का जाल बुना रहता है। इससे भी जमीन ताकतवर बनती जाती है। अनाज और फसलों के पौधे पेड़ों की छाया तले अच्छे होते हैं। छाया का असर जमीन के उपजाऊ होने पर निर्भर करता है। चूंकि यहां जमीन की उर्वरता अधिक है, इसलिए पेड़ों की छाया का फसल पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता।

इन खेतों में पुआल, नरवाई, चारा, तिनका व छोटी-छोटी टहनियों को पड़ा रहने देते हैं, जो सड़कर जैव खाद बनाती हैं। खेत में तमाम छोटी-बड़ी वनस्पतियों के साथ जैव विविधताएं आती -जाती रहती हैं। और हर मौसम में जमीन ताकतवर होती जाती है। इस जमीन में पौधे भी स्वस्थ और ताकतवर होते हैं जिन्हें जल्द बीमारी नहीं घेरती।

यहां जमीन को हमेशा ढककर रखा जाता है। यह ढकाव हरा या सूखा किसी भी तरह से हो, इससे फर्क नहीं पड़ता। इस ढकाव के नीचे अनगिनत जीवाणु, केंचुए और कीड़े-मकोड़े रहते हैं और उनके ऊपर-नीचे आते-जाते रहने से जमीन पोली और हवादार व उपजाऊ बनती है।

आमतौर पर किसान अपने खेतों से अतिरिक्त पानी को नालियों से बाहर निकाल देते हैं लेकिन यहां ऐसा नहीं किया जाता। बारिश में कितना ही पानी गिरे, वह खेत के बाहर नहीं जाता। खेतों में जो खरपतवार, ग्रीन कवर या पेड़ होते हैं, वे पानी को सोखते हैं। इससे एक ओर खेतों में नमी बनी रहती है, दूसरी ओर वह पानी वाश?पीकृत होकर बादल बनता है और बारिश में पुन् बरसता है। इसके विपरीत, जब जमीन की जुताई की जाती है और उसमें पानी दिया जाता है तो खेत में कीचड़ हो जाती है। बारिश होती है तो पानी नीचे नहीं जा पाता और तेजी से बहता है। पानी के साथ खेत की उपजाऊ मिट्टी बह जाती है। इस तरह हम मिट्टी की उपजाऊ परत को बर्बाद कर रहे हैं और भूजल का पुनर्भरण भी नहीं कर पा रहे हैं। साल दर साल भूजल नीचे चला जा रहा है।

यहां खेती भोजन की जरूरत के हिसाब से होती हैं, बाजार के हिसाब से नहीं। जरूरत एक एकड़ से ही पूरी हो जाती है। यहां से अनाज, फल और सब्जियां मिलती हैं, जो परिवार की जरूरत पूरी कर देती हैं। जाड़े मे गेहूं, गर्मी में मक्का व मूंग और बारिश में धान की फसल ली जाती है। कुदरती खेती में भूख मिटाने के साथ समस्त जीव-जगत के पालन का विचार है। इससे मिट्टी-पानी का संरक्षण होता हैं। इसे ऋषि खेती भी कहते हैं क्योंकि ऋषि मुनि कंद-मूल, फल और दूध को भोजन के रूप में ग्रहण करते थे, बहुत कम जमीन पर मोटे अनाजों को उपजाते थे। वे धरती को अपनी मां के समान मानते थे, उससे उतना ही लेते थे जितनी जरूरत थी। अत~ कुदरती खेती का यह प्रयोग सराहनीय होने के साथ-साथ अनुकरणीय भी है।

भारत/अफगानिस्तान : अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे में राहुल, जायसवाल और राणा पर रहेगी नजर

चेन्नई (एजेंसी)। पहले दो मैच में धमाकेदार जीत से उत्साहित भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में क्लीन स्वीप करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी जिसमें केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन पर नजर रहेगी। राहुल की वनडे टीम में जगह को लेकर कभी कोई संदेह नहीं रहा है, लेकिन जायसवाल शीर्ष क्रम में कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए अपनी जगह पक्की करने के लिए बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

जायसवाल ने 2025 के बाद वनडे टीम में वापसी की है लेकिन वह लखनऊ में अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे मैच में केवल चार रन ही बना पाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने इससे पहले जो आखिरी वनडे खेला था उसने उन्होंने विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 116 रन बनाए थे, लेकिन उसके बाद स्थिति काफी बदल गई है और अब ईशान किशन की वापसी ने शीर्ष क्रम में एक और दावेदार को जोड़ दिया है। किशन ने लखनऊ में शतक लगाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

कप्तान शुभमन गिल ने जायसवाल को जगह देने के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की और शतक जड़ा। लेकिन जब विराट कोहली मांसपेशियों में खिंचाव से उबरने के बाद वापसी करेंगे तो उनका तीसरे नंबर पर खेलना पक्का है। इससे गिल के पास रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। किशन और श्रेयस अय्यर क्रमशः चौथे और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में जायसवाल को सीमित अवसरों का पूरा फायदा उठाना होगा।

जायसवाल के लिए इस मैच में बड़ा स्कोर बनाना बेहद जरूरी है क्योंकि इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की वनडे टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति एक और असफलता को शायद ही बर्दाश्त करेगी। अगर चयनकर्ता सूर्यकुमार यादव को टी20 विश्व कप में टीम को जीत दिलाने के बावजूद टीम से बाहर कर सकते हैं तो अन्य खिलाड़ियों को भी नहीं बख्शा जा सकता है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि जायसवाल की वनडे में किस्मत उनके हाथ में ही है।

राहुल का मामला बिल्कुल अलग है। लंबे अंतराल के बाद भारतीय टीम में अय्यर की वापसी का मतलब है कि 34 वर्षीय राहुल को अब अधिकतर मौकों पर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करनी होगी। राहुल लंबे समय तक पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे और उन्होंने इस पोजीशन पर अच्छा प्रदर्शन भी किया है। उन्होंने पांचवें नंबर पर खेलते हुए 38 मैचों में 63.2 के औसत से 1517 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। इसके विपरीत छठे नंबर पर उन्होंने 15 मैचों में 41.5 की औसत से 332 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है।

BCCI ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) में रिहैबिलिटेशन पूरा करने के बाद इस मैच के लिए हर्षित राणा को टीम में शामिल किया है। यह तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जगह ले सकता है, जिन्होंने इस श्रृंखला में अभी तक दोनों मैच खेले हैं। इससे भारत को चोटिल नीतीश कुमार रेड्डी की अनुपस्थिति में निचले क्रम में एक उपयोगी बल्लेबाज का विकल्प भी मिलेगा।

इससे टीम प्रबंधन को ब्रिटेन के दौरे से पहले उनकी फॉर्म और फिटनेस का आकलन करने का मौका मिलेगा। जहां तक अफगानिस्तान का सवाल है तो उसने इस

श्रृंखला में एकमात्र टेस्ट मैच और पहले दो वनडे में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। उसकी टीम हालांकि जीत के साथ श्रृंखला का समापन करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। इसके लिए उसे खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार हैं

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बराड़, हर्ष दुबे, यशस्वी जायसवाल, हर्षित राणा।

अफगानिस्तान : हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, रहमत शाह, इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), मोहम्मद नबी, अजमतुल्लाह उमरजई, राशिद खान, नांग्याल खारोताई, एएम गजनफर, जिया उर रहमान शरीफी, फरीद मलिक, बिलाल सामी।

ब्रॉड ने अपनी सर्वकालिक टेस्ट एकादश में भारत से केवल विराट को शामिल किया

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने अपने समय के खिलाड़ियों की सर्वकालिक टेस्ट एकादश का चयन किया है। इस टीम में उन्होंने कई बड़े दिग्गजों को शामिल किया है पर इसमें भारत से केवल विराट कोहली को ही शामिल किया गया है। ब्रॉड की इस टीम में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के चार-चार खिलाड़ी शामिल हैं, वहीं दो श्रीलंकाई खिलाड़ी भी इस सूची का हिस्सा हैं।

ब्रॉड ने अपनी टीम में श्रीलंका के कुमार संगकारा और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ को भी शामिल किया है। संगकारा को ब्रॉड ने उन्हें अपनी टीम में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके अलाव ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को नंबर तीन पर और विराट कोहली को नंबर चार पर रखा गया है। कोहली का चयन इस एकादश में शामिल होने वाले एकमात्र भारतीय के रूप में अहम है, जो उनकी विश्वस्तरीय बल्लेबाजी दिखाता है।

इस एकादश में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को जगह नहीं मिली है जबकि ब्राड ने अपने खेल के अंतिम दिनों में उनके खिलाफ गेंदबाजी भी की थी। वहीं मध्य क्रम में ऑस्ट्रेलिया के स्टीवन स्मिथ को नंबर पांच पर चुना गया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज जैक्स कैलिस को नंबर छह पर शामिल किया गया है। कैलिस इस टीम के एकमात्र ऑलराउंडर हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स को नंबर सात पर रखा गया है। डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से टीम को मजबूती देते हैं और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त विकेटकीपिंग कवर भी प्रदान करते हैं।

दूसरी ओर गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन को इसकी कमान सौंपी गयी है। उनका साथ दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन देंगे। स्टेन जो अपनी पीढ़ी के सबसे खतरनाक गेंदबाजों में से एक रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई बाएं हाथ के गेंदबाज मिचेल स्टार्क को भी टीम में जगह मिली है। श्रीलंका के स्पिन जादूगर मुथैया मुरलीधरन को टीम का अकेला विशेषज्ञ स्पिनर रखा गया है। मुरलीधरन टेस्ट क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हुए हैं।

ब्रॉड की सर्वकालिक टेस्ट एकादश इस प्रकार है:

ग्रीम स्मिथ, कुमार संगकारा (विकेट कीपर), रिकी पोंटिंग, विराट कोहली, स्टीवन स्मिथ, जैक्स कैलिस, एबी डिविलियर्स, मिशेल जॉनसन, डेल स्टेन, मुथैया मुरलीधरन, मिशेल स्टार्क।

महिला टी20 विश्व कप 2026 : वेस्टइंडीज ने रोमांचक मुकाबले में स्कॉटलैंड को सात रनों से हराया

लंदन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के 12वें मुकाबले में स्कॉटलैंड को सात रनों से हरा दिया। इस रोमांचक मुकाबले में विजेता का फैसला 19वें ओवर में हुआ। स्कॉटलैंड टीम इस मैच में एक समय जीत के करीब थी पर अंत में इंडीज टीम ने बाजी पलट दी। वेस्टइंडीज की टीम इस जीत के साथ ही आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं स्कॉटलैंड तीसरे स्थान पर फिसल गयी है।

इस मैच में स्कॉटलैंड ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज की टीम ने 20 ओवरों में 6 विकेट पर 153 रन बनाये। उसकी पारी की शुरुआत बेहद खराब रही। एक समय आधी टीम 85 रनों पर ही सिमट गयी थी पर इसके बाद नंबर-7 पर उतरीं स्टेफनी टेलर ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए केवल 19 गेंदों में ही 4 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 47 रन बना दिये। इससे टीम 153 रनों तक पहुंच पाई। इसके बाद जीत के लिए मिले 154 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड की शुरुआत काफी अच्छी रही। पहले विकेट के लिए उन्होंने 51 रन बनाये पर इसके बाद जब विकेट गिरने शुरु हुए तो टीम ने 58 रनों पर ही 4 विकेट खो दिये। 74 के स्कोर पर आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। सलामी बल्लेबाज डार्सी कार्टर एक छोर पर डटी रहीं और उन्होंने 8 चौकों की सहायता से 59 रनों की अहम पारी खेली, जिससे स्कॉटलैंड की उम्मीदें बंधी रहीं और वह मैच में बनी हुई थी। अब आखिरी ओवर में स्कॉटलैंड को जीत के लिए 17 रन चाहिए थे और उनके पास 2 विकेट बचे थे। वेस्टइंडीज की कियाना जोसेफ ने 20वें ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए केवल 9 रन दिये और 2 विकेट लिए। इस प्रकार वेस्टइंडीज ने स्कॉटलैंड की पारी को अंतिम गेंद पर 146 रन पर समेट दिया और यह रोमांचक मुकाबला 7 रनों से जीत लिया।

आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारत की नजरें चिली को हराकर फाइनल में जगह बनाने पर

आकलैंड (एजेंसी)। टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन कर रही आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला हॉकी टीम निचली रैंकिंग वाली चिली के खिलाफ स्न्रद्धा नेशंस कप सेमीफाइनल में उसी लय को कायम रखना चाहेगी ताकि स्न्रद्धा प्रो लीग में वापसी की ओर अगला कदम रख सके। भारत ने पूल ए में तीनों मैच जीतकर शीर्ष पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

मेजबान न्यूजीलैंड पूल बी में सारे मैच जीतकर शीर्ष पर रहा और दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका से खेलेगा। भारतीय टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में वापसी के लिये नेशंस कप जीतना ही होगा जिससे वह पिछले साल बाहर हो गई थी। पिछले सत्र में 16 मैचों में सिर्फ दस अंक लेने के बाद भारत प्रो लीग में सबसे नीचे रहा और नेशंस कप में खिसक गया था। आठ देशों के एफआईएच नेशंस कप के विजेता को अगले सत्र में प्रो लीग में जगह मिलेगी।

मौजूदा रैंकिंग और फॉर्म को देखते हुए भारत का पलड़ा चिली पर भारी है। विश्व रैंकिंग में भारत नौवे और चिली 13वें स्थान पर है लेकिन आधुनिक हॉकी में रैंकिंग उतना मायने नहीं रखती। सेमीफाइनल से पहले मुख्य कोच शोर्ड मारिन को कुछ पहलुओं पर काम करना होगा। 17वीं रैंकिंग वाली उरूग्वे को हराने के लिये भारत को काफी मशक्कत करनी पड़ी। उरूग्वे ने बढत बना ली थी लेकिन दीपिका ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए और दीपिका सोरेंग ने फील्ड गोल

करके भारत को जीत दिलाई।

ड्रैग फ्लिकर दीपिका शानदार फॉर्म में है और चार गोल कर चुकी है। नवनीत कौर, कप्तान सलीमा टेटे और लालरेम्सियामी भी एक एक गोल कर चुके हैं । भारत के लिये एकमात्र फील्ड गोल दीपिका सोरेंग ने किया है। भारत को अगले मैचों में और फील्ड गोल करने होंगे । इसके लिये फॉरवर्ड पंक्ति को मौके बनाकर फिनिशिंग तक ले जाना होगा।

टी20 में शतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने डु प्लेसी

टेक्सास । टेक्सास सुपर किंग्स टीम के कप्तान फाफ डु प्लेसी ने शुरु हुई में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) 2026 के पहले ही मैच में शानदार शतक लगाकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। 41 साल के डु प्लेसी अब टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक उम्र में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। डु प्लेसी ने ये शतक सिएटल ऑर्कास के खिलाफ लगाया था। इस मैच में डु प्लेसी की टीम 221 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा कर रही थी। डु प्लेसी ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 113 रन बनाये। इससे उनकी टीम नौ गेंदें शेष रहते हुए जीत दर्ज करने में सफल रही। इस शानदार पारी के साथ ही वह टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। डु प्लेसी की उम्र अभी 41 साल और 340 दिन है।

वेस्टइंडीज से हार के बाद रोने लगी स्कॉटलैंड की डिरसी कार्टर

लंदन । स्कॉटलैंड को यहां हुए आईसीसी महिला टी20 विश्वकप के एक रोमांचक मुकाबले में वेस्टइंडीज के खिलाफ 7 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इसमें 154 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड की टीम अंतिम दो ओवरों में खराब प्रदर्शन के कारण हार गयी। जीत के करीब पहुंचकर मिली हार से स्कॉटलैंड की टीम की एक खिलाड़ी डिरसी कार्टर डगआउट में ही रोने लगी। कार्टर रोने वाला वीडियो ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। कार्टर ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए 59 रनों की पारी खेली थी पर वह 19वें ओवर की पहली गेंद पर आउट हुईं थी। अगर वह खेलती तो टीम शायद जीत जाती। 19वें ओवर की पहली गेंद पर डार्सी कार्टर आउट हुईं तो स्कॉटलैंड की उम्मीदें टूट गयीं।

कनाडा और मेक्सिको फीफा विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचे

वैंकूवर/ एस्टाडियो ग्वाडालाजारा (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 के आज खेले गये मुकाबलों में सह-मेजबान मैक्सिको और कनाडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ी जीत हासिल कर टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में जगह बना ली है। जोनाथन डेविड की हैट्रिक की बदौलत कनाडा ने फीफा विश्वकप 2026 के ग्रुप चरण में कतर पर 6-0 से ऐतिहासिक जीत दर्ज करते टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया।

मैच का शुरुआती गोल 16वें मिनट में रिबाउंड पर साइल लारिन ने किया और अपनी टीम को बढ़त दिलाई। यह टूर्नामेंट में उनका दूसरा गोल था। कतर के गोलकीपर महमूद अबुनादा ने डेविड के वॉली शॉट को पंच करके रोक दिया, लेकिन गेंद लारिन के पास गिरी, जिसे उन्होंने गोल में डाल दिया। इसके बाद डेविड ने 29वें मिनट में दाएं पैर से शानदार वॉली मारकर

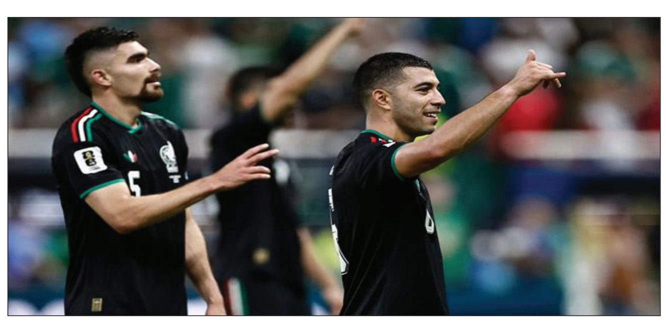

बढ़त को दोगुना कर दिया।

पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में कनाडा ने 3-0 की बढ़त बना ली, जब डेविड ने 48वें मिनट में क्रॉसबार से टकराकर आई गेंद पर गोल दाग दिया। चोटिल कोने के स्थान पर आए नाथन सलीबा ने 64वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके स्कोर 4-0 कर दिया। 75वें मिनट में मोहम्मद मनाई ने अपने गोलकीपर को चकमा देते हुए शॉट को आत्मघाती गोल में बदल दिया। डेविड ने स्टॉपेज टाइम में हैट्रिक पूरी की और इस विश्व कप में एक मैच में तीन गोल करने वाले अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के साथ शामिल हो गए।

इस जीत के साथ कनाडा के अंक बढ़कर चार हो गए हैं और वह गोल अंतर के आधार पर स्विट्जरलैंड से आगे है । इस जीत के साथ ही कनाडा का नॉकआउट चरण में स्थान सुनिश्चित कर लिया है। बुधवार को वैंकूवर में स्विट्जरलैंड के खिलाफ होने वाले अपने अंतिम ग्रुप मैच में कनाडा की टीम का दबदबा रहेगा। एक अन्य मैच में मेक्सिको ने दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के राउंड-ऑफ-32 में अपनी जगह पक्की कर ली है। आज यहां खेले गये ग्रुए ए के मुकाबले के शुरुआती चरणों में मेक्सिको का दबदबा रहा, लेकिन बाद में दक्षिण कोरिया ने गेंद को नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया और हाफ टाइम की सीटी बजने तक उसका दबदबा रहा। लेकिन कोरियाई गोलकीपर किम सेउंग-गिम की एक बड़ी गलती का फायदा उठाते हुए मेक्सिको के लुइस रोमो ने मैच के दोबारा शुरू होने के तुरंत बाद एकमात्र गोल दाग दिया। इसी जीत के साथ मेक्सिको अपने में दो मैचों में छह अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गया है।

एफआईएच प्रो लीग में जर्मनी के हाथों अंतिम क्षणों में 2–1 से हारी भारतीय हॉकी टीम

रॉटरडैम । भारतीय पुरुष हॉकी टीम को यहां हुए एफआईएच प्रो लीग 2025–26 के एक रोमांचक मुकाबले में 1–2 से हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम मैच में अधिकांश समय हावी रही पर अंतिम क्षणों में जर्मनी को एक गोल दागने के करण जीत मिल गयी। भारतीय टीम को मैच के 38वें मिनट में जुगराज सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग–फ्लिक के जरिए गोल कर 1–0 की बढ़त दिलाई। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत से ही हमले शुरु कर दिये थे। जिससे जर्मनी दबाव में आ गयी। वहीं भारतीय रक्षापंक्त ने जर्मन के जवाबी हमलों को नाकाम कर दिया। दूसरे क्वार्टर में, भारतीय टीम ने अपनी तेजी और बढ़ा दी हालांकि वह अवसरों को गोल में नहीं बदल पायी। तीसरे क्वार्टर के अंत तक, भारतीय टीम ने अपनी बढ़त बनाए रखी। जर्मनी को इस दौरान कुछ पेनल्टी कॉर्नर भी मिले, लेकिन भारतीय गोलकीपर ने उन्हें विफल कर दिया। इससे मैच में भारतीय टीम की 1–0 की बढ़त बरकरार रही। वहीं चौथे और अंतिम क्वार्टर में भारतीय टीम ने कई हमले किये जिससे उसे बढ़त को दोगुना करने के अवसर मिले। पर टीम इसका लाभ नहीं उठा पायी। वहीं जस्टस वीगैंड ने जर्मनी की ओर से पहला गोल कर मुकाबला 1–1 से बराबर कर दिया। खेल के अंतिम पलों में मैच ड्रॉ होता दिख रहा था तभी जर्मनी को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। इसका जिसे गोल में बदलन में जैकब ब्रिला ने कोई गलती नहीं की। इस प्रकार 60वें मिनट में किये इस निर्णायक गोल से जर्मनी की 2–1 से जीत तय हो गयी। अब भारतीय टीम अपने अगले मुकाबले में रविवार को मेजबान नीदरलैंड्स का सामना करेगी।

फीफा विश्वकप: रोनाल्डो का साथ नहीं दे रहा फुटबॉल

स्पोर्ट्स डेस्क। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए सबसे बुरा एहसास यह नहीं था कि उन्होंने उस टीम के खिलाफ गोल नहीं किया जिसने उनके जन्म से पहले आखिरी बार वर्ल्ड कप खेला था; या यह कि उनके दो प्रयास कमजोर और दिशाहीन थे; या यह कि वे टीम पर बोझ लग रहे थे। असल में फुटबॉल का उनसे प्यार खत्म होता नजर आ रहा है, गेंद उनसे दूर भाग रही है, नजरों से बच रही है और बिना कोई प्रतिक्रिया दिए वापस लौट जाती थी।

बुधवार को ह्यूस्टन में पुर्तगाल का मैच छ्क्र कांगो के साथ 1-1 से ड्रॉ रहा जिसका नतीजा रोनाल्डो के खराब प्रदर्शन जैसा ही फीका था। 41 साल की उम्र में जब टीम में कई बेहतरीन अटैकिंग खिलाड़ी हों, तो हर खराब प्रदर्शन पर सवाल उठते हैं। हर खराब दिन के साथ, ऐसा लगता है कि वे अपने करियर के अंत के करीब पहुंच रहे हैं। उम्र और कम होती फुर्ती के बावजूद रोनाल्डो में अभी भी गेंद को सही जगह हिट करने और उसे अपनी मर्जी से कहीं भी ले जाने की काबिलियत है। लेकिन कांगो के खिलाफ, वे ऐसा नहीं कर पाए।

68वें मिनट में फ्रांसिस्को कॉन्सेकाओ ने रोनाल्डो की तरफ एक 'कट-बैक' पास दिया, जो उनसे थोड़ा पीछे था। हो सकता है कि यह उनकी पसंद की जगह से एक गज दूर रहा हो, लेकिन अपने बेहतरीन दिनों में वे अपने शरीर को सही ढंग से मोड़कर सबसे अच्छी पोजीशन बना लेते थे। अगर ऐसा नहीं भी होता, तो भी वे हमेशा अपने शानदार बूट से गेंद को सही जगह मार देते थे। यहां, उन्होंने शॉट मारा जो 'नियर पोस्ट' से काफी दूर चला गया। उन्होंने गुस्से में मुंह बनाया, यह सोचते हुए कि उनका 'टच' (गेंद पर नियंत्रण) कैसे उनका साथ छोड़ गया।

सबसे बुरी बात यह नहीं थी कि उनका प्रयास खराब था, बल्कि यह थी कि उन्होंने ब्रूनो फर्नांडीस के पैरों के पास से गेंद छीन ली थी। मैनचेस्टर यूनाइटेड का मिडफील्डर उनके बगल में था, जिसके पास ज्यादा जगह और बेहतर एंगल था। लेकिन रोनाल्डो की फितरत गोल करने में मदद करने की नहीं, बल्कि खुद गोल करने की है। जब 'टच' साथ छोड़ देता है, तो सहज समझ (instincts) भी धोखा दे जाती है। यह पहली बार नहीं था जब उन्होंने फर्नांडीस की जगह में दखल दिया हो।

कोचिंग स्टाफ को इस लगातार हो रही गड़बड़ी का समाधान ढूंढना होगा। छह मिनट बाद उनके खेल में आती गिरावट का एक और पक्का सबूत मिला। कॉन्सेकाओ ने एक और बेहतर कट-बैक दिया, लेकिन रोनाल्डो ने उसे गलत तरीके से मारा और गेंद दूर चली गई। शॉट जल्दबाजी में और बिना ताकत के था, शायद एक्सल तुआनज़ेबे के चैलेंज की वजह से ऐसा हुआ। लेकिन ये ऐसे पल थे जिन्होंने उन्हें शायद ही कभी परेशान किया हो। वे पैरों के बीच से भी गोल कर सकते थे, शर्ट खींचने वालों और चालाकी से गेंद छीनने वालों से बेपरवाह होकर, उन्हें ताकत और चतुराई से पछाड़ देते थे। यहां, वे परेशान थे, शक से घिरे हुए थे।

विरोधाभास

एक अजीब विरोधाभास है। एक ऐसा व्यक्ति जिसका करियर अटूट आत्मविश्वास पर बना था, अब खुद पर ही शक करने लगा है। शायद यही उनकी परेशानी की जड़ है - खुद पर इतना पक्का भरोसा कि वे अपनी कमजोर होती काबिलियत की सच्चाई को देख ही नहीं पा रहे हैं। रोनाल्डो अब वो नहीं रहे जो वे खुद को समझते हैं।

वे अभी भी अद्भुत रूप से फिट हैं, और उनमें वर्ल्ड चैंपियन बनने का जबरदस्त जुनून है - एक ऐसा खिताब जो उन्होंने कभी नहीं जीता। लेकिन वे उस महान खिलाड़ी का मजाक बना रहे हैं जो वे कभी हुआ करते थे। वे एक हेवी मेटल बैंड के बूढ़े लीड सिंगर की तरह हैं जो अपने अतीत की भारी-भरकम शान में जी रहे हैं और उन्हें पता ही नहीं कि उनकी आवाज अब लड़खड़ा रही है।

जब वे गोल नहीं कर पाते, तो वे टीम के लिए बोझ बन जाते हैं - वे न तो क्रिएटिव काम में शामिल होते हैं और न ही डिफेंस में, उनका प्रभाव का दायरा सीमित हो जाता है। कुछ आंकड़े उनके खराब खेल को दिखाते हैं। उन्होंने 90 मिनट में सिर्फ 20 पास दिए, जो खेल में तेरहवें नंबर पर थे। डिफेंस में उनका योगदान सिर्फ एक था। आगे बढ़ने वाले एक्शन सिर्फ दो थे। वे कभी-कभी लिंक-अप प्ले के लिए पीछे आते थे लेकिन अपने साथियों की रफ्तार का मुकाबला नहीं कर पाते थे। उनकी सुस्ती पूरी टीम की रफ्तार धीमी कर रही है, जिसमें बेहतरीन अटैकर और मिडफील्ड कंडक्टर शामिल हैं।

इसके अलावा, वे कांगो की हाई लाइन के आगे घात लगाकर बैठे रहते थे, फिर अंदर आकर गेंद लेने के लिए पीछे हटते थे, और लाइन के पीछे खेले जाने वाले क्रॉस का इंतजार करते थे। उनके

साथियों ने बहुत कोशिश की, लेकिन कोई भी उनके साथ तालमेल नहीं बिठा पाया। वे फेरारी के बीच फंसी एक पुरानी मॉरिस माइनर कार की तरह थे।

मेसी से तुलना

लियोनेल मेसी से तुलना तो होगी ही। मेसी रोनाल्डो से धीमे हैं, लेकिन वे ज़्यादा मौके बनाते हैं; उनकी जगह की समझ (स्पेशल अवेयरनेस) बेहतर है, उनके पास (गेंद दूसरे को देना) डिफेंस को भेदने वाले होते हैं, और जब उनके पैरों में ज़्यादा जान नहीं बचती, तब भी उनकी चाल-ढाल डिफेंडरों को अपनी जगह से हटने पर मजबूर कर देती है। मेसी के आस-पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो उम्र के साथ आई कमियों की भरपाई कर देते हैं। रोनाल्डो के आस-पास बेहतरीन टेक्नीशियन हैं, लेकिन वे उन चीजों की भरपाई नहीं कर सकते जो रोनाल्डो अब नहीं दे पाते। यही पुर्तगाल की बड़ी उलझन है। बेशक, रोनाल्डो अकेले ऐसे पुर्तगाली फुटबॉलर नहीं थे जिनका दिन बहुत खराब रहा, लेकिन टीम की मुश्किलों में उनकी भूमिका अहम थी।

पुर्तगाल के लिए खिताब की मजबूत दावेदारी पेश करने के लिए रोनाल्डो वाली पहेली को सुलझाना होगा। कड़े फैसले लेने होंगे कि उन्हें सब्स्टीट्यूट के तौर पर इस्तेमाल किया जाए या बुधवार को रॉबर्टो मार्टिनेज ने जितनी देर से उन्हें बदला था, उससे पहले ही बदल दिया जाए। मैनेजर ने उनका बचाव किया, जैसा कि वे अपने कार्यकाल के दौरान हमेशा करते आए हैं। उन्होंने कहा, 'हम क्रिस्टियानो के साथ उनकी उम्र के हिसाब से नहीं, बल्कि उनके लक्षणों और उन्हें कैसा महसूस हो रहा है, उसके हिसाब से व्यवहार करते हैं।' हालाँकि, असल स्थिति कुछ और ही कहती है। ऐसा लगता है जैसे फुटबॉल का उनसे मोहभंग हो गया है। फुटबॉल के ऐसा करने से पहले ही पुर्तगाल को इसका कोई समाधान ढूंढ लेना चाहिए।

डब्ल्यूटीसी में 6,500 रन पूरे करने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बने रुट

लंदन । इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां दूसरे किकेट टेस्ट क्रिकेट में अपनी 46 रनों की पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया। रुट अपनी इस पारी के साथ ही आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) इतिहास में 6,500 रन पूरे करने वाले विश्व के पहले और एकमात्र बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पता चलता है कि टेस्ट में रुट के प्रदर्शन में कितनी निरंतरता है। उनकी करीब कोई भी अन्य बल्लेबाज नहीं है। दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के नाम 4,564 रन हैं। रूट ने अपने 76वें डब्ल्यूटीसी मैच की 139वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की है। गौरतलब है कि डब्ल्यूटीसी इतिहास में उनके नाम सबसे अधिक 23 शतक दर्ज हैं, जबकि दूसरे नंबर पर मौजूद स्टीव स्मिथ के नाम 14 शतक हैं। रूट ने इस दौरान 51 से अधिक की शानदार औसत से रन बनाए हैं, जिसमें 22 अर्धशतक और 262 रन का अधिकत स्कोर भी शामिल है। रूट मौजूदा डब्ल्यूटीसी साइकल (चैंपियनशिप चक्र) में भी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनकर उभरे हैं। उन्होंने इस मामले में भारतीय कप्तान शुभमन गिल को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने महज 8 मैचों में 79.16 की बेमिसाल औसत से 950 रन बनाए हैं। इस चक्र में रूट और गिल दोनों के नाम संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा 5–5 शतक दर्ज हैं। रुट की निरंतरता जबरदसत है। वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के पहले सीजन से ही जमकर रन बना रहे हैं। 2023–25 चक्र में 22 टेस्ट मैचों में 54.66 की औसत से 1,968 रन बनाकर वह शीर्ष स्कोरर रहे थे।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (शनिवार)
20 जून 2026

टीवी इंडस्ट्री में सफलता रातोंरात नहीं मिलती

टीवी इंडस्ट्री की चमक-दमक के पीछे की सच्चाई को लेकर अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने अपने विचार रखे। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस इंडस्ट्री में टिके रहना आसान नहीं है, इसके लिए धैर्य, मेहनत और लगातार सुधार की जरूरत होती है। अद्रिजा रॉय ने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में काम की गति बहुत तेज होती है। कई बार ऐसा होता है कि आज किसी एपिसोड की शूटिंग होती है और वह अगले ही दिन या बहुत कम समय में टीवी पर प्रसारित हो जाता है। इस तेज रफ्तार में कलाकारों को हर समय तैयार रहना पड़ता है और अपने किरदार को पूरी एनर्जी के साथ निभाना होता है। हर कॉल टाइम पर, हर शूटिंग शेड्यूल में बहुत बड़ी प्रोडक्शन टीम काम करती है, और कलाकार को इन सबके बीच संतुलन बनाए रखना होता है। ऐसे माहौल में शांत और फोकस्ड रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी में किया गया काम कई बार असर को कम कर सकता है।'' उन्होंने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में सफलता तुरंत नहीं मिलती। कई लोग सोचते हैं कि एक अच्छा सीन या एक अच्छा प्रदर्शन उन्हें रातोंरात पहचान दिला देगा, लेकिन वास्तविकता अलग है। टीवी में नाम कमाने के लिए लगातार समय देना पड़ता है। एक-दो अच्छे सीन से लोकप्रियता मिल सकती है, लेकिन स्थायी सफलता की चाबी को लगातार मेहनत और धैर्य ही है। सोशल मीडिया पर भले ही कोई कलाकार जल्दी वायरल हो जाए, लेकिन टीवी इंडस्ट्री में पहचान धीरे-धीरे बनती है और समय के साथ मजबूत होती है।''
अद्रिजा रॉय ने लोकप्रियता और सफलता के बीच फर्क को समझाते हुए कहा, ''लोकप्रियता अक्सर अस्थायी होती है, जो किसी वायरल सीन, चर्चा या सोशल मीडिया ट्रेंड से जल्दी मिल सकती है।

यहां तक पहुंचने के लिए मैंने जिंदगी भर मेहनत की

अभिनेत्री और बेहतरीन डांसर नोरा फतेही ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। उनका परफॉर्मेंस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हर कोई इसकी तारीफ कर रहा है। हाल ही में उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस के बारे में बात की और शकीरा, बर्ना बॉय, केटी पेरी जैसे बड़े स्टार्स के साथ लाइन-अप का हिस्सा बनने पर भी चर्चा की।

सीर-सीर सुनकर हैरान हुई नोरा

ओपनिंग सेरेमनी में अपने गाने 'सीर सीर' पर परफॉर्म करने के बारे में बात करते हुए नोरा ने बताया, 'इस अनुभव ने निश्चित रूप से एक आर्टिस्ट के तौर पर मुझे बेहतर बनाया है। यह एक सफर बेहतरीन रहा। जब मैं जनवरी में मोरक्को में स्र्ष्ह्ह मैच देख रही थी, तो मैंने हर गेम के दौरान स्टेडियम में लगभग 70,000 फैंस को 'सीर सीर' के नारे लगाते सुना और मैं हैरान रह गई। उस एनर्जी ने मुझे प्रोड्यूसर संजॉय से संपर्क करने और उनसे इस नारे का इस्तेमाल करके वर्ल्ड कप एंथम बनाने के लिए कहने के लिए प्रेरित किया।'

नोरा ने की पूरी जिंदगी मेहनत

इसके अलावा, दूसरे इंटरनेशनल स्टार्स के साथ लाइन-अप में शामिल होने के बारे में बात करते हुए बॉलीवुड एक्ट्रेस ने कहा, 'इतने बड़े मेनस्ट्रीम लाइन-अप का हिस्सा बनना बहुत रोमांचक रहा है! मैं टोरंटो में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया, जबकि शकीरा और बर्ना बॉय ने मैक्सिको में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। मैंने इस लेवल तक पहुंचने और ऐसे स्टार्स के साथ मौके शेयर करने के लिए पूरी जिंदगी मेहनत की है।'

संगीत कितना ताकतवर है?

उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे प्लेटफॉर्म का हिस्सा बनना जो अलग-अलग कल्चर और स्टाइल को एक साथ लाता है, मुझे याद दिलाता है कि ग्लोबल कनेक्शन बनाने में संगीत कितना ताकतवर हो सकता है। चाहे शकीरा हों, बर्ना बॉय हों या कोई भी आर्टिस्ट जिसका विजन क्रिएटिव रूप से मेल खाता हो वह अच्छा कर सकते हैं। मुझे लगता है कि जादू तब होता है जब अलग-अलग दुनियाएं एक साथ आती हैं और कुछ ऐसा बनाती हैं जिसकी उम्मीद न हो।

'सीर सीर' को मिला अच्छा रिस्पॉन्स

आपको बता दें कि नोरा का गाना 'सीर सीर' कुछ दिन पहले रिलीज हुआ था और इसे बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। अब तक इस ट्रैक को यूट्यूब पर 43 मिलियन से ड्यादा बार देखा जा चुका है।

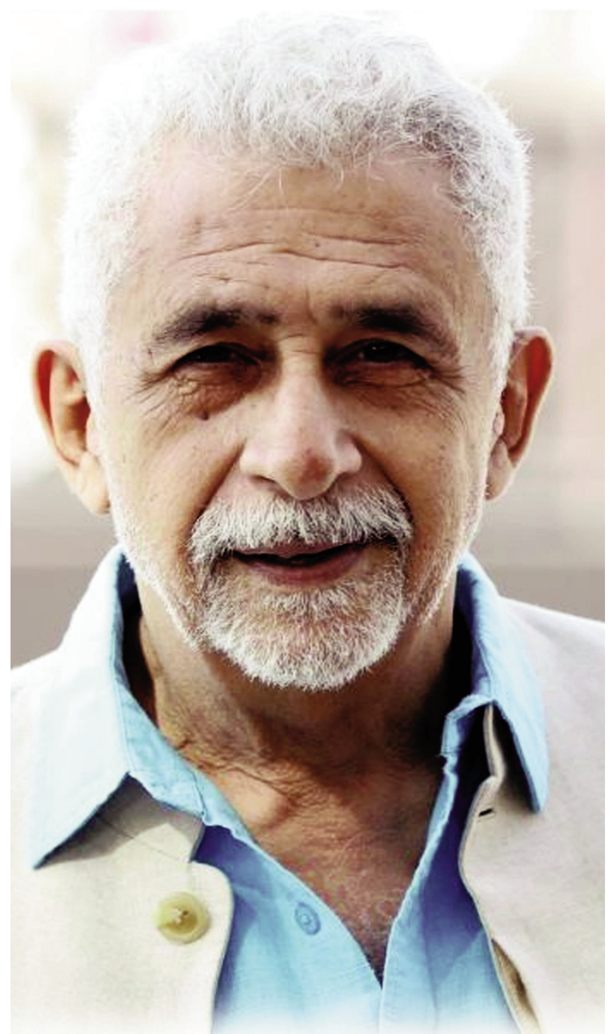

जेआरडी टाटा का किरदार निभाना सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि बड़ी जिम्मेदारी

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बायोपिक का चलन तेजी से बढ़ा है। ऐसी ही एक सीरीज 'मेड इन इंडिया: ए टाइटन स्टोरी' में भारत के जाने-माने उद्योगपति जेआरडी टाटा के जीवन को दिखाया गया है। इस सीरीज में अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने जेआरडी टाटा का किरदार निभाया है, जिसे दर्शकों और समीक्षकों से काफी सराहना मिल रही है। इस अनुभव को लेकर नसीरुद्दीन शाह ने बताया कि यह किरदार उनके लिए सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी भी थी। नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''जेआरडी टाटा एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिनकी सबसे बड़ी खासियत उनका संयम और सादगी थी। वह हमेशा बहुत शांत और संतुलित तरीके से रहते थे। यही बात मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है कि इतने बड़े उद्योगपति होने के बावजूद उन्होंने कभी अपने व्यक्तित्व को प्रचार का हिस्सा नहीं बनने दिया।'' अभिनेता ने आगे कहा, ''जेआरडी टाटा को समझना और उन्हें पर्दे पर निभाना मेरे लिए आसान काम नहीं था। अपने लंबे करियर में मैंने कई तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन यह भूमिका बेहद खास और जिम्मेदारी भरी थी, क्योंकि वह भारत के इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए इस भूमिका को निभाते समय मैंने काफी ध्यान और गंभीरता से काम किया।'' नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''मुझे खुशी है कि मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन पाया हूं। इसके लिए मुझे एक ऐसे इंसान को समझने का अवसर मिला, जिनकी सोच और व्यक्तित्व आज भी लोगों के लिए प्रेरणा हैं। ऐसे किरदार कलाकार को भीतर से बदल देते हैं, क्योंकि इसमें सिर्फ अभिनय नहीं बल्कि गहराई से समझने की जरूरत होती है।'' उन्होंने को-स्टार जिम सर्भ की तारीफ करते हुए कहा, ''उनकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे सामने वाले कलाकार को ध्यान से सुनते हैं। यह गुण बहुत कम कलाकारों में देखने को मिलता है, लेकिन अभिनय में यह बेहद जरूरी होता है। जब कोई अभिनेता अपने साथी कलाकार की बात और भाव को समझता है, तभी सीन अधिक प्रभावशाली बनता है।'' नसीरुद्दीन शाह ने आगे कहा, ''जिम सर्भ थिएटर से आते हैं और इसी वजह से उनकी अभिनय शैली में गहराई और गंभीरता दिखाई देती है। थिएटर का अनुभव कलाकार को अनुशासन और समझ देता है, जो कैमरे के सामने बहुत काम आता है। खासकर जब कहानी जटिल और भावनात्मक हो तो ऐसे कलाकार पूरी कहानी को जीवंत बना देते हैं।'' 'मेड इन इंडिया: ए टाइटन स्टोरी' सीरीज अमेजन एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है।

फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी के लिए राजकुमार राव ने फिल्म के लिए बढ़ाया वजन

मैडॉक फिल्म्स की एक और फिल्म का एलान हो गया है। राजकुमार राव इसमें लीड रोल में हैं। हम फिल्म 'प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की बात कर रहे हैं। दिनेश विजन ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी' इस साल अगस्त में रिलीज होगी। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने आज एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने लिखा है, 'दिनेश विजन और राजकुमार राव एक बार फिर साथ आ रहे हैं। फिल्म 'प्रहार - द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है। मैडॉक फिल्म की 'प्रहार' में राजकुमार राव के अलावा वामिका गब्बी, सिकंदर खेर और जयदीप अहलावत जैसे सितारे भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

स्मिता बंसल ने 'द पिरामिड स्कीम' को बताया अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू

'बालिका वधू' फेम अभिनेत्री स्मिता बंसल करियर में एक नया मुकाम हासिल कर बेहद उत्साहित हैं। टीवी इंडस्ट्री में सफल रहीं स्मिता टीवीएफ की हालिया रिलीज वेब सीरीज 'द पिरामिड स्कीम' से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर चुकी हैं। स्मिता ने इस प्रोजेक्ट को अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू बताया है। सीरीज में स्मिता बंसल प्रमिला सिंह के किरदार में नजर आईं।

यह सीरीज आम लोगों के मल्टी-लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम की दुनिया में फंसने की कहानी है। यह महत्वाकांक्षा, तेजी से सफलता पाने की चाहत और इसके लिए लोग जो फैसले लेते हैं, उन विषयों पर आधारित है। स्मिता बंसल ने बताया, ''द पिरामिड स्कीम' ने मुझे इसलिए आकर्षित किया क्योंकि इसमें टीवीएफ के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका मिला। मैं सालों से टीवीएफ से जुड़ी हूं और इसके काम देख रही हूं और उन्हें बहुत पसंद करती हूं। वे ऐसी कहानियां बनाते हैं जो लोगों से जुड़ती हैं और हर उम्र के दर्शकों को पसंद आती हैं।' स्मिता ने बताया कि सीरीज की कहानी ने भी तुरंत प्रभावित किया। इसकी सोच बिल्कुल नई और रोमांचक लगी। यह आज के समय के बहुत जरूरी मुद्दों पर बात करती है, जैसे महत्वाकांक्षा, जल्दी सफल होने की चाह और उसके लिए किए जाने वाले फैसले। शो का किरदार, लेखन और पूरा विजन एकदम नया लगा।' अभिनेत्री ने कहा कि एक एक्टर के रूप में वे हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हैं जो उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद करे। 'द पिरामिड स्कीम' में प्रमिला सिंह का रोल उन्हें ठीक वैसा ही मौका देता है। सीरीज श्रेयांश पांडे द्वारा बनाई गई है और 'द वायरल फीवर' (टीवीएफ) द्वारा प्रस्तुत की गई है। इसका निर्देशन आशीष आर. शुक्ला और श्रेयांश पांडे ने किया है। 'द पिरामिड स्कीम' 5 जून को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है और काफी पसंद की जा रही है।

सच्चा प्यार कभी प्रैक्टिकल नहीं हो सकता

जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से ओटीटी और आलिया भट्ट संग फिल्म 'जिगरा' से बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाले युवा कलाकार वेदांग रैना अब इम्तियाज अली की पीरियड लव स्टोरी 'मैं वापस आऊंगा' में अहम भूमिका में नजर आएंगे। खास बात यह है कि वेदांग अपनी हर फिल्म में अदाकारी के साथ-साथ गायिकी का हुनर भी दिखा रहे हैं। इस फिल्म में तो एआर रहमान जैसे दिग्गज कंपोजर के लिए मसकारा जैसे रूहानी गीत को आवाज देना वेदांग सपना सच होने जैसा मानते हैं।

रहमान सर के लिए गाने पर यकीन नहीं हुआ अपनी गायिकी के इस सफर और एआर रहमान के लिए गाने को लेकर वह कहते हैं, 'मुझे पता नहीं ये कैसे हो रहा है, क्योंकि मैंने कभी किसी डायरेक्टर को खुद ये बात नहीं बताई है कि मैं गाना गाता हूं। यह सब बस हो गया। जोया (अख्तर) के साथ भी ये अचानक हुआ था कि मैंने आर्चीज में एक छोटे सा हिस्सा गाया था। फिर वासन बाला सर की भी एक सोच थी तो जिगरा में भी गाने का मौका मिला और अब रहमान सर के लिए गाना तो किसी भी कलाकार के लिए सपना सच होने जैसा है। मुझे ये मौका मिलना बहुत बड़ी बात है, जबकि मैं हिंदुस्तानी क्लासिकल में ट्रेंड सिंगर भी नहीं हूं। हालांकि, मैंने अपनी जिंदगी में स्टेज पर बहुत गाया, बहुत परफॉर्म किया है तो यह अनुभव वहीं से आता है। फिर भी ऐसा मौका मिलने की तो मैं सोच भी नहीं सकता था। मुझे कभी-कभी इम्पोस्टर सिंड्रोम (खुद की प्रतिभा पर शक) होता था और लगता था कि मैं ये मौका डिजर्व नहीं करता।'
फिल्म में 1947 से पहले का दौर और मोहब्बत है, ऐसे में उस दौर को जीते हुए क्या वेदांग को कोई ऐसी चीज लगी कि काश वो आज के तेज रफ्तार दौर में भी होती? इस पर उनका कहना है, 'उस वक्त का प्यार करने का तरीका। मतलब अहसास तो अब भी वही है लेकिन अब रिश्ते या प्यार के दायरे थोड़े बदल गए हैं। जैसे अभी हम मेसेज करते हैं, तब चिट्ठियां लिखते थे। तब लोग अनकही बातों में, इशारों में मन के भाव समझते थे, वैसा वाला प्यार अब थोड़ा मिसिंग है तो अगर हम उसे वापस ला सकें तो अच्छा होगा।' क्या द्द्द्ग पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले वेदांग मानते हैं कि अब प्यार प्रैक्टिकल हो चुका है? इस पर वह दो टूक कहते हैं, 'सच्चा प्यार प्रैक्टिकल हो ही नहीं सकता। प्यार एक अहसास है, जो हर दौर में एक सा ही होता है, बस अब उस अहसास के इर्द गिर्द चीजें बदल गई हैं।'

कश्मीर लौटने का मन करता है

मैं वापस आऊंगा की तर्ज पर क्या कोई ऐसी जगह या वक्त हैं जहां वेदांग लौटना चाहेंगे? इस बारे में उन्होंने बताया, 'मेरे लिए कश्मीर वह जगह है। मैं कश्मीरी हूं, मेरे माता-पिता कश्मीरी हैं और मैं अपनी जिंदगी में कश्मीर काफी देर से गया। मैं 22 या 23 साल का था और वहां जाकर मुझे एक अलग सा नॉस्टैल्जिया महसूस हुआ। जब मैं श्रीनगर गया तो वहां मेरे साथ पापा- मम्मी और मौसी थी। वे ऐसे बता रहे थे कि यहां पर डल झील था। हम जब यहां अपने नाना-नानी के घर आते थे तो यहां खेलते थे। यहां पर चाय की दुकान होती थी और मैं यकीन ही नहीं कर पाया था कि किसी का बचपन डल झील के किनारे बीता होगा। मुझे वो सब परियों की कहानी जैसा लग रहा था। मुझे उस जगह से,एक नॉस्टैल्जिया महसूस हो रहा था, जहां मैं पहले कभी नहीं गया, शायद कोई पहले का कनेक्शन होगा तो वहां जाने का मेरा बहुत मन करता है।'

नर्वस था, पर आलिया ने खुले दिल से अपनाया

वेदांग ने हमसे जिगरा में आलिया भट्ट संग काम करने का अनुभव भी साझा किया। बकौल वेदांग, 'वह मेरी दूसरी फिल्म थी और मैं बहुत नर्वस था कि मैं आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन शेयर कर रहा हूं। पहली ही फिल्म के बाद मैं एक बिल्कुल अलग माहौल में था, लेकिन आलिया ने मेरी ओर जितनी गर्मजोशी दिखाई, जितनी खुले दिल से मुझे अपनाया और सहज कराया, वह अहसास मुझे हमेशा रहेगा। उसके लिए मैं उनको हमेशा याद रखूंगा। वह हमारी बहुत ही प्यारी दोस्त बनी। वह हमेशा मेरी शुभचिंतक हैं, जिसके लिए मैं हमेशा उनको याद रखूंगा।'

ईरान-अमेरिका डील पर संकटः ईरान-अमेरिका पीस डील के बावजूद इजराइल का लेबनान पर हमला...18 की मौत

–इजराइली मंत्री बोले– पूरे लेबनान को जला देना चाहिए, इजरायल के हमले से स्विट्जरलैंड वार्ता टली, जेडी वेंस का दौरा रद्द

डील गई तेल लेने... शुरू हो गया जंग!

–इजराइल के बाद ईरान डील पर फ्रांस ने फंसाया पेच, समझौते के लिए रखीं दो बड़ी शर्तें

वॉशिंगटन /तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान-अमेरिका के बीच पीस डील पर दस्तखत के एक दिन बाद शुक्रवार को इजराइल ने लेबनान पर हमला किया जिसमें कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई है। पीस डील की शर्तों के मुताबिक इजराइल को लेबनान पर हमले रोकने थे लेकिन पीएम नेतन्याहू ने इससे इनकार कर दिया था। इजराइली सेना ने दावा किया है कि उसने गुरुवार रात से अब तक दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में 80 से ज्यादा ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं, जिनमें हिजबुल्लाह के दर्जनों लड़ाके मारे गए हैं। दूसरी ओर हिजबुल्लाह के हमले में दक्षिणी लेबनान में 4 इजराइली सैनिकों की मौत हो गई है। इससे नाराज होकर इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन गवीर ने तीखा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पूरा लेबनान जलना चाहिए। उधर, अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में बातचीत होनी थी जो रद्द हो गई है। इसकी वजह इजराइल के लेबनान पर लगातार हमला हो सकता है। ईरान ने कहा है कि अमेरिका पहले लेबनान पर हमले रुकने की गारंटी दे, तभी आगे की बातचीत होगी। वहीं ईरान डील पर अब फ्रांस ने पेच फंसा दिया है। फ्रांस के विदेश मंत्री ने कहा कि जब तक प्रॉक्सी और मिसाइल निर्माण के मुद्दों को बातचीत में शामिल नहीं किया जाएगा, तब तक हम इसका विरोध करेंगे। फ्रांस के विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान को राहत राहत देने के लिए यूएन से अगर प्रतिबंध हटाने को लेकर कोई प्रस्ताव लाया जाता है, तो हम इसका विरोध करेंगे।

अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में होने वाली महत्वपूर्ण समझौता प्रक्रिया अंतिम समय में संकट में फंस गई है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस समझौते के औपचारिक हस्ताक्षर समारोह में शामिल होने के लिए रवाना होने वाले थे, लेकिन दक्षिणी लेबनान पर इजरायल के ताजा हमले के बाद पूरा कार्यक्रम स्थगित हो गया। इस हमले में 16 लोगों की मौत हुई, जबकि इजरायल ने जवाबी कार्रवाई में अपने चार सैनिकों के मारे जाने की पुष्टि की है। समझौते से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर सभी पक्षों से संयम बरतने और शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपील की थी। उन्होंने लेबनान, हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच पूर्ण युद्धविराम की उम्मीद जताई थी। इसके बावजूद इजरायल ने गुरुवार-शुक्रवार की रात दक्षिणी लेबनान पर बड़ा सैन्य अभियान शुरू कर दिया। ईरान और अमेरिका के बीच अस्थाई समझौते पर इजराइल के बाद फ्रांस ने पेच फंसा दिया है। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट का कहना है कि डील तभी मान्य होगा, जब फ्रांस इससे संतुष्ट होगा। बैरोट ने कहा कि हमारे बिना यूएन में पत्ता नहीं हिल सकता है। इस डील में फ्रांस को भी शामिल करने की जरूरत है। डील के जरिए हमारे मुद्दों की अनदेखी नहीं की जा सकती है। बैरोट का यह बयान ऐसे वक्त में सामने आया है, जब ईरान डील पर इजराइल ने रोड़ा अटका रखा है। लेबनान पर इजराइली हमले के कारण ही स्विटजरलैंड में शांति वार्ता को लेकर होनी वाली अमेरिका और ईरान की बैठक को रद्द कर दिया गया है।

हिजबुल्लाह का पलटवार, सीमा पर बढ़ा तनाव

इजरायली कार्रवाई के बाद हिजबुल्लाह ने भी जवाबी हमला किया। संगठन ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने गाइडेड मिसाइलों से इजरायल के तीन आधुनिक मर्कवा टैंकों को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया। हिजबुल्लाह के अनुसार, संघर्ष तब शुरू हुआ जब इजरायली सेना नबातीह क्षेत्र के रणनीतिक अली अल-ताहेर पहाड़ी इलाके की ओर बढने लगी। क्षेत्रीय तनाव बढने के बाद ईरान ने स्विट्जरलैंड में प्रस्तावित बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया। फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, लेबनान में युद्धविराम लागू होने तक अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली वार्ता स्थगित कर दी गई है। इसके चलते जेडी वेंस का स्विट्जरलैंड दौरा भी रद्द करना पड़ा।

इजरायल पर अमेरिकी प्रशासन की नाराजगी

घटनाक्रम से अमेरिकी प्रशासन की नाराजगी खुलकर सामने आई है। जेडी वेंस ने इजरायली नेतृत्व को चेतावनी देते हुए कहा कि डोनाल्ड ट्रंप इजरायल के सबसे बड़े और प्रभावशाली समर्थक हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि इजरायल की सुरक्षा में इस्तेमाल होने वाले अधिकांश रक्षा संसाधन अमेरिकी करदाताओं के धन से उपलब्ध कराए जाते हैं। वेंस के इस बयान को वॉशिंगटन और तेल अवीव के बीच बढ़ते तनाव का स्पष्ट संकेत माना जा रहा है।

115 करोड़ बैरल तेल गायब

ईरान-अमेरिका समझौते के बाद इस हफ्ते होर्मुज स्ट्रेट फिर से खुल गया है। हालांकि दुनिया अभी भी तेल संकट से पूरी तरह बाहर नहीं निकली है। एनालिटिक्स फर्म केपलर की रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के करीब चार महीनों में वैश्विक बाजार से 115 करोड़ बैरल तेल की सप्लाई गायब हो चुकी है। इसका असर आने वाले महीनों तक बना रह सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के दौरान मिडिल ईस्ट से तेल की सप्लाई लगभग बंद रही। इस वजह से दुनिया के स्ट्रेटजिक और कॉमर्शियल ऑयल रिजर्व तेजी से घटे हैं। पिछले कुछ महीनों में 19 करोड़ बैरल तेल स्टॉक से निकल चुका है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के स्ट्रेटजिक रिजर्व 1990 के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं, जबकि अमेरिका का इमरजेंसी रिजर्व 43 साल के निचले स्तर पर है।

सच हो गया नेतन्याहू का बुरा सपना, अमेरिका-ईरान की डील से कैसे चौतरफा घिर गए इजरायली प्रधानमंत्री

तेलअवीव, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बीते 4 महीनों से जारी जंग खत्म हो चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने गुरुवार को समझौते पर दस्तखत कर दिए हैं। 100 दिनों से भी अधिक समय से भीषण तबाही झेलने के बाद पूरी दुनिया इस युद्ध के खत्म होने का बेसब्री से इंतजार कर रही थी। ऐसे में यह समझौता बेहद जरूरी था। हालांकि एक शख्स है जिसके लिए यह समझौता किसी बुरे सपने से कम नहीं। ये शख्स हैं इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू।

नेतन्याहू इस डील से खुश नहीं, ये बात जगजाहिर है। लेकिन आखिर क्यों? इजरायली प्रधानमंत्री अगर चाहें भी तो भी वे इस समझौता का समर्थन नहीं कर सकते। इसके पीछे कई वजहें हैं। नेतन्याहू इस समय ऐसी स्थिति में फंस गए हैं जहां से उनका लौटना मुश्किल मालूम पड़ता है। हालात यह हैं कि देश में विपक्षी पार्टियां तो उन पर हमलावर हैं ही, उनके अपने भी उनसे खुश नहीं हैं। आइए समझते हैं कैसे नेतन्याहू के लिए मामला फंसता चला जा रहा है।

चुनाव से पहले बड़ा झटका : दरअसल इस साल अक्टूबर के अंत से पहले इजरायल में आम चुनाव होने हैं। चुनाव नजदीक आने के साथ ही नेतन्याहू पर घरेलू स्तर पर राजनीतिक दबाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है। इजरायल के विपक्षी नेता यायर लैपिड ने हाल ही में संसद में इजरायली क्रूर की तीखी आलोचना की। लैपिड ने कहा कि नेतन्याहू दो बेहद मुश्किल रास्तों के बीच फंस गए हैं। उन्होंने कहा, 'या तो वो हमारे सबसे बड़े सहयोगी (अमेरिका) के साथ सीधा टकराव मोल लें। या फिर इजरायली हितों का पूरी तरह से आत्मसमर्पण कर दें।'

ट्रंप के समझौते को ना मानने की मांग : नेतन्याहू को सिर्फ विपक्ष से ही नहीं, बल्कि अपनी सरकार के भीतर शामिल कट्टर दक्षिणपंथी मंत्रियों से भी आलोचना झेलनी पड़ रही है। ये सहयोगी दल किसी भी ऐसे समझौते का विरोध कर रहे हैं जो इजरायल की सैन्य आजादी को सीमित करता हो। बता दें कि अमेरिका ईरान डील के तहत ईरान ने शर्त रखी है कि लेबनान सहित दूसरे सभी मोर्चों पर सैन्य अभियान बंद होने चाहिए। अमेरिका ने इस शर्त को मंजूरी भी दे दी है। इससे इजरायली कट्टरपंथी नेता भड़क उठे हैं और आजादी पर हमला बता रहे हैं। इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्विर ने सोशल मीडिया पर इस डील का खुलकर विरोध किया। उन्होंने लिखा, 'ट्रंप का समझौता हमारे लिए बाध्यकारी नहीं है। हम इस समझौते का हिस्सा नहीं हैं, क्योंकि यह हमारी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं करता है।' इस बीच नेतन्याहू पर भ्रष्टाचार का मुकदमा भी चल रहा है जिसने उनकी राजनीतिक स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है।

ट्रंप नहीं दे रहे भाव : इजरायली प्रधानमंत्री को सबसे तगड़ा झटका ट्रंप से मिला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान युद्ध को लेकर दोनों के बीच कई दिनों से मतभेद चल रहे थे। नेतन्याहू इस जंग को जारी रखकर देश में 'टोटल विक्ट्री' वाला नॉरेटिव चला सकते थे, जिससे उन्हें चुनाव में भी मदद मिलती। हालांकि ट्रंप ने समझौता कर उनके इस प्लान पर पानी फेर दिया है।

दूसरी तरफ ट्रंप बीते कुछ दिनों में नेतन्याहू को कई बार खुलेआम भला-बुरा कह चुके हैं। हाल ही में उन्होंने एक फोन कॉल के दौरान नेतन्याहू को 'पागल' तक कह दिया। इसके अलावा उन्होंने अपशब्दों का प्रयोग भी किया। जाहिर है इससे नेतन्याहू की देश में छवि कमजोर हो रही है। नेतन्याहू को डर था कि ट्रंप उनकी मांगों को नजरअंदाज कर ईरान संग समझौता न कर लें, लेकिन हुआ ठीक ऐसा ही।

संक्षिप्त समाचार

अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन आईएसएस पर रहेंगे 240 दिन, नासा बोला– मिशन के लिए 14 जुलाई को भरेंगे उड़ान

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के फिजिशियन और नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन अपने जीवन के पहले अंतरिक्ष मिशन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर लगभग 8 महीने यानी 240 दिन का लंबा समय बिताएंगे। यह मिशन मंगलवार, 14 जुलाई, 2026 को कजाखस्तान के बैकोनूर कोस्मोड्रोम से लॉन्च किया जाएगा। अनिल मेनन और उनका दल वसंत 2027 तक अंतरिक्ष स्टेशन पर रहेगा। इस दौरान वे कई ऐसे वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे जो भविष्य में चंद्रमा और मंगल पर भेजे जाने वाले मानव मिशनों के लिए बेहद मददगार साबित होंगे। इतना ही नहीं, अंतरिक्ष का यह सफर अनिल मेनन अकेले तय नहीं कर रहे हैं, क्योंकि आईएसएस के मिशन हमेशा एक टीम के रूप में होते हैं। वह एक अंतरराष्ट्रीय क्रू के सदस्य के रूप में रूसी अंतरिक्ष यात्रियों प्योत्र डुब्रोव और अन्ना किकिना के साथ अंतरिक्ष के लिए रवाना होंगे। शून्य गुरुत्वाकर्षण में इन्सानी शरीर को ढालने पर होगी खोज मिशन पर 240 दिन बिताने के दौरान दोनों अंतरिक्ष यात्री वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रयोगों का हिस्सा बनेंगे। नासा के अनुसार, मेनन का मुख्य काम यह रिसर्च करना होगा कि अंतरिक्ष के वातावरण और शून्य गुरुत्वाकर्षण में इंसानी शरीर खुद को कैसे ढालता है। बता दें कि मिनेसोटा के मिनियापोलिस में जन्मे अनिल मेनन के माता–पिता भारतीय और यूक्रेनी मूल के अप्रवासी हैं।

स्पेन के पूर्व प्रधानमंत्री जपाटेरो की अदालत में पेशी

मैड्रिड , एजेंसी। स्पेन के पूर्व प्रधानमंत्री जोस लुइस रोड्रिगेज जपाटेरो बुधवार को एक न्यायाधीश के सामने पेश हुए। यह मामला सरकारी एयरलाइन बेलआउट और उनके कार्यालय से बरामद गहनों से जुड़ा है। पिछले महीने उन पर प्रभाव का दुरुपयोग, मनी लॉन्ड्रिंग और अन्य वित्तीय गड़बड़ी के आरोप लगे थे। यह उनकी राष्ट्रीय अदालत में पहली पेशी है। मामला स्पेन सरकार द्वारा प्लस अल्ट्रा एयरलाइन को दिए गए बचाव पैकेज से संबंधित है। जपाटेरो, 65 वर्ष, 2004 से 2011 तक प्रधानमंत्री रहे थे। 2021 में प्लस अल्ट्रा को कोविड–19 रिकवरी फंड से 53 करोड़ यूरो (61.5 मिलियन डॉलर) मिले थे। न्यायाधीश जोस लुइस कलामा कर धोखाधड़ी और मई में जपाटेरो के कार्यालय से बरामद 1.3 करोड़ यूरो के गहनों की जांच भी कर रहे हैं। जपाटेरो ने एयरलाइन मामले में किसी भी गलत काम से इन्कार किया है। उन्होंने कहा कि गहने विरासत में मिले थे या उपहार के रूप में प्राप्त हुए थे।

बम धमाके में गंवाए दोनों पैर, फिर भी नहीं टूटा हौसलाः हरी बुद्धा ने सेवन समिट्स फतह कर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

काठमांडू, एजेंसी। कई लोगों के लिए दोनों पैर खो देना जिंदगी की सबसे बड़ी चुनौती हो सकती है, लेकिन नेपाल के हरी बुद्धा मगर ने इसे अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत बना लिया। अफगानिस्तान में हुए एक बम विस्फोट में दोनों पैर गंवाने के बाद भी उन्होंने दुनिया की सबसे कठिन पर्वत चोटियों को फतह कर इतिहास रच दिया।

आज हरी बुद्धा मगर दुनिया के पहले ऐसे डबल एम्प्यूटी (घुटनों के ऊपर से दोनों पैर गंवा चुके) पर्वतारोही हैं जिन्होंने सेवन समिट्स यानी सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की है।

अफगानिस्तान में बम धमाके ने बदल दी जिंदगी : नेपाल के एक साधारण परिवार में जन्मे हरी बुद्धा मगर बचपन से ही पहाड़ों के बीच पले-बढ़े। बाद में उन्होंने ब्रिटिश सेना की प्रतिष्ठित गोरखा रेजिमेंट में जगह बनाई। साल 2010 में अफगानिस्तान में तैनाती के दौरान उनका पैर सड़क किनारे लगाए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस पर पड़ गया। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि उनके दोनों पैर घुटनों के ऊपर से काटने पड़े। यह हादसा उनकी जिंदगी का सबसे कठिन दौर था, लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय नए सिरे से जीवन शुरू करने का फैसला किया।

व्हीलचेयर से शुरू हुआ संघर्ष : हादसे के बाद शुरुआती दिनों में उनका लक्ष्य केवल इतना था कि वह खुद को जमीन से उठाकर व्हीलचेयर तक पहुंचा सकें। धीरे-धीरे उन्होंने शारीरिक और मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाया। बचपन से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने का सपना देखने वाले हरी ने कृत्रिम पैरों की मदद से पर्वतारोहण का प्रशिक्षण शुरू किया और असंभव दिखने वाले लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाए।

माउंट एवरेस्ट फतह कर रचा इतिहास : मई 2023 में हरी बुद्धा मगर ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर इतिहास रच दिया। वह घुटनों के ऊपर से दोनों पैर गंवा चुके पहले व्यक्ति बने जिन्होंने एवरेस्ट की चोटी तक पहुंचने का कारनामा किया। इस उपलब्धि ने उन्हें दुनिया भर में प्रेरणा का प्रतीक बना दिया। एवरेस्ट के बाद हरी ने दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित पर्वतारोहण अभियानों में शामिल सेवन समिट्स मिशन को पूरा करने का लक्ष्य तय किया। जनवरी 2026 में अंटार्कटिका के माउंट विंसन पर सफल चढ़ाई के साथ उन्होंने सेवन समिट्स मिशन पूरा कर लिया और नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया।

पांच गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम : हरी बुद्धा मगर के नाम अब पांच गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हैं। इनमें डबल एम्प्यूटी पर्वतारोही के रूप में एवरेस्ट, डेनाली और अन्य कठिन चोटियों पर चढ़ाई के रिकॉर्ड शामिल हैं। उनकी असाधारण उपलब्धियों को देखते हुए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने उन्हें प्रतिष्ठित 'आइकन' सम्मान से भी सम्मानित किया है।

'दिव्यांगता पहचान नहीं, हौसला पहचान है' : हरी का कहना है कि उनका उद्देश्य केवल रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि लोगों को प्रेरित करना है। उनके मुताबिक दिव्यांगता किसी व्यक्ति की क्षमता को परिभाषित नहीं करती। उन्होंने कहा कि लोगों ने कई बार उन्हें बताया कि वह यह नहीं कर सकते, लेकिन उन्होंने हर चुनौती को अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से पार किया।

अब अंतरिक्ष और ध्रुवीय अभियानों पर नजर : सेवन समिट्स मिशन पूरा करने के बाद भी हरी रुकना नहीं चाहते। उनका सपना अब उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचने, समुद्र की गहराइयों की खोज करने और भविष्य में संभव हो तो अंतरिक्ष यात्रा करने का है। हरी बुद्धा मगर की कहानी इस बात का जीवंत उदाहरण है कि इंसान की सबसे बड़ी ताकत उसका शरीर नहीं, बल्कि उसका आत्मविश्वास, साहस और कभी हार न मानने वाला जज्बा होता है।

ट्रंप ने जिनपिंग–पुतिन की तटस्थता पर आभार जताया; कहा– मिनाब में स्कूल पर हमला जानबूझकर नहीं हुआ

पेरिस , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तारीफ की है। उन्होंने ईरान युद्ध के दौरान इन दोनों नेताओं के तटस्थ रहने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। फ्रांस के एवियन-ले-बैंस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि इन दोनों नेताओं ने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर रोक लगाने के अमेरिकी प्रयासों में कोई बाधा नहीं डाली। इससे स्थिति को संभालने में अमेरिका को काफी मदद मिली।

जिनपिंग और पुतिन का जताया आभार : ट्रंप ने खास तौर पर शी जिनपिंग का जिक्र करते हुए कहा कि वे बीजिंग दौरे के समय उनके साथ थे। उन्होंने कहा कि शी जिनपिंग पूरी तरह तटस्थ रहे, जिसकी वे सराहना करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने व्लादिमीर पुतिन का भी आभार जताया। ट्रंप ने कहा कि ये दोनों नेता चाहते तो अमेरिका की राह को अधिक कठिन बना सकते थे। ट्रंप के अनुसार, शी जिनपिंग ने इस संघर्ष को सुलझाने में सहयोग किया। चीन ने ईरान को बड़े हथियार या कंधे पर रखकर दागी जाने वाली मिसाइलें नहीं भेजीं। ट्रंप ने यह भी कहा कि चीन चाहता तो अपने तेल के जहाजों की सुरक्षा के लिए कई युद्धपोत वहां भेज सकता था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया।

मिनाब स्कूल हमले पर क्या बोले ट्रंप : इसके साथ ही, ट्रंप ने संघर्ष के दौरान ईरान में लड़कियों के एक स्कूल पर हुए हमले को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह हमला जानबूझकर नहीं किया गया था। ट्रंप के अनुसार, युद्ध के दौरान ऐसी गलतियां हो सकती हैं। यह घटना 28 फरवरी को संघर्ष के पहले दिन हुई थी। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, इस हमले में 175 से अधिक बच्चों और शिक्षकों की मौत हुई थी। शुरुआत में ट्रंप ने बिना किसी सबूत के दावा किया था कि इस हमले के पीछे ईरान का हाथ है। हालांकि, बाद में उन्होंने कहा कि उन्हें इस घटना के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मामले की जांच अभी चल रही है और वे जांच के निष्कर्षों को स्वीकार करेंगे। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि किसी ने भी स्कूल को जानबूझकर निशाना नहीं बनाया था।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने पहले बताया था कि अमेरिकी सेना की शुरुआती आंतरिक जांच में इस घातक हमले के पीछे अमेरिकी बलों के होने के संकेत मिले थे। हालांकि, पेंटागन ने अभी किसी नतीजे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख ने बताया कि यह जांच काफी जटिल रही है क्योंकि वह स्कूल एक सक्रिय ईरानी क्रूज मिसाइल बेस के भीतर स्थित था। अब यह जांच अपने अंतिम चरण में पहुंच रही है।

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में गुरुद्वारे के भीतर गोलीबारी, सिख सेवादार दंपति की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम में स्थित खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मर्दन शहर में बुधवार को एक गुरुद्वारे के अंदर सिख सेवादार दंपति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना पेशावर से लगभग 60 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में मर्दन के बाबू मोहल्ला इलाके में हुई। मर्दन के जिला पुलिस अधिकारी मसूद अहमद के अनुसार, अज्ञात हमलावरों ने गुरुद्वारे के अंदर गोलीबारी की, जिसमें सेवादार जगन्नाथ और उनकी पत्नी आसमा वांती की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हमले के मकसद का पता लगाने और इसमें शामिल लोगों को पकड़ने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा के सदस्य सुरेश कुमार ने हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है और पुलिस को जांच में प्रगति दिखाने के लिए 24 घंटे की समय सीमा दी है। कुमार ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि यह अत्यंत चिंताजनक है कि क्षेत्र में सुरक्षा कर्मियों और पुलिस की मौजूदगी के बावजूद ऐसी घटना हुई। उन्होंने मामले के सभी पहलुओं की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच की मांग की। कुमार ने अपराध स्थल से एकत्र किए गए सीसीटीवी साक्ष्य के प्रबंधन पर भी चिंता जताई। उन्होंने दावा किया कि डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर को 'अत्यंत लापरवाही से' हटाया गया था, जिससे साक्ष्य के संरक्षण और जांच की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं। उन्होंने मर्दन के जिला पुलिस अधिकारी, मर्दन क्षेत्र के क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी और खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक से घटना की गहन जांच सुनिश्चित करने और किसी भी लापरवाह अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। विधायक ने चेतावनी दी कि अगर 24 घंटे के भीतर संदिग्धों को गिरफ्तार नहीं किया गया या जांच में महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई, तो मर्दन, पेशावर और इस्लामाबाद में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। इस बीच, पुलिस ने बताया कि विशेष जांच दल गठित किए गए हैं और कई कोणों से पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि हमलावरों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए आधुनिक फोरेंसिक और तकनीकी संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है।

'ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में दखल न दें, यह हमारा अंदरूनी मामला है', लूला की ट्रंप को दो टूक

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने बुधवार को अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी दी। उन्होंने कि ट्रंप ब्राजील के अक्तूबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में दखल न दें। उन्होंने यह चेतावनी तब दी, जब ट्रंप ने उनके राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ न्यायिक कार्रवाई को लेकर ब्राजील की फिर से आलोचना की।

यह बयान दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को दिखाता है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में दक्षिण अमेरिकी देश पर और टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया है और दो ड्रग-तस्करी वाले संगठनों को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया है, जिसका लूला विरोध करते हैं।

लूला ने कई बार ब्राजील की संप्रभुता का बचाव किया है, खासकर तबसे जब ट्रंप ने पिछले साल ब्राजील पर टैरिफ लगाए थे और अपने सहयोगी पूर्व राष्ट्रपति जेर बोल्सोनारो के खिलाफ 'राजनीतिक बदले की कार्रवाई' का आरोप लगाया था।

सुप्रीम कोर्ट जज के खिलाफ प्रतिबंध पर जताई आपत्ति : लूला ने ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के जज अलेक्जेंड्रे डी मोरेस पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों पर भी आपत्ति जताई। ट्रंप प्रशासन ने कहा था कि मोरेस ने राजनीति से प्रेरित होकर बोल्सोनारो के खिलाफ कार्रवाई की, जिन्हें 2022 के चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने की कोशिश के लिए दोषी ठहराया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या बयान दिया : ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ब्राजील 'राजनीतिक रूप से खतरनाक' बन गया है। सरकार 'बोल्सोनारो जूनियर' (जेर बोल्सोनारो के बड़े बेटे फ्लावियो बोल्सोनारो) को गिरफ्तार करना चाहती है, जो चुनाव में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बोल्सोनारो के बेटे और पूर्व सांसद एडुआर्डो बोल्सोनारो को उनके पिता के तख्तापलट मामले में धमकी देने का दोषी पाया और उन्हें 4 साल दो महीने की जेल की सजा सुनाई।

हालांकि, ट्रंप का बयान 'जनमत सर्वेक्षणों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं' इस ओर संकेत दे रहा है कि वह शायद बोल्सोनारो के बड़े बेटे सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो की बात कर रहे थे, जो लूला के खिलाफ राष्ट्रपति चुनाव लड़ रहे हैं। फ्लावियो बोल्सोनारो को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। एडुआर्डो बोल्सोनारो को कोर्ट ने दोषी इसलिए ठहराया, क्योंकि उन्होंने अपने पिता के तख्तापलट मामले में अवैध रूप से हस्तक्षेप किया और अमेरिकी सरकार से ब्राजील के अधिकारियों पर दबाव बनाने की पैरवी की।

लूला ने पलटवार किया : जी7 शिखर सम्मेलन के बाद फ्रांस के एवियन-लेस-बैंस में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक पत्रकार ने ट्रंप के बयान पर लूला से सवाल किया। इस पर ब्राजील के राष्ट्रपति ने कहा कि इससे पता चलता है कि ट्रंप ब्राजील को ठीक से नहीं जानते।

लूला ने कहा, अगर वह ब्राजील को बोल्सोनारो परिवार से जुड़े रिश्तों के आधार पर जानते हैं, तो वह ब्राजील को नहीं जानते। वह बोल्सोनारो को पसंद करते रहें (पिता, बेटा या पोता) यह उनकी समस्या है, मेरी नहीं। लेकिन ब्राजील के चुनाव में दखल मत दीजिए, क्योंकि ब्राजील का चुनाव ब्राजील का मामला है।

ड्रग-तस्करी संगठनों को घोषित किया आतंकी संगठन : एडुआर्डो और फ्लावियो बोल्सोनारो हाल ही में वाशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों से मिले थे। उन्होंने ट्रंप से भी मुलाकात की थी। इसके बाद अमेरिकी प्रशासन ने ब्राजील के दो बड़े ड्रग-तस्करी संगठनों को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया।

लूला ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि ये समूह स्थानीय लोगों को नुकसान पहुंचाते हैं। लेकिन वे आतंकवादी संगठन नहीं हैं, क्योंकि उनका उद्देश्य राजनीतिक बदलाव नहीं बल्कि मुनाफा कमाना है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.